

SHREE
BRIHAD DHARNA YANTRA.

સદાયક
શ્રીયુત્ દોશી નાગરદાસ પ્રેમજી
શ્રી પોરબ હરવાલા
DOSHI NAGARDAS PREMJEE
C/o HARKISHANDAS NAGARDAS
1 Narmal Lohia Lane Calcutta

SECOND EDITION 500

BY
MUNI SHRI DARSHANVIJAYAJI

Published by
MAFATLAL MANEKCHAND
Hony Secretary
s c m n s
Viramgam

Printed by
A S PATEL
at
The Bombay Fine Art Printing Works
56 1, Canning Street,
CALCUTTA

श्री चारित्र स्मारक ग्रंथमाला पु० न० १६

श्रीवृहद् धारणायंत्र ।



संपादक
मुनि ज्ञानविजय ।

प्रकाशक
श्री चारित्र स्मारक ग्रंथमाला ।
मु० धीरमगाम (गुजरात)

मूल्य ८ भाणका

धीरनिर्घाणाब्द २८५७
विममब्द १९८७

कमलधारिणाब्द १३
विष्वब्द १९३१

किंचिद्वक्तव्यं

१०० धीयशोविजययाचनगादेम्

इति जयतिजैनशासनं व्याकरण ग्याय साहित्यनिहास उप
प्रमुख विषयाधीनं प्रचैरुद्वदनप्रमयेतगमेध । नतप्राप्ति काचिद
तथापि जिनशासन गौरवाय धातामिदृश्ये 'शुभे यथाशक्ति यतनी'
धीस्तधचरणेषु समुपरा विभने धारणागतिदेशकोपमपि एषोमथ ।

ननु परचित् फात्रित् फाली सत्यतो—एरिदोमर धामुर्
प्रमुखाचायै विरचिता परस्परविग्ध्या गहता निहृणधीगम्या
धारणागति प्राप्यते । १ तथा निधयाऽऽतमकं भद्राति शानं भयति
धाजैनावापेणाय जिन प्रतिष्ठाप्य इति” ।

ततोयारवि धारणागतिदृष्टस्तोवि एत्यति सत् एरिण्डुने
पा । तदपिमहनाऽऽयारोनाधिवबालक्षेपे ॥

एवमेतत्सय प्रयत्नसाध्य विचिन्त्य तेरामेवतृत्पू गयानां एवना
दृपया मुग्धधोधफर सालो स-यत्रो यदधधारणाप्र यस्समर्पितो
मुनिदर्शन रिजयेन ॥

प्र धेस्मिन्किं किमस्ति तत्तुप्र धादेशात्रलोबनीयं रिद्धिः ॥

धनेनसर्धोलोक सुखं धारणागतिमबाप्य स्वामोष्टपूरकं जिनं स
धांछिनचप्राप्सति । तदेवमुक्तप्र धेपि— पृष्ठ ६१

प्र धात् शानं विधियद् प्रतिष्ठाचांसुदर्शनम् ॥

मायश्चरणं नैज्जप्यं, ममशो भयतु मृणाम् ॥ ११७ ॥

भयं गुर्जरप्रायां (गुजरात) धोरमग्रामे धोबारिप्रस्मारकप्र यमाल
क्रमेण मुद्रित एकोनत्रिंशतितमो १६ प्र धाधिरं न दत्तात् । रिक्तनोतु
कल्याणं ॥

महाजीर निर्वाणतो २४५७
तमेवप्यं धायणशुक्ल प्रतिपदि शुक्चारे
महाप्रगरी

इति निवेदयति,
धीयशोविजयजैनगुरुल्लस
श्रीचारित्रविजय-च
मुनि मानविजय

अंजाले ।

श्रीसिद्धाचरन्तीर्थगज तिलके, श्रीपादलीप्ते पुरे,
त्रिभ्योपकृतिक यशोत्रिजयजी मामाकित येन सत्,
श्रीमदुत्तानगिरिर्घन गुरुकुल, जैन पर स्थापितम्,
स श्रीसयत्पूगजो त्रिजयता, चारित्रराजेध्वर ।

तेयाम्

श्री सिद्धक्षेत्र यशोविजय जैन गुरुकुल

संस्थापकाना मुनिपूगवाना

शासनोद्धारसेनादेयाफीना

मम

दर्शन ध्यान-चारित्र जीवा दातृणा

आज म ब्रह्मचारिणा

श्रीमद् चारित्रत्रिजय गुरुपादानां

चरण सरोजेषु

श्रीवृहद्धारणायन्त्र-पुष्पाणि

सन्नेम सादर

समर्पयामि

स्वाहा

इति

श्री — = शिष्य लेशो

वर्गन विजय

बृहध्याणायत्र अ० ५ देखनेकी गीतियाँ ।

— ००० —

अमुक गाय व अवाय व गृहस्थको फोन होना तीर्थ कर की प्रतिष्ठा (पूजा) करता चाहिये, सो अध्याय ५ (पृष्ठ २१ से ६०) के फोट से देखना । सो इति प्रकार—

जिनके तीर्थ देखना हुये उसि का नांव के भादि अक्षरगाले पृष्ठ का दखना जिसमें सायकाक्ष लीला है, गीतेमें २४ तीर्थ बरये नांव सारा कर ८ बान्ने तारा त्रिपेय का शुभांगुल मन्त्र दीया है, इदिमें अशुभ राशि, यात्रिपेय-कुपेय पगरेर वेनेकात्रिशोष, अशुभगण गण घेर अशुभ राशि, शत्रु राशि, अशुभकर राशि, नाडीवेध और गण्डावेध अशुभ है । आर स्त्रजानि मैत्रायानि, यानि, धर्म लेने का त्रिशोष स्वगण, शुभ राशि, प्रीति, स्वराशि, धन्य राशि, धन्यार व गण्डावेध अत्यंत शुभ है । उदि उत्तम व मध्यम योगगाले तीर्थ बरगेकी प्रतिष्ठा करना चाहिये । इसि से जिन मूर्ति प्रभाववाली रहता है दया से अधिष्ठान होती है चिरफाउ तब पूजानी है । प्रतिष्ठापकका सो भाव प्रकार के लाभ होते है ।

यद्यपि तोर्य करकी धारणामें तारापल महोपन् देखना ठीक है, किन्तु गण राशि और नाडी का आशय देखना चाहिये, राशि की प्रतिदुलता दो अथवा नाडीवेध हो उदि को प्रतिष्ठा हलगोज मही करना । कारण १ तारा योजि धर्म किया गण राशि और गण्डा का यत्र अधिक अधिष्ठान विशेष है । ता जितना योग उपादा यत्रवान् हो उदि प्रतिमा की प्रतिष्ठा (पूजा) करना शुभ है । जैसा कि पृष्ठ ३२ क महाभार, तारा, नाडी धर्म घेर (अशुभ) २ विचारक ज्ञान, देना, मध्यम गण धेष्ठनर राशि भी वेध । इसिसे पत्रपत्रा-महाभार शुभ है

इस मुताबिक प्रत्येक फोटो का विचार करके जिन मूर्तिको अनुपुज्यता का निर्णय करना ।

पृष्ठ के नीचे लीला हुर बाते दिना—शाश्व में उपयोगी है किन्तु जिन प्रतिमा उपयोग नहीं है । इति शांति ।

વૃહદ્ધારણાચંત્ર-અ૦ ૫, સમજવાની રીતિ

—૦૦૦—

અમુક ગામ (સઘ) સ્થાપક સ્ત્રિ અથવા શ્રાવકને પ્રતિષ્ઠા માટે (પૂજા માટે) વ્યા તીર્થ કર અનુકુલ છે તે ૫૦ ૨૬ થો ૬૦ ના કોષ્ટકથી તપાસવું । તે આ પ્રમાણે—

જેના માટે જોયું હોય તેના નામનો આદિનો અક્ષરલઙ્ તે અક્ષર ઘાટું પાનું જોયું, તેમા ઉપર સાધવાક્ષર ઢરેલ છે અને નીચે ૨૪ તીર્થ કરના નામો આવી તારા યોગિ યિગેરે ૮ જ્ઞાનામા શુભ અશુભના સંકેતો ફરેલ છે, જે પૈકીના અશુભતારા યોગિ— ઘેર કુરેર ઘર્ગઘેર દેખાનાશિશ અશુભગણ ગણઘેર અશુભરાશિ શશુરાશિ અશુભતર રાશિ નાહીવેધ તથા નાહી પાદવેધ અશુભ છે સમાનવિધ્વા મત્યમગણ મત્યમગરાશિ તથા રાશિ મેદયો ધવેલ મત્યમ મધ્યમ છે અને રજાપોગિ મૈત્રી યોગિ, 'યોગિ, 'ધર્મ, ભેળાવિધ્વા સ્વગણ શુભરાશિ પ્રીતિ સ્વરાશિ શ્રેષ્ઠરાશિ શ્રેષ્ઠતર તથા વેધ વિગાનો નાહી પ અત્યંત શુભ છે । પ્રતિષ્ઠામા અશુભ તીર્થ કરો વચ્ચે છે મધ્યમ સંકેતરાહા મધ્યમ છે અને અત્યંત શુભ તીર્થ કરો સર્વથા અનુકુલ છે તો ઉત્તમ અને મધ્યમ યોગરાહા તીર્થ કરોનો પ્રતિષ્ઠા કર્યાં જેથી જિત પ્રતિમા પ્રમાણશાહી થને છે દેવપ્રિષ્ઠોત રહે છે ચિરકાલ પૂજાય છે અને પ્રતિષ્ઠાપકને પણ અનેકવિધ લાભ થાય છે ।

અહીં વાદ રાખવું કે માટે માગે તાર્ય કરો માટે તારાચલ જોરાના જયર નથી પડ્યે તારા ચલ કશાચલ જોરાય છે જ્યારે ગણ રાશિ અને નાહી તો અગ્રણ્ય જોરાજ જોશ્વ । રાશિની પ્રતિકુલતા અથવા નાહી વેધ હોયતો પ્રતિષ્ઠાપકને તે તાર્ય કરના પ્રતિષ્ઠા પોદ રોતે કશી નહીં કેમ કે તારા—યોગિ—ર્ગ—વિધ્વા—ગણ—રાશિ અને નાહી પ પડાપડોના યોગો વધારે વચારે ચલ્યાન છે । જે પ્રતિમાના યોગો વચારે ચલ્યાન હોય તે પ્રતિમાનો પ્રતિષ્ઠા કરાવતો શુભ છે ।

આ રીતે દરેક વાચતનો વિચાર કરીને તીર્થ કરતો અનુકુલતાનો નિર્ણય કરવો ।
* પાનાની નીચે લેલેલ વાચતો વિશ્વા-વિગ્રહ માટે ઉપયોગી છે પણ તીર્થ કર માટે ઉપયોગી નથી ।તિ શાતિ ।

अनुक्रम ।

— ० —

अध्याय १, राशाद्या

| विषय | पत्राणि |
|-------------------------------------|---------|
| मगर्त—उद्देशादि | १ |
| द्वार | २ |
| नक्षत्राक्षर—योनि—तारा— गण माह्य | २ |
| नक्षत्रादि—यथा | ४ |
| द्वादशार वेध यत्र | ५ |
| युजि—राशि—कूट—दूरता | ६ |
| राशियत्रा ग्रहयत्रा | ७ |
| जातिर्घर्षो ग्रहयत्रं | ८ |
| घर्ष—विशोपकयत्रा | १० |
| यत्रं घर्षो विशोपका | १२ |
| ग्राम राशि सयत्र | १८ |
| पाकीणी सयत्रा | १३ |
| बलाबलं | १३ |

अध्याय २, तीर्थ करा

| | |
|--|----|
| जिन—नाम—चिह्न—भानि | १४ |
| जिन नामादि यंत्र | १५ |
| राशि जिन नाम यंत्र | १५ |
| जिन—राशि—पाद—नाडी— गण—तारा—वे २—यत्रा | १७ |
| जिन—राशि—कूट यंत्रा | २० |
| जिन विशोपक यत्र | २२ |
| कूट पदक | २२ |

अध्याय ३, अचरा

| | |
|---------------------|----|
| समुद्रो न्यासोक्षरा | २३ |
| सर्वाक्षर कूट यत्र | २३ |

अध्याय ४, अउओक

| विषय | पत्राणि |
|-------------------------|---------|
| मकडम्—अउओरम् | २६ |
| न्यास ईक्षणं | २६ |
| नाम जम भेद | २६ |
| साध्यादि ४ यत् | ६ |
| मकड अउओक साध्यादि यत्रा | २७ |

अध्याय ५, पूर्णभग

| | |
|-------------------|----|
| मगल प्रभो न्यास | २८ |
| १५३६ भगा यत् | २८ |
| जि—युक्त यत्रा | २८ |
| विमिश्रणम् | ३१ |
| प्रशस्ति | ३१ |
| प्र धक्कल इत्यादि | ३१ |

परिशिष्टाणि

| | |
|--------------------------------|-----|
| १ विषयरीक्षाप्रकरणम् (प्रा०) | ३२ |
| ” (ससृजम्) | ३४ |
| प्रतिमा पाषाण परीक्षा | ३६ |
| २ मज्जदश मुद्रा | ३६ |
| ३ दृढभाति विचार | ३७ |
| ४ घटन सग्रह | ३८ |
| ” शत्रु प्रभन यत्र | १०० |
| ५ स्थापापाकप (गद्य) | १०१ |
| ” (पद्य) | १०२ |
| ६ मणि परीक्षा | १०३ |
| ७ विशेष सूचन | १०३ |

॥ श्रीसिद्धचक्राय नमः ॥

श्रीबृहद् धारणायन्त्र ।

| | | | |
|------------|---|--|--------|
| मंगलाचरण — | श्रेयस्कर महावीरं लोक चक्षु पूर्ण पूर्ण स्तरीमि भारतीं ब्राह्मीं गौतम ज्ञानधातार | वदेजगत्पितामहं केवल धृति भास्कर जगद्विज्ञानमातर इंद्रे धीगणनायक | १ २ |
| | श्रीमन्चारित्र त्रिजय प्रणमामि त्रिशुभ्याहं | शुरुकुल पितामह ज्ञानादि स्वात्म दायक | ३ |
| प्रथमनाम — | प्रणम्येत्य महत्पूज्यान् श्रीबृहद् धारणायन्त्र | शुरुमे प्रसादत करोमि जिनभक्ति | ४ |

अध्याय १

| | | | |
|------------|---|--|--------|
| उद्देश्य — | साध्यसाध्ययोः पृथक्— शिष्यगुरुर्गोत्रं दत्तयो जन्मर्क्षयोर्नाममयो नामाद्याक्षरयोर्ज्ञानो | पत्योभ्यापन्न त्रिषयो सुसंग्रहं सर्वं क्षयते न जन्ममनामक्षयो योगो योगेन श्रूयति | ५ ६ |
|------------|---|--|--------|

नाम्निविशेष — देशे ग्रामगृहज्वर व्यथहति धुनेषु दाने मनौ
क्षेत्रावाकीर्णी धर्मं सगरपुनर्मूर्तेलके नामम
जन्मर्क्षं परतो धधुपुरययोर्जन्मर्क्षं मेवस्यचैत्
ज्ञानं शुद्धमितो विलोक्यतपोर्नामक्षयोर्मेल्क ॥ ७० ॥

| | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
|-------------|-------------------------------|--------------------------|----------------|----------|--------|--------------|------------|
| हारः— | मातुयोनि | तारागण | नाडिबेधा | युजिस्तु | रात्रे | युतिमध्यदूरो | |
| | ८ | ६ | १० | १२ | १२ | १३ | |
| | पश्यन्व | घण | पनिजेक्यमेन्थौ | प्राह्या | द्वयो | धर्म | निशोपकाश्च |
| मन्त्राणि — | अश्विनी भरणी चैव | कृतिका रोहिणी मृग | | | | | |
| | आर्द्रा पूनर्पसु पुष्य | स्ततोऽश्लेषा ततो मघा | ८ | | | | |
| | पूर्वा फाल्गुनी तस्माच्चे— | योत्तराफाटगुनी चर | | | | | |
| | चित्रा स्याति त्रिशास्त्रानु— | राघा ज्येष्ठा मूल तथा | ६ | | | | |
| | पूर्वाषाढोत्तराषाढा | ऽमिच्छुर्गर्ग घनिष्ठिका | | | | | |
| | शत पूर्वोत्तरामाद्रौ | रेवती भगण स्मृत | १० | | | | |
| मन्त्रा — | अश्विनाशुचेबोलास्यात् | लीलुगेलो भरण्याय | | | | | |
| | कृतिकास्याद् आशुष्य | रोहिणी भोगयिषु च | ११ | | | | |
| | मृगान्तिर्ष धेरोकाफि | आर्द्रा कुचडल मता | | | | | |
| | पूनर्पसु केकोहादी | इ हे हो डा चपुष्यम | १२ | | | | |
| | अश्लेषादिदुष्टोस्यात् | ममिमुमे मघा भवेत् | | | | | |
| | भवेत् पु० फा० मोदन्दि | उ० फा० देतोपपि तथा | १३ | | | | |
| | हस्तमस्यात् पुष्यंठ | चित्रा देपोररि भवेत् | | | | | |
| | स्याति हरेरोत प्रोक्त | नितुतैतो त्रिशास्त्रम | १४ | | | | |
| | भनुराघा ननिनु | ज्येष्ठा नोपयिषु भवेत् | | | | | |
| | येयोममि मूलमुक्तं | पूर्वाषाढा भूषपदं | १५ | | | | |
| | अन्याऽऽषाढा मेमोजाजि | जुजेजोळा तथामिजीत् | | | | | |
| | श्ररणचिखुबोबोस्यात् | घनिष्ठास्याद् गमिगुमी | १६ | | | | |
| | शततारा गोससीसु | माद्र सेसोददि सरत् | | | | | |
| | अन्यमाद्र दुपमर्ध | देदोचचि धरेयती | १७ | | | | |
| | एकस्यरेदशमाहा | मौदता नही श्रलृफौ | | | | | |
| | ज हयो क हयो रि रो | येक्य स्यात् हस्यदीर्घयो | १८ | | | | |

| | | |
|---------|--|---|
| योनिः — | अश्वगजौ मेघाही आलुब्धाऽऽलुर्गात्री मृगोमृग भवाननर सिंहो गौश्च गजश्च हस्ति सिंह मश्वमहिषं गौव्याघ्र चाङ्गोतु | सर्पः श्वा ओतुमेघमाजारा महिषव्याघ्रो महिषव्याघ्रौच १६ नकुलौ नकुल कपिश्च सिंहाश्चौ नक्षत्राणां हि योनिस्थानानि २० श्वाहरिणं कपिमेव महिनकुलं घैर फञ्चिन्मत वृथेति तत् २१ |
| तारा — | स्यमात् तारा नव प्रोक्ता तृतिया पंचमी त्याज्या राशीपनिमैत्र्यामेक— तारास्त्याज्या वरादिभ्यो | त्रिंशत् जन्म नामत सप्तमी साधकात् खलु २२ नाथेऽग्नये शुभेपिता नतुस्यापर्वणीषयो २३ |
| गण — | देवे ऽश्विनीमृगपुष्यं अनुराधाचश्रवण भरणी रोहिणी आर्द्रा राक्षसेन्यानिभाणि स्यु स्वर्गणेप्रोतिश्चामर देवराक्षसयोर्वर सतिराशिकुटे शस्ते मनुष्यगणसाध्यश्च त् | स्वातिभ च पुष्यस्तु हस्तरेजती स्याद् गणे २४ श्रीपूर्वा श्रुत्तरा रे कृतिकादीनि वा नव २५ नख्योर्मध्यमा मता मनुष्यरक्षसोन्मृति २६ सद्योनौ ग्रहमैत्रके साधकरक्षोतदोषकृत् २७ |
| नाडो — | क्रमोत्क्रमेण अश्विन्या सर्पस्मिन्नशुभ प्रोक्त राश्यादिशस्तमेदाना फितुशिष्येगुरौवैध प्रभु पण्यांगना मित्रं पक्ष्मादीगतामव्या | त्रिंशत्तया भतम ह्ययो शुभंतुगुरुशिष्ययो २८ नाडीवैधस्तुनाशक दुर्घोनिबलनाशक २९ देशोग्रामंभूर गृहं अमव्या वैधर्जिताः ३० |

नवत्रयत्र

| अक्षर | मन्त्र | अक्षरः | योगिः | योगिनेर | गारा | गद्य | गद्यो | पुत्र |
|-------|------------|---------------|---------|---------|------|---------|-------|---------------|
| १ | अधिवी | पु प वो वा | अथ | महिर | १ | देव | आय | पुत्रोत्पत्ति |
| २ | भरणी | मि तु ले ला | हस्ति | गिर | २ | मनुष्य | मध्य | |
| ३ | कृत्तिका | अ इ उ ए | अज | पानर | ३ | राक्षस | अंत्य | |
| ४ | राहिण्या | आ वा णि पु | उर | नवुन्न | ४ | मनुष्य | अंत्य | |
| ५ | मृगशिरा | व वो क कि | उर | नवुन्न | ५ | देव | मध्य | |
| ६ | आर्द्रा | कु ट प उ | आ | हरिष | ६ | मनुष्य | आय | |
| ७ | पुनर्वसु | के पा ह हि | विश्वाम | उदिर | ७ | देव | आय | |
| ८ | पुष्य | हु ह हा डा | आ | कार | ८ | देव | मध्य | |
| ९ | आश्लेषा | डि डु के डा | विश्वाम | उदिर | ९ | राक्षस | अंत्य | |
| १० | मघा | म मि मु मे | उदिर | विश्वाम | १० | राक्षस | अंत्य | मध्यमयोगी |
| ११ | पूर्वा | मा ट टि डु | उदिर | विश्वाम | ११ | मनुष्य | मध्य | |
| १२ | उषा | टे टो प नि | गो | व्याघ्र | १२ | मनुष्य | आय | |
| १३ | हस्त | पु प य उ | महिर | अथ | १३ | देव | आय | |
| १४ | चित्रा | वे वा र रि | व्याघ्र | गो | १४ | राक्षस | मध्य | |
| १५ | स्वाति | क रे रा ता | महिर | अथ | १५ | देव | अंत्य | |
| १६ | विशाखा | ति तु से सो | व्याघ्र | गो | १६ | राक्षस | अंत्य | |
| १७ | अनुराधा | न नि तु ने | हरिष | आन | १७ | देव | मध्य | |
| १८ | जेष्ठा | ता म मि पु | हरिष | आन | १८ | राक्षस | आय | |
| १९ | मूल | प पा म मि | आ | हरिष | १९ | राक्षस | आय | पश्चिमयोगी |
| २० | पूर्वाषाढा | धु ध ण ढ | कार | अथ | २० | मनुष्य | मध्य | |
| २१ | उषा | मे भा ज जि | नवुन्न | मर्ष | २१ | मनुष्य | अंत्य | |
| २२ | अभिजित् | तु जे जा त्या | नवुन्न | मर्ष | २२ | विश्वाम | • | |
| २३ | अवध | मि पु ले ला | कार | अज | २३ | देव | अंत्य | |
| २४ | अश्लेषा | ग मि मु न | सिंह | हस्ति | २४ | राक्षस | मध्य | |
| २५ | शतभिषा | गो न सि मु | अथ | महिर | २५ | राक्षस | आय | |
| २६ | पूर्वाभा | से सो द दि | सिंह | हस्ति | २६ | मनुष्य | आय | |
| २७ | उषाभा | टु ग म थ | गो | व्याघ्र | २७ | मनुष्य | मध्य | |
| २८ | रेवती | दे दा च णि | हस्ति | सिंह | २८ | देव | अंत्य | २९ |

गणमेलक यंत्र

| साधक | साध्यदेव | साध्यमनुष्य | साध्य राक्षस |
|-----------------------------------|-------------|-------------|--------------|
| देव अ मृ पु पु ह स्वा अ अ रे | अतिप्रीति | मध्यमप्रीति | वैर |
| मनुष्य म रो आ पूर्वा०३ उत्तरा०३ | मध्यमप्रीति | अतिप्रीति | मृत्यु (शुभ) |
| राक्षस क ग्ले म वि वि ज्ये मू च श | वैर | मृत्यु | अतिप्रीति |

द्वादशारपाठ वेधयंत्र.

| | | | | | | | | | |
|----------------------|---------------------------|---------------------------|----------------------------|--------------------------|----------------------------|------------------------------|--------------------------|---------------------------|---------------------------------------|
| नक्षत्र आषाढी | अ बु धे बो ला | आ छ ट ध कु | पु के को ह हि | उ पि प टो टे | ह पु प ण ठ | ज्ये पु पि य नो | मू य यो म मि | श मु खि र गो | पू० ते १ सो २ द ३ दि ४ |
| नक्षत्र मध्यमादी | भ मि लु ले लो | मृ कि क को ये | पु हु हे हो हा | पू ड टि ट मो | वि पे पो र रि | अ ने नु नि न | पू० मु ध प ट | ध गे गु गि ग | उ ड श म य |
| नक्षत्र अश्लेषादी | ह अ ह उ ए | रो उ नि व ओ | अं दि हु के को | म मे मु मि म | स्वा र रे रो र | त्रि तो ते तु ति | उ मे मो ज जि | अ लो ले लु लि | रे० दे ६ दो १० च ११ चि १२ |

| | | |
|-------------------------|---------------------|----|
| एक नक्षत्रजाताना | परेषांप्रीतिरुत्तमा | |
| संपत्योस्तुमवेद् द्वानि | राशिमेदे नदोषदत् | ३१ |
| तुष्टो येषु नाडीवेधो | राशिमेदे तुमध्यम | |
| द्वादशनाडोचको तु | पादवेधोऽधमाऽधम | ३२ |

| | | |
|--------|--------------------|-----------------------------|
| युधि — | षड्द्वांशनवमानां | योग प्राग्मध्यपश्चिमश्चदे |
| | रुग्ने चाऽऽरेवतीना | यरेऽकनीभिर्द्विषैश्चमेकर ३३ |

| | | |
|---------|------------------|-----------------------------|
| राश्व — | मेरो धृपमो मिथुन | पर्क सिंहश्च कन्यका तुला |
| | धृश्चको घनमकरौ | कुमो मीनश्च राशयो ज्ञेया ३४ |

| | | |
|---------------|---------------------|---------------------|
| राशिस्यापना — | अश्विनी मघा मूलेभ्य | आरभ्य राशयो क्रमात् |
| | मेवसिंहघनाद्या स्यु | सपारद्विमयो धलु ३५ |

| | | |
|----------|------------------------------|---------------------|
| अश्वरा — | मेरे स्यु शुक्रा शूरेभ्यमताः | शुमेरुघडं छद्वा |
| | पर्कहोष्ठ हरोमटा कनिपुत्रे | दोशपणठ मता |
| | तौलोरात अग्नौनतोय | धनुष येमाधरुडं मता |
| | मोजावागमृगे घटेशुसद वै | मीन मीन दिशाभयचा ३६ |

| | | |
|--------------------|--------------------------|---------------------------------|
| अश्वरुति राशिकूट — | सर्गस्मात् द्विर्द्वादशक | नेष्ट १ नमपंचमं |
| | षष्टमेऽपिमाद्राशे | मृत्यु समाप्तपाष्टमे ३७ |
| | मकरसकेसरी मेव युगत्या | तुल्यहरमीन कुलिर घटाद्या |
| | धनधृषवृश्चिकम मथयोगे | वैरकरच षष्ट्येकमेतत् (ना०) |
| | यिसमागमृमेपीई | समाड अष्टमेऽपि |
| | सत्तुछट्टम नाम | रासीर्हि पस्विज्जपे (दिनशुद्धि) |
| | शत्रुषष्ट्येके मृत्युः | कटहो मथपचमे |
| | द्विर्द्वादशमेऽपरिध् | शेषेषुप्रीतिरुत्तमा ३८ |

| | | |
|-------------|-----------------|-----------------------------|
| राशिपूरता — | दूरस्थाकनिराशि | शुभावरान्ननिकाञ्चप्रतिमायाः |
| | धरतो नयमीपीष्टा | मातृपितृमृतेचवैकस्मिन् ३९ |

राशि यंत्र.

| अ० | राशि | पति | नक्षत्रपादा | अक्षरा |
|----|---------|-------|-----------------|---------------------------|
| १ | मेघ | भोम | अ४ म४ क०१ | धु चे चो छा कि लु ले लो भ |
| २ | वृषभ | शुक्र | क०२ म०४ अ०२ | इ उ ए ओ व वि पु मे नो |
| ३ | मिथुन | शुभ | म०२ अ०४ पु०३ | क कि कु के को घ ङ छ ह |
| ४ | कर्क | सोम | पु०१ पु०४ अ०४ | दि दु हे हो ङ डि दु डे नो |
| ५ | सिंह | रवि | म४ पू४ उ१ | ममि मु मे मो ट टि टु टे |
| ६ | कन्या | शुभ | उ०३ ह०४ चि०२ | टो प पि पु पे पो ष ष्य ठ |
| ७ | तुला | शुक्र | चि२ स्वा४ वि०३ | र रि र रे रो त ति तु ते |
| ८ | वृश्चिक | भोम | वि०१ अ०४ ज्ये०४ | तो न नि नु ने नो य पि यु |
| ९ | धन | शुक्र | म०४ पु०४ उ०१ | ये यो म मि मु ष ष ड मे |
| १० | मकर | शनि | उ०३ अ०४ घ०२ | भो ज जि जु जे जो ख०५ ग गि |
| ११ | कुम्भ | शनि | घ२ श४ पू०३ | गु ने गो स सि सु से सो द |
| १२ | मीन | शुक्र | पू०१ उ०४ रे०४ | द दि दु दे दो श ऋ य ष चि |

| अं | २-१२ | ५-६ | ९-८ | जाति | वरय राशि | वर्ग |
|----|-------|-------|-------|-----------|-------------------------|------|
| १ | वृ मी | सि घ | क वृ | पशु | मेघ | क |
| २ | मि मे | क म | तु ष | पशु | विनाषनु विनासिंहसर्वे | व |
| ३ | क वृ | तु कु | वृ म | मनुष्य | ० | शु |
| ४ | सि मि | वृ मी | घ कु | कीट | विनाषनु विनावृश्चिकसर्व | भा |
| ५ | क क | घ मे | म यो | पशु | विनाषनु विनासिंहसर्वे | व |
| ६ | तु सि | म वृ | कु मे | मनुष्य | विनाषनु विनासिंहसर्वे | वे |
| ७ | वृ कं | कु मि | मी वृ | मनुष्य | पशुकीटजलजा विनासिंह | शु |
| ८ | घ तु | मी क | मे मि | कीट | सिंह | भा |
| ९ | म वृ | मे सि | वृ क | मनु (मि०) | सर्वे | व |
| १० | कु घ | वृ क | मि सि | पशु (मि०) | कर्क मीन | वे |
| ११ | मी म | मि तु | क क | मनुष्य | पशु कीट जलजाः विनासिंह | शु |
| १२ | मे कु | क वृ | सि तु | जल | ० | भा |

ग्रह चक्रम्

[illegible]

राशि कूटचक्रम्

सकेशब्दा—दे—भेष्ठतर, भे—भेष्ठ, शु—शुभ, म—मध्यम, ध—अशुभ, न—नेष्ट
अशुभतर, शी—शुभ, प्री—प्रोति, ०—सम, १—स्व

$$\left(\begin{array}{cccccc} 9 & 2 & 2 & 4 & 4 & 8 \\ 3 & 32 & 32 & 30 & 5 & 5 \end{array} \right) \quad 0 \quad \left(\begin{array}{cccccc} 6 & 5 & 2 & 20 & 11 & 12 \\ 6 & 8 & 4 & 4 & 1 & 2 \end{array} \right)$$

| मे | पृ | मि | क | सि | क | त | पृ | ध | म | कु | मी |
|---|--|--|--|---|---|--|--|---|--|---|---|
| मेव पुषभ मिधुन कक सिंह कन्या तुला वृश्चिक धन मकर कुम्भ मीन | १ अ शु दे शु श ० प्री शु अ शु अ | अ १ अ शु अ शु प्री ० श शु दे शु | शु अ १ ने शु दे शु श ० प्री म अ | दे शु ने १ अ शु अ म प्री ० श म | शु अ शु अ १ शु शु दे शु श ० प्री | श शु दे शु शु १ अ शु अ म प्री ० | ० प्री शु अ शु अ १ अ शु दे शु श | प्री ० श म दे शु अ १ अ शु अ शु | शु श ० प्री शु अ शु अ १ अ शु दे | अ शु प्री ० श म दे शु अ १ अ शु | शु दे म श ० प्री शु अ शु अ १ अ |

| | | |
|------------------|--|---|
| जातिवरयं — | भजवृषहरिमकरास्तु जलजोमीन शेषा धनुर्हरिकनि मनुज— मकरचक्रकर्मनी | पशव कीटौ कर्कवृश्चिकौ मनुजा राशेर्जातयोशेषा ४० शेषेषु स्युरुत्तरासवे वृषभमेयो हरिरर्क्षिषया ४१ |
| वर्णा — | राशिगणां क्षत्रियश्च श्रेष्ठगणां यदिकन्या | वैश्य शूद्रश्चब्राह्मण पतिपुत्रमृतिर्भवेत् ४२ |
| पतिग्रहा — | क्रमाद्राशे कुज शुक शुक कुजोऽपुर्म दो | बुधश्च द्रो रजिर्बुध शनिर्जीवश्चस्वामिन ४३ |
| मित-शत्रु — | अर्कस्यजीवेन्दु चद्रस्य रविसौम्यौ भीमस्यजीवेन्दु— सौम्यस्य रजिशुकौ जीवस्येन्दुकुजाकां शुकस्यबुधमदौ मदस्यबुधशुकौ सर्वेषामध्यस्था | कुजाश्चमित्रा शुकशनीरिपू मित्रौ शत्रुग्रहोनकोप्यस्ति ४४ सुराश्चमित्रारिपुस्तुचद्रसुत मित्रौ शत्रुपदे सदाचद्र ४५ मित्रा बुधशुकौचक्रशुस्त मित्रौशत्रूसर्पार्कचद्रौच ४६ मित्रौअरिणोसूर्यकुजचद्रा शेषाप्रोक्ताऽप्रवीणज्ञानधने ४७ |
| परस्परमैत्री — | रवीन्दुगुरुकुजाश्च स्वस्मिन्मित्राणिसर्पाणि | सौम्यशुकार्किराहव परस्मिन् शत्रव स्मृता ४८ |
| तत्काक्षमैत्री — | जन्मनिस्वस्मादग्र— तत्कालिनमित्र स्यात् | पृष्ठगत्रिगृहस्थित'वेष्ट' मित्रग्रहस्तुभवेदधिकमित्र ४९ |
| मैत्रीषडम् — | अशुमेद्विर्द्वादशके चिन्तयेद्ग्रहमैत्री सा एकनाथे मित्रनाथे नेष्टतत्तमध्यमनाथे | छाशुमे नक्षपचके नान्यस्मिन् शुभमेलके ५० एकमध्यमके शुभ वैकशत्रौ रिपुपतौ ५१ |

| | | |
|-----------------------------|-----------------------|----|
| यदा सनाडी-सत्तारा— | सद्योनि-सद्गुणा शत्रु | |
| तदारशिक्कृष्टश्रेष्ठ | मध्यममहयोरपि | ५२ |
| राशिक्कृष्ट — इत्थघटपयावर्त | मीनानार्पचमै सद | |
| मध्यम शेषराशीना | शुभत नवर्पचमम् | |
| (म पमर्पचमेरय— | राशीनातुशुभायर्ह) | ५३ |

वर्गवैरयत्र

| पति | अक्षरा | वर्ग | वैर | वर्ग | अक्षरा | पति |
|-------|-----------|------|-----|------|-----------|------|
| गवह | अ इ उ ए ओ | (अ) | + | (त) | त थ द ध न | सर्प |
| विहास | क ख ग घ ङ | (क) | + | (प) | प फ ब भ म | उदिर |
| विह | च छ ज झ ञ | (च) | + | (य) | य र ल व | हरिण |
| श्वान | ट ठ ड ढ ण | (ट) | + | (श) | श ष स ह | मेघ |

लभ्यदेययत्र

| दाता | | ग्राहक | | | | | | | | दाता | |
|------|---|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|---|
| वर्ग | | १ अ | २ क | ३ च | ४ ट | ५ त | ६ प | ७ य | ८ श | वर्गीक | |
| अ | त | १॥ | २ | २॥ | ३ | ३॥ | ० | ०॥ | १ | १ | ५ |
| क | प | २॥ | ३ | ३॥ | ० | ०॥ | १ | १॥ | २ | २ | ६ |
| च | य | ३॥ | ० | ०॥ | १ | १॥ | २ | २॥ | ३ | ३ | ७ |
| ट | श | ०॥ | १ | १॥ | २ | २॥ | ३ | ३॥ | ० | ४ | ८ |

लभ्यदेय ध्रुवाकयत्र

| वर्ग | अ | क | च | ट | त | प | य | श | |
|---------|----|---|----|---|----|---|----|---|------------|
| १ पूर्ण | १ | २ | ३ | ० | १ | २ | ३ | ० | पूर्णांक |
| २ उत्तर | ०॥ | १ | १॥ | २ | २॥ | ३ | ३॥ | ० | विशिष्टांक |

ध्रुवोको एकीकृत्य धनुर्भि विमाख्या विशिष्टा

१ । यत्र परस्पर गणनीय ॥ इति ॥

सिंहस्यसमराशीना
सप्तमराशिकुटाद्या

द्विद्वाषशमपि शुभ
ग्रहमैत्र्यात्वतिशुभा

५४

साधक साध्य विशोपकयंत्र

| साधक | अ | क | च | ट | त | प | य | श |
|------|----------------------------|------------------|--------------------|------------------|--------------------|------------------|--------------------|------------------|
| अ | दे० १॥ ले० १॥ | २ २॥ | २॥ ३॥ | ३ ०॥ | ३॥ १॥ | ० २॥ | ०॥ ३॥ | १ ०॥ |
| | ० दे० २॥ ले० २ | ले० ०॥ ३ ३ | ले० १ ३॥ ० | दे० २॥ ० १ | दे० २ ०॥ २ | ले० २॥ १ ३ | ले० ३ १॥ ० | ६० ०॥ २ १ |
| | दे० ०॥ दे० ३॥ ले० २॥ | दे० ० ० ३॥ | दे० ३॥ ०॥ ०॥ | ले० १ १ १॥ | ले० १॥ १॥ २॥ | ले० २ २ ३॥ | दे० १॥ २॥ ०॥ | दे० १ ३ १॥ |
| च | दे० १ दे० ०॥ ले० ३ | ले० ३॥ १ ० | ० १॥ १ | ले० ०॥ २ २ | ले० १ २॥ ३ | ले० १॥ ३ ० | दे० २ ३॥ १ | दे० १॥ ० २ |
| | ले० २॥ दे० १॥ ले० ३॥ | दे० १ २ ०॥ | दे० ०॥ २॥ १॥ | ० ३ २॥ | ले० ०॥ ३॥ ३॥ | दे० ३ ० ०॥ | दे० २॥ ०॥ १॥ | ले० २ १ २॥ |
| | ले० २ दे० २॥ ले० ० | दे० १॥ ३ १ | दे० १ ३॥ २ | दे० ०॥ ० ३ | ० ०॥ ० | ले० ०॥ १ १ | ले० १ १॥ २ | ले० १॥ २ ३ |
| ट | दे० २॥ दे० १॥ ले० ३॥ | दे० १ २ ०॥ | दे० ०॥ २॥ १॥ | ० ३ २॥ | ले० ०॥ ३॥ ३॥ | दे० ३ ० ०॥ | दे० २॥ ०॥ १॥ | ले० २ १ २॥ |
| | ले० २ दे० २॥ ले० ० | दे० १॥ ३ १ | दे० १ ३॥ २ | दे० ०॥ ० ३ | ० ०॥ ० | ले० ०॥ १ १ | ले० १ १॥ २ | ले० १॥ २ ३ |
| | दे० २॥ दे० ३॥ ले० ०॥ | दे० २ ० १॥ | दे० १॥ ०॥ २॥ | ले० ३ १ ३॥ | दे० ०॥ १॥ ०॥ | ० २ १॥ | ले० ०॥ २॥ २॥ | ले० १ ३ ३॥ |
| य | दे० ३ दे० ०॥ ले० १ | ले० १॥ १ २ | ले० २ १॥ ३ | ले० २॥ २ ० | दे० १ २॥ १ | दे० ०॥ ३ २ | ० ३॥ ३ | ले० ०॥ ० ० |
| | ले० ०॥ ले० १ ले० १ | ले० १ १ २ | ले० १॥ १॥ ३ | दे० २ २ ० | दे० १॥ २॥ १ | दे० १ २ २ | ० ३॥ ३ | ले० ०॥ ० ० |
| | ले० ०॥ ले० १ ले० १ | ले० १ १ २ | ले० १॥ १॥ ३ | दे० २ २ ० | दे० १॥ २॥ १ | दे० १ २ २ | ० ३॥ ३ | ले० ०॥ ० ० |
| श | ले० ०॥ ले० १ ले० १ | ले० १ १ २ | ले० १॥ १॥ ३ | दे० २ २ ० | दे० १॥ २॥ १ | दे० १ २ २ | ० ३॥ ३ | ले० ०॥ ० ० |
| | ले० ०॥ ले० १ ले० १ | ले० १ १ २ | ले० १॥ १॥ ३ | दे० २ २ ० | दे० १॥ २॥ १ | दे० १ २ २ | ० ३॥ ३ | ले० ०॥ ० ० |
| | ले० ०॥ ले० १ ले० १ | ले० १ १ २ | ले० १॥ १॥ ३ | दे० २ २ ० | दे० १॥ २॥ १ | दे० १ २ २ | ० ३॥ ३ | ले० ०॥ ० ० |

| | | | |
|---------------------|--|--|----------|
| | राशेरेकाधिपत्य वा षडष्टकोपिर्दपत्योः | स्वामिनो मित्रतातदा नारचद्रे शुभायह | ५५ |
| परमार्थवस्तुम् — | एयश्चेष्टतरं श्रेष्ठ अशुभप्रीतिनेष्टचे— | शुभ मध्यमज रिपु व्यमशुभतरसर्ग | ५६ |
| वर्ग — | गुरुः ओतु सिंहश्च मृगो मेघोऽष्टमर्गशा धमाणा पंचमैवैर बलिष्ठे साधने वर्गे | हुवदुर सर्प उदर कमेण अफखादीनाम् यज्यं प्रसिद्ध नामयो वर्ग धैर न दोषहृत् | ५७ ५८ |
| विशोपक — | प्रसिद्धनामाक्षर वर्गपाको वृत्तार्थकौ साधकसिद्धयोस्तौ प्रथम नामतो लभ्यो परस्परेशोभ्यौतौ | क्रमोत्क्रमेणाऽष्ट निमकशेषौ विशोपक स्यात् प्रथमेन द्वेय द्वितीयेन विशोपक शृकेनार्थ ककाद्यथा | ५९ ६० |
| ग्राम धारणायां तु — | जममात्ग्रामविताया केचित्तुर्काशीर्णो प्रोक्षु | राशियोगो मतोन्यथा ग्रामस्यधारणागतौ | ६१ |
| ग्राम राशि — | स्वराशे हु पदो ग्राम तुर्योऽष्टमोद्वादशमो जमराशिस्थितो ग्राम स्यक्रियोद्रव्यगणाय पंचमो षष्ठमो ग्रामो (भा० ३।१२, टीका)—दशमैकादशश्चैव | एक त्रिपष्ट सप्तम मध्यमोऽन्यतर शुभ त्रिपष्ट सप्तमोपिना आपदाच पदेपदे ॥ १ ॥ द्वितीयो यदिवा भवेत् शुभ सप्तफलताप्रद ॥ २ ॥ | ६२ |

ग्राम राशियत्र

| | | | |
|-----------|-----------|-------------|----------|
| ग्रामराशि | १ ३ ६ ७ | २ ५ ८ १० ११ | ४ ८ १२ |
| वज्रम् | द्रव्यनाश | शुभ | अर्थव्यय |

| | | |
|-----------|---|--|
| | चतुर्याष्टमकोग्रामो यत्रउत्पद्यते अर्थ | द्वादशो यदिग्रा भवेत् तत्रैवार्थो विधीयते ॥ २ ॥ |
| कांकीणी — | द्विहृत प्रथममर्गाक अष्टमपतेन शेषाका एव परस्पर हृत्वा स्वनामाक्षर वर्गाच्च | अन्यधर्मेण पूरित याचते कांकीणीं परात् ६३ शोधनीया ही कांकीणी ग्रामाद्याक्षर वर्गात् ६४ |

कांकीणीयंत्रः

| साधक | अ | इ | उ | ए | ओ | अ | इ | उ |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
| अ | ० | दे०१ | दे०२ | ले०५ | ले०४ | ले०३ | दे०६ | ले०१ |
| क | ले०१ | ० | दे०१ | ले०६ | दे०३ | दे०४ | दे०५ | ले०२ |
| ख | ले०२ | ले०१ | ० | दे०१ | दे०२ | दे०३ | ले०४ | ले०३ |
| ट | दे०५ | दे०६ | ले०१ | ० | दे०१ | दे०२ | ले०५ | ले०४ |
| त | दे०४ | ले०३ | ले०२ | ले०१ | ० | ले०७ | दे०२ | दे०३ |
| प | दे०३ | ले०४ | ले०३ | ले०२ | दे०७ | ० | दे०१ | दे०२ |
| य | ले०६ | ले०५ | दे०४ | दे०५ | ले०२ | ले०१ | ० | दे०१ |
| श | दे०१ | दे०२ | दे०३ | दे०४ | ले०३ | ले०२ | ले०१ | ० |

वर्णोपश्रयचताराव

गणश्च राशिकूटश्च

योनि राशिरश्ममधिक

श्रीमदुचारित्रिजय—

राश्यादि धारणायत्रे

योनिध्वन्यमेलकं

नादोच्चेते गुणाधिका ६५

इति कस्यचिन्मते

शिष्य दर्शन मुफित

अध्याय प्रथम इति ६६



अध्याय २

| | | |
|------------------|--|--|
| मगल — | चतुर्थी शती तीर्थेशान् जिनाना नामचिन्हानि— | प्रणिपत्य गिर गुरु धारणागति कथ्यते १ |
| जिननाम — | ऋषभश्चाजितस्वामी सुमतिः पद्मसुपाब्धी श्रेयांसो घासुपूज्यश्च धर्म शक्तिश्च कुशुश्च मुनिसुप्रतस्यामा च महागौरति समूताः | समग्रश्चाभिनन्दन चंद्र सुवीधिशीतलौ २ त्रिमलस्याम्पन तराट् अरोमस्तिजिनस्तथा ३ ममिर्नेमिश्च पार्श्वराट् वर्तमान जिनेश्वरा ४ |
| ज्ञातानि — | धृषोणजोश्च प्लवग मकर धारत्स पद्मगी श्रेयो यज मृगश्छागो कुर्मो भीलोत्पल राज | कौचोऽस्त स्थस्तिक शशि महिष शुकरस्तथा ५ कदाचता घटोपि च फणीसिंहोऽहताभ्यजा ६ |
| प्रमाणम् — | एतेचक्षुर्गणानिनेशिनो लाछनभेदा इति, अभिधान— चिंतामणौ कलिकालसर्पश्च श्री हेमचंद्र सूरि | |
| अन्यान्वाम्नाय — | दिग्बराज्ञायमये तु सुमति—शीतल—अनत—अर जिनाना लाछन भेदो दृश्यते, तथा—कोक द्रुम ऋक्षो मेघ इति सिद्धात रसायन कल्पे (मुषः समूह), कोक धीयुतो वृक्ष रोधो पाठिन इति वसुनन्दीदृतप्रतिष्ठापाठे, कोक (घेटी) धीयुतो वृक्ष शन्यो मत्स्य इति पूजासार समुच्चये, हसोवाचातक धीवृक्ष सेहो मत्स्य इति भोला- नाथमुप्यार लिखित हिंदी तोर्य कर चिन्हारहस्ये (अनेकात पर्य १ फिरण २) सुगिहेस्तु लाछन कटुक इति सिद्धान रसामनकल्पे । | |
| नक्षत्राणि — | जिनानामुत्तरापादा पूनवसु मघा चित्रा | रोहिणी मृगशिरस विशाखा चानुराधिका ७ |

मूलहो पूर्वजापादा

श्रवण शततारक

उत्तराभाद्रपदान्त्य

पुष्यमश्विनी कृतिका

८

रेवत्यश्विनी श्रवणं

आद्य वित्राविशादिका

उत्तराफाल्गुनीभानि

श्रेयानि जन्मभानिवै

६

जिनराश्यादियंत्र.

| अंक | नाम | ज्ञाउन | नक्षत्र | योनि | वर्ग | गण्य | नाडी |
|-----|--------------|----------------|-----------|---------|------|--------|------|
| १ | श्रुपमनाथ | श्रुपम | उ० पा० | नकुल | अ | मनुष्य | अत्य |
| २ | अजितनाथ | इस्ति | रोहिणी | सर्प | अ | मनुष्य | अत्य |
| ३ | संमथनाथ | अश्व | मृगशर | सर्प | श | देव | मध्य |
| ४ | अभिनदन | वानर | पुनर्वसु | विडाल | अ | देव | आद्य |
| ५ | सुमतिनाथ | श्रीच | मघा | उदर | श | राक्षस | अत्य |
| ६ | पद्मप्रभु | पद्म | चित्रा | व्याघ्र | प | राक्षस | मध्य |
| ७ | सुपार्वनाथ | स्वस्तिक | विशाखा | व्याघ्र | श | राक्षस | अत्य |
| ८ | चंद्रप्रभु | चंद्र | अनुराधा | हरिण | च | देव | मध्य |
| ९ | सुविधिनाथ | मकर | मूढ | श्वान | श | राक्षस | आद्य |
| १० | शोतलनाथ | वत्स | पूर्० पा० | वानर | श | मनुष्य | मध्य |
| ११ | श्रेयांसनाथ | खड्गी (गेंडो) | भवण | वानर | श | देव | अत्य |
| १२ | बाहुपूर्य्य | महिष | शतभिषा | अश्व | य | राक्षस | आद्य |
| १३ | विमलनाथ | घराह | उ० भा० | गो | य | मनुष्य | मध्य |
| १४ | अनंतनाथ | रथेन (सिंवाणो) | रेवती | इस्ति | अ | देव | अत्य |
| १५ | धर्मनाथ | वज्र | पुष्य | अज | त | देव | मध्य |
| १६ | शांतिनाथ | हरिण | अश्विनी | अश्व | श | देव | आद्य |
| १७ | कुपुनाथ | अज | कृतिका | अज | क | राक्षस | अत्य |
| १८ | अज्ञाथ | नद्यावर्त | रेवती | इस्ति | अ | देव | अत्य |
| १९ | महिलनाथ | कक्षश | अश्विनी | अश्व | प | देव | आद्य |
| २० | मुनिसुवत | कच्छप (झीझु) | भवण | वानर | प | देव | अत्य |
| २१ | नमिनाथ | कमल | अश्विनी | अश्व | श | देव | आद्य |
| २२ | नेमिनाथ | शस्त्र | चित्रा | व्याघ्र | त | राक्षस | मध्य |
| २३ | पार्वनाथ | सर्प (घाण) | विशाखा | व्याघ्र | प | राक्षस | अत्य |
| २४ | महानीरस्वामी | सिंह | उ० फा० | गो | प | मनुष्य | आद्य |

| | | | |
|--------|----------------------|--------------------|----|
| राशय — | धनुर्गौमिधुनंयुग्म | सिंह कन्या तुलाभलि | |
| | धनु धनुश्चमकरो | घटो मीन मीन तथा | १० |
| | कर्कोमेघश्चगौमीर्न | मेघश्चमकरस्तथा | |
| | मेघोक्न्यातुलाक्न्या | तीर्थहृत्तज मराशय | ११ |

जिनराश्यादियत्र

| अंक | नाम | राशि | अशुभ राशि | वर्ण | तारा | हव |
|-----|------------------|---------|-----------------|----------|------|-------|
| १ | भूषभनाथ | धन | वृष, म, | सस्त्रीय | १ | अग्नि |
| २ | अजितनाथ | वृषभ | मे, घ | वैश्य | ४ | भूमि |
| ३ | समवनाथ | मिथुन | कर्क, वृ, कु, | शुद्र | ५ | वायु |
| ४ | अभिर्नदन | मिथुन | कर्क, वृ, कु, | शुद्र | ७ | वायु |
| ५ | सुमतिनाथ | सिंह | म, | क्षत्रिय | १ | अग्नि |
| ६ | पद्मप्रभु | कन्या | मे, म, | वैश्य | ५ | भूमि |
| ७ | सुपार्ष्वनाथ | तुला | वृ, मी, | शुद्र | ७ | वायु |
| ८ | वर्धप्रभु | वृश्चिक | मि, कर्क, तु, | क्षत्रिय | ८ | अग्नि |
| ९ | सुविधिनाथ | धन | वृष, म, | क्षत्रिय | १ | अग्नि |
| १० | शीतलनाथ | धन | वृष, म, | क्षत्रिय | २ | अग्नि |
| ११ | भियाँलनाथ | मकर | सि, कन्या, घ, | क्षत्रिय | ४ | अग्नि |
| १२ | शामुपूज्य | कुम्भ | मि, कर्क, मी | शुद्र | ६ | वायु |
| १३ | विमलनाथ | मीन | कर्क, तु, कु | ब्राह्मण | ८ | जल |
| १४ | अनंतनाथ | मीन | कर्क, तु, कु | ब्राह्मण | ९ | जल |
| १५ | धर्मेनाथ | कर्क | मि, वृ, कु, मी, | ब्राह्मण | ८ | जल |
| १६ | शक्तिनाथ | मेघ | वृष, कन्या, | क्षत्रिय | १ | अग्नि |
| १७ | कुशुनाथ | वृष | मे, घ, | वैश्य | ३ | भूमि |
| १८ | अरुनाथ | मीन | कर्क, तु, कु, | ब्राह्मण | ९ | जल |
| १९ | मल्लिकनाथ | मेघ | वृष, कन्या, | क्षत्रिय | १ | अग्नि |
| २० | मुनिमुक्त स्वामी | मकर | सि, कन्या, घ, | वैश्य | ४ | भूमि |
| २१ | नमिताथ | मेघ | वृष, कन्या, | क्षत्रिय | १ | अग्नि |
| २२ | नेमिनाथ | कन्या | मे, म, | वैश्य | ५ | भूमि |
| २३ | पार्ष्वनाथ | तुला | वृ, मी, | शुद्र | ७ | वायु |
| | महावीरस्वामी | कन्या | मे, म, | वैश्य | ३ | भूमि |

साधक तीर्थंकर नक्षत्रयोनि राशि यंत्र ।

| नक्षत्र | पाद | स्वयोनि साध्या | साध्यविना योनि वैरं | राशि |
|------------|-----|----------------|------------------------|-------|
| अश्विनी | | १६, १६, २१+१२ | ०+० | मेघ |
| भरणी | | ०+१४, १८ | ०+० | • |
| कृत्तिका | २-४ | १७+१५ | १०+११, २० | वृषभ |
| रोहिणी | | २+३ | १+० | वृषभ |
| मृगशिरा | ३-४ | ३+२ | १+० | मिथुन |
| आर्द्रा | | ०+६ | ८+० | • |
| पुनर्वसु | १-३ | ४+० | ५+० | मिथुन |
| पुष्य | | १५+१७ | १०+११, २० | कर्क |
| अश्लेषा | | ०+४ | ५+० | • |
| मघा | | ५+० | ०+४ | सिंह |
| पूर्वाषाढा | | ०+५ | ४+० | • |
| उषा | २-४ | २४+१३ | ६, २२+७, २३ | कन्या |
| हस्त | | ०+० | १६, १६, २१+१२ | • |
| चित्रा | १-२ | ६, २२+७, २३ | २४+१३ | कन्या |
| स्वाति | | ०+० | १६, १६, २१+१२ | • |
| विशाखा | १-३ | ७, २३+६, २२ | २४+१३ | तुला |
| अनुराधा | | ८+० | ०+६ | शुक्र |
| ज्येष्ठा | | ०+८ | ०+६ | • |
| मूल | | ६+० | ०+८ | धन |
| पूर्वाषाढा | | १०+११, २० | १५+१७ | धन |
| उषा | १ | १+० | ३+२ | धन |
| अभिजित | | ०+१ | ३+२ | • |
| भवष्य | | ११, २०+१० | १५+१७ | मकर |
| धनिष्ठा | | ०+० | ०+१४, १८ | • |
| शतभिषा | | १२+१६, १६, २१ | ०+० | कुम्भ |
| पूर्वाभा | | ०+० | ०+१४, १८ | • |
| उषाभा | | १३+२४ | ६, २२+७, २३ | मीन |
| रेवती | | १४, १८+० | ०+० | मीन |

तीर्थ कर नाडी-गण यत्र ।

| साध्या | साधक नाडी वध | | | साधकगण | | | साधक तार्थकर ना |
|--------|--------------|------|------|--------|--------|-------|-----------------|
| | आय | मध्य | अत्य | देव | मनुष्य | राजग | |
| १ | | | वेध | मध्यम | स्व | अशुभ | शुभनाथ |
| २ | | | वेध | मध्यम | " | " | अग्निनाथ |
| ३ | | वेध | | स्व | मध्यम | देव | संभवाथ |
| ४ | वेध | | | स्व | " | " | अभिर्नदनस्वामी |
| ५ | | | वेध | देव | अशुभ | स्व | मुनिनाथ |
| ६ | | वेध | | देव | " | " | पद्मनाथ |
| ७ | | | वेध | देव | " | " | गुमारनाथ |
| ८ | | वेध | | स्व | मध्यम | देव | चंद्रनाथ |
| ९ | वेध | | | देव | अशुभ | स्व | मुनिनाथ |
| १० | | वेध | | मध्यम | स्वगण | अशुभ | शक्तिनाथ |
| ११ | | | वेध | स्व | मध्यम | देव | शेखरनाथ |
| १२ | वेध | | | देव | अशुभ | स्व | बापूनाथस्वामी |
| १३ | | वेध | | मध्यम | स्वगण | अशुभ | निमनाथ |
| १४ | | | वेध | स्व | मध्यम | देव | अननाथ |
| १५ | | वेध | | स्व | " | " | धर्मनाथ |
| १६ | वेध | | | स्व | " | " | शक्तिनाथ |
| १७ | | | वेध | देव | अशुभ | स्वगण | कुपुनाथ |
| १८ | | | वेध | स्व | मध्यम | देव | अननाथ |
| १९ | वेध | | | " | " | " | महिलाथ |
| २० | | | वेध | " | " | " | मुनिनाथ |
| २१ | वेध | | | " | " | " | नमिनाथ |
| २२ | | वेध | | देव | अशुभ | स्वगण | नेमिनाथ |
| २३ | | | वेध | " | " | " | पारनाथ |
| २४ | वेध | | | मध्यम | स्व | अशुभ | महावीरस्वामी |

साधक-तीर्थ कर तारा यत्र

विद्वद्भ्यो हिताय सदमितोय यत्र वस्तुनस्त्वनावश्यक एव

| | | | |
|----|-------|-------|---|
| अ | म | मू | १, ३, ४, ६, ७, १७, २२, २३, २४ |
| भ | पू फा | पू षा | २, ५, ११, १२, १३, १५, २० |
| ह | उ पा | उ षा | ३, ४, ६, ७, १४, १५, २२, २३ |
| रा | ह | अ | ५, ५, ६, १२, १३, १४, १६, १६, २१ |
| मृ | चि | घ | ८, ७, १०, १४, १५, २३ |
| आ | स्वा | श | १, ५, ५, ६, १३, १५, १६, १७, १६, २१, २४, |
| पु | वि | पू भा | २, १०, ११, १४, १५, २० |
| पु | अनु | उ भा | १, ३, ५, ६, ६, १६, १७, १६, २१, २२, २४ |
| अ | ज्ये | रे | २, १, ११, १२, २० |

द्वादशार-तीर्थ कर वेध यत्र

| साधकपादाक्षर | जिन नाडी वेध | भवेध | पाद वेध |
|---|-----------------------------------|-----------|---------|
| ४—कु गो ढे ठ दि नो मि क्षा हि | ६, १२, १६, १६, २१ | ४, २४ | १ |
| ७—ग मि ऋ ट ङ ट य न नि क वे बो मो र रि छे क्षा वे वा हो | ५, १, १३, १५ | ३, ६, २२ | |
| ६—अ खो डि तो दे भे मे रु ड | २, ५, ११, १४, १५, २० | ७, १७, २३ | |
| १०—११—१२ इ उ ए ओ णि खु खे च चि ज जि डु षे हो स ति तु वे दो व वि भो म मि मु रे रो ष वि | २, ५, ७, ११, १४, २७ १५, २१, २३ | , | |

तीर्थंकर राशि कूट यत्र

| अंक | राशि | स्वजिन | भेष्यतरम् | भेष्य | प्रीति | शुभ |
|-----|-------|------------|-------------------|-------------------------|-----------------|--|
| १ | मेघ | १६, १६, २१ | कर्क १५ | म ११, २० १३, १४ १८ | वृ ८ | मि ३, ४, कु १२ सि ५, घ १, ६, १० |
| २ | वृषभ | २, १७ | कु १२ | मि ३, ४ सिह ५ | वृ ७, २३ २ | क १५, कं ६, २२, २४ म ११, २०, १३, १४, १८ |
| ३ | मिथुन | ३, ४ | कं ६, २२, २४ | वृष २, १७ १३, १४, १८ | म ११, २० | मे १६ १६, २१ सि ५, वृ ७, २३ |
| ४ | कर्क | १५ | मे १६, १६, २१ | सिह ५ वृ ७, २३ | घन १, ६, १० | वृ २, १७ कं ६, २२, २४ |
| ५ | सिह | ५ | वृषिक ८ | वृ २, १७ कर्क १५ | मी १३ १४, १८ | मे १६ १६, २१ मि ३, ४, ६, २२, २४ |
| ६ | कन्या | ६, २२, २४ | मिथुन ३, ४ | वृ ७, २३ घ १, ६ १० | कु १२ | वृ ७, २३ म १६ १० वृ २, १७ कर्क १५ |
| ७ | तुला | ७, २३ | म ११, २० | कर्क १५ ६, २२, २४ | वृष २ १७ | सि ५, वृषिक ८ मि ३, ४ सि ५ |
| ८ | वृषिक | ८ | सिह ५ | घ १६, १० कु १२ | मे १६ १६, २१ | घ १, ६, १०, कु १२ कन्या ६, २२, २४ |
| ९ | धन | १, ६, १० | मीन १३, १४, १८ | कं ६, २२, २४ वृ ८ | कर्क १५ | म ११, २० मी १३, १४, १८ |
| १० | मकर | ११, २० | वृ ७, २३ | मे १६, १६ २१ कु १२ | मि ३, ४, | मे १६, १६, २१, सि ५ वृ ७, २३, कु १२ |
| ११ | कुम्भ | १२ | वृष २, १७ | वृ ८ म ११, २० | क ६, २२, २४ | वृ २, १७, वृ ८ मी १३, १४, १८ |
| १२ | मीन | १३, १४ १८ | घ १, ६, १० | १६, १६, २१ मि ३, ४ | सि ५ | मे १६, १६, २१ वृ ७, २३ घन १, ६, १० |
| | | | | | | वृ २, १७ वृ ८ म ११, २० |

तीर्थंकर राशि कूट यंत्र

| राशि | सम | मध्यम | अशुभ | शुभ | अशुभतर | अंक |
|------|-----------------|-----------------------|------------------|-------------------|---------|-----|
| मे | तु ७, २३ | | वृष २, १७ | कन्या ६ २२, २४ | | १ |
| वृ | वृ ८ | | मे १६, १६, २१ | घन १ ६, १० | | २ |
| मि | घ १ ६, १० | कु १२ | | वृ ८ | कर्क १५ | ३ |
| क | म ११, २० | वृ ८ मी १३, १४, १८ | | कु १२ | मि ३, ४ | ४ |
| सि | कु १० | | | म ११, २० | | ५ |
| क | मी १३ १४, १८ | म ११, २० | | मे १६ १६, २१ | | ६ |
| तु | मे १६ १६, २१ | | वृ ८ | मी १३ १४, १८ | | ७ |
| वृ | वृष २, १७ | कर्क १५ | तु ७, २३ | मि ३, ४ | | ८ |
| घ | मि ३, ४ | | म ११, २० | वृष २, १७ | | ९ |
| म | कर्क १५ | कन्या ६ २२, २४, | घ १, ६, १० | सि ५ | | १० |
| कु | सि ५ | मि ३, ४ | मी १३ १४, १८ | कर्क १५ | | ११ |
| मी | वृ १, २२, २४ | कर्क १५ | कु १२ | तु ७, २३ | | १२ |

तीर्थ कर विशोपक यंत्रम्

| साधक वर्ग | साध्य वर्ग तीर्थ कर नाम | | | | | | | |
|--------------|-------------------------|-------|-------|-------|--------------|---------------------|----------------|-----------------------------------|
| | अ | क | च | ट | त | प | य | श |
| | १, २, ४ १४, १८ | १७ | ८ | - | १४, २१ २२ | ६, १६, २० २३, २४ | १२, १३ (२४) | ३, ४, ७, ९, १०, ११, १६ (२०) |
| अ | • | ले ०॥ | ले १ | द ०॥ | दे ० | ले २॥ | ले ३ | • ०॥ |
| क | दे ०॥ | • | दे ३॥ | ले १ | ले १॥ | ले ० | दे १॥ | दे १ |
| च | दे १ | ले १॥ | • | ले ०॥ | ले १ | अ १॥ | द २ | द १॥ |
| ट | ले २॥ | • १ | दे ०॥ | | ले ०॥ | दे ३ | दे २॥ | ले २ |
| त | ले २ | दे १॥ | दे १ | दे ०॥ | | ले ०॥ | ले १ | ले १॥ |
| प | २ २॥ | दे २ | द १॥ | ले ३ | दे ०॥ | • | अ ०॥ | ले १ |
| य | द ३ | ले १॥ | ले २ | ले २॥ | दे १ | दे ०॥ | • | ले ०॥ |
| श | ले ॥ | ले १ | ले १॥ | दे २ | द १॥ | दे १ | दे ०॥ | • |

धारणा — एव जन्मार्थं राशिभ्या
कर्तव्या स्थापनाचार्ये
कूटकर्क — योनिवर्गश्चलभ्यच
नाडीति यद् वक्षानीति
उक्तव — योनिगणराशिमेव
नूतन विषयिधाने
श्रीमद्भद्र चारित्रिजय शिष्य दर्शन गुफित
नीर्घञ्जधारणायंत्रे अध्यायो द्वितीय इति ॥ १४ ॥

शान्वाकूट तथाक्षर
तीर्थेना धारणायति १२
गणैक्यं राशिकूटता
अभ्यसिने विलोचयते १३
लभ्यत्र्यंश्च नाडीपेधश्च
पहियघमेतद्विलोक्यते ॥ १४ ॥



अध्याय ३ .

| | | |
|------------|--|---|
| मगल — | प्रणम्य परमेष्ठिन साक्षरभेद त्रिन्यास | शिघ्रबोधाय तन्यते साध्य साधक मेलक १ |
| समूह — | स्वरा सस्वरफाटानि राशिभ वर्ग पैकयेन | भवन्ति नामनि तन समूह प्रियते पृथक् २ |
| न्यास — | एवं भवेत्तु पञ्ची अक्षराणा च सर्वेषा प्रत्यक्षर प्रतिपिठ ग्रथार्हं योनि वर्णादि | मिथ राशिभवर्गत तन्न्यास क्रियते क्रमात् ३ स्थाप्यते स्वक भादिक यथास्यात् सुकरास्यद्वक् ४ |
| अक्षरा — | अइ ओका पुके खाली जुभाटाटे टोटडाडी बुदैधान गोपपुपे मोययेरा रला लीवा | गगुगोघा चक्षु छजा ढणता तितोधा ददि ५ फयावे भाभुमेमोम वेशयाससेहाहिहु ६ |
| अनुष्ठान — | घतु पञ्चदशराभ्वेति ह्रस्वदीर्घस्य भाजम्ते | अनुष्ठता पूर्वगामिन सर्व नाम्नि व्यवस्थिता ७ |
| यवपञ्चम् — | साधक साध्ययोयोगि (यदायोगस्तु साध्यस्य तदाऽऽशु जायते ज्ञान | दिदृक्षाभवति यदा साध्यकेन दिदृक्ष्यते) सुलभ यत्रदर्शनात् ८ |

सर्वाक्षर कूट यत्र. (६४)

| अक्षर | नक्षत्र | यानि | तारा | गण | नाडी | युनि | राशि | स्वामी | वर्ण | वर्ग |
|-------|---------|------|------|----|------|------|-------|--------|------|------|
| अ | कृतिका | मेघ | ३ | रा | अ | पू | मेघ | मोम | क्ष | अ |
| इउए | कृतिका | मेघ | " | रा | " | " | वृष | शु | क्ष | " |
| ओ | रोहिणी | सर्प | ४ | म | " | " | वृष | " | व | " |
| काकी | भृग | सर्प | ५ | दे | म | " | मिथुन | शुघ | शु | क |

सर्वाक्षर कूट यत्र (६४)

| अक्षर | नक्षत्र | योनि | तारा | गण्य | नाडी | युजि | राशि | स्वामी | वर्ण | वर्ग |
|-------------|---------|-----------|------|--------|------|------|-------|--------|------|------|
| कु | आद्रा | श्वान | ६ | म | आ | म | मिथुन | शु | शु | क |
| के को | पुन | विद्राक्ष | ७ | द | " | " | मिथुन | " | " | " |
| का | अभिजि | नकुक्ष | + | विद्या | + | प | मकर | श | वै | " |
| खी खु | भवण्य | वानर | ४ | दे | अ | प | मकर | " | वै | " |
| खे खो | | | | | | | | | | " |
| ग गी | धनिष्ठा | सिंह | ५ | म | म | प | मकर | " | वै | " |
| गु गे | | | " | " | " | " | कुम्भ | " | शु | " |
| गो | शत | अश्व | ६ | " | " | " | कुम्भ | " | " | " |
| घ ड | आद्रा | श्वान | ६ | म | आ | म | मिथुन | शु | शु | " |
| बा बी | रेवती | हस्ति | ६ | म | अ | पू | मीन | शु | शु | ख |
| बु बे बो | अश्विनी | अश्व | १ | दे | आ | पू | मघ | शु | क | " |
| ब्र | आद्रा | श्वान | ६ | म | आ | म | मिथुन | शु | शु | " |
| जा जी | उ बा | नकुक्ष | ३ | म | अ | प | मकर | श | वे | " |
| जु ज जो | अभिजि | नकुक्ष | + | विद्या | + | प | मकर | " | " | " |
| झ | उ मा | गौ | ८ | म | म | प | मीन | " | मा | " |
| टा टी टू | पू वा | उदिर | २ | म | " | म | सिंह | शु | क | ट |
| टे | उ का | गौ | ३ | म | आ | म | सिंह | शु | क | " |
| टो | उ का | गौ | ३ | म | आ | " | कन्या | शु | वे | " |
| ठ | हस्त | महिष | ४ | म | आ | " | कन्या | " | " | " |
| ठा | पुष्य | मेघ | ८ | " | म | " | कर्क | व | मा | " |
| डीडुडेडो | अश्लेषा | विद्राक्ष | ६ | रा | अ | " | कर्क | " | मा | " |
| ढ | पु वा | वानर | २ | म | म | प | धन | शु | क | " |
| ण | हस्त | महिष | ४ | म | आ | म | कन्या | शु | वे | " |
| ता ती तु ते | स्वाति | महिष | ६ | द | अ | म | तुला | शु | शु | " |
| तो | विशाखा | व्याध | ७ | रा | अ | " | " | शु | " | " |
| थ | | व्याध | " | " | अ | " | शुभिक | म | मा | " |
| द | उ मा | गौ | ८ | म | म | प | मीन | शु | मा | " |
| दि | पू मा | सिंह | ७ | " | आ | " | कुम्भ | श | " | " |
| ड | उ मा | गौ | ८ | " | म | " | मीन | शु | " | " |

| अक्षर | नक्षत्र | योगि | तारा | गण्य | नाडी | मुजि | राशि | स्वामी | वर्ण | वर्ग |
|----------|----------|---------|------|------|------|------|---------|--------|------|------|
| दे दो | रेवती | हस्ति | ६ | दे | आ | पू | मीन | गु | वा | त |
| प १० | पू पा | वानर | २ | म | म | प | धन | गु | क | " |
| ननानूने | अनु | हरिण | ८ | दे | म | म | वृश्चिक | मं | वा | " |
| नो | ज्येष्ठा | हरिण | ६ | रा | आ | प | " | " | " | " |
| पा पो | उ पा | गो | ३ | म | आ | म | कन्या | दु | " | प |
| पू | हस्त | महिष | ४ | दे | आ | म | कन्या | दु | " | " |
| पे पो | चित्रा | व्याघ्र | ५ | रा | म | " | कन्या | " | " | " |
| प | पू बा | वानर | २ | म | म | प | धन | गु | क | " |
| बा बी बू | रोहिणी | सर्प | ४ | म | अ | पू | वृष | गु | वे | " |
| वे बो | मृग | सर्प | ५ | दे | म | पू | वृष | " | " | " |
| मा मी | मूळ | श्वान | १ | रा | आ | प | धन | गु | क | " |
| भू | पू बा | वानर | २ | म | म | प | धन | गु | क | " |
| मे | उ पा | नकुल | ३ | म | म | प | धन | " | " | " |
| मो | " | नकुल | ३ | " | " | " | मकर | श | वे | " |
| मामीनूमे | मघा | उदिर | १ | रा | अ | म | रिह | स | क | " |
| मो | पू फा | उदर | २ | म | म | म | " | " | " | " |
| या यो यु | ज्येष्ठा | हरिण | ६ | रा | आ | प | वृश्चिक | मं | वा | प |
| ये यो | मूळ | श्वान | १ | " | आ | प | धन | गु | क | " |
| र रू रि | चित्रा | वानर | ५ | " | म | म | तुला | गु | शु | " |
| र रे रो | स्वाति | महिष | ६ | दे | अ | म | " | " | " | " |
| ला | आश्विनी | अश्व | १ | दे | आ | पू | मेष | मं | क | " |
| लीलूलेलो | भरणी | हस्ति | २ | म | म | पू | मेष | " | क | " |
| वा बी बू | रोहिणी | सर्प | ४ | " | अ | पू | वृष | गु | वे | " |
| वे बो | मृग | सर्प | ५ | दे | म | " | वृष | " | " | " |
| श १० | उ मा | गो | ८ | म | " | प | मीन | गु | वा | " |
| प १० | हस्त | महिष | ४ | दे | आ | म | कन्या | दु | वे | " |
| स सी सु | शत | अश्व | ६ | रा | आ | प | कुम्भ | श | शु | " |
| से सो | पू मा | सिंह | ७ | म | " | " | " | " | " | " |
| श | पुनर्वसु | बिहाल | ७ | दे | " | म | मिथुन | गु | " | " |
| ही | पुनर्वसु | बिहाल | ७ | " | " | " | कर्क | चं | " | " |
| हृ हे हो | पुष्य | मेघ | ८ | दे | म | म | कर्क | चं | ना | श |

श्रीमद्भारविप्रजिजय शिष्यदर्शन गुफित
प्राक्षरौधारणायत्रे अध्यायस्तृतीय इति

अध्याय ४

| | | | |
|---------------|---|--|----|
| मंगलं — | प्रणिपत्य परेशं च परस्परसहस्रैश्चक | साधक साध्य सिद्धये मउमोर्कं सदुच्यते | १ |
| | सर्वेद्वादशधान्यस्त तदेव साधयेनेत्य | अकहमूत्रमिष्यते त्रिकमकृतं निधिपते | २ |
| विन्यास — | अष्ट शृङ्खल विना भाषा काधानि व्यजनानि च | स्वरास्तु द्वादश वमात् अनुष्कोष्ठेषु सन्यसेत् | ३ |
| | अष्टमृत्स्वरौ तथात्रेय अपिलृङ्गस्वरौ त्रिहौ | रकारे प्राहतेबुधे लकारे साध्यते सदा | ४ |
| | द्वादश अक्षरा एव मउमोर्कादिभि कार्ये | प्रतिकोष्ठं विनिष्ठिता योगो साधक साध्यो | ५ |
| | देशे दुर्गे पुरे ग्रामे स्वामीभृत्येषुभूमिषु | भौषधे मन्त्रदेवयो रिपौ चेतश्चिरिक्षयेत् | ६ |
| जन्मनाम — | विशदे शुभकार्येषु जन्मनाम्न प्रधानत्वे | हामाक्षी ग्रहगोचरे प्रसिद्धं नाम नैक्षयेत् | ७ |
| प्रसिद्धनाम — | शृद्धे ग्रामे पले क्षेत्रे प्रसिद्धनाम्न श्रेष्ठतय | वाणिज्ये राजदर्शने जन्मराशि न चितयेत् | ८ |
| शिष्यादय — | साधकात् प्रथमे साध्ये वृत्तायेतु सुसिद्ध स्यात् | सिद्धि साध्यं द्वितीयके रिपुस्तूये यथाक्रमम् | ९ |
| सत्त्वशं — | सिद्धि सिध्यतिकालेन सुसिद्धिस्तत्क्षणादेव | साध्य सिध्यतिमानवा रिपु मूलं निश्च तति | १० |

अ क ह म यंत्र ।

| | | | | |
|-------------|---------------|--------------|--------------|--------------|
| | १२ अ ठ म श | १ | २ आ ल ड य | |
| ११ ओट यस | | २ अ क ह म | | ३ इ ग ण र |
| १० | औज फल | | इ घ त क्ष | ४ |
| ६ ओम पह | | ७ ए ऋ ष श | | ५ उ ट थ ध |
| | ऐननस ८ | ७ | ऊ च द श ६ | |

अ उ ओ क यंत्र ।

| | |
|---------|----------|
| अ उ ओ क | आ ऊ औ रा |
| इ ऋ ड य | च ञ ट द |
| प म व ह | फ य श ल |
| ई ऐ अ घ | इ ए अ ग |
| ज ठ त न | छ ट ण ध |
| भ ष स श | वे र ष ष |

सिध्यादि यंत्र ।

| | |
|--------|----------|
| सिद्धि | साध्य |
| रिप | सुसिद्धि |

श्री चारित्र विजयान्ते—

अ उ ओ धारणा यंत्रे

नासि दर्शनगुफित

अध्यायसूर्यम ईति

११

अध्याय ५

| | | |
|------------|--|---|
| मंगल — | प्रणम्य पर्यामकृत्या पूर्णहानं हेमचद्रं | सर्वेश परमेश्वर सर्वेश सस्तुये क्ली १ |
| | धीमक्षु चारित्र्यजयं तोयटध्वारणान्यास | मत्ता प्रेम्णाऽनघ शुभं पूर्णमगो विधीयते २ |
| मम — | स्थापकस्य सुरे साधो जिन श्रेष्ठ इति मन्त्रे | श्राद्धस्याऽस्य पुरस्य क उत्तरोऽस्मात्प्रदीयते ३ |
| | अश्वकोजिन श्रेष्ठ निषिञ्जतात् होम्यग्रे, | सद्यस्य, इति नविलोफनीय इतिकेचित ४ |
| न्यास — | चतु षष्ठ्यमरा सति तत्तद्योन्यादिक पदक | मित्रराशि म वर्गागा साधकस्याऽत्रस न्यसेत् ५ |
| १४४२४ — | तत प्रत्यक्षर पत्रे हन्मयोन्त्यादिके पदके— | चतुर्विंशतयो जिना न्यासाध्या समासत ६ |
| मंग १५१६ — | एषलेश्याग्निसमीति साधक जिनयो योगः | चद्रमीतास्तुमगय तस्मात्साध्यो निवेकिना ६ |
| १ पदक — | योनि र्धर्मश्च हम्भाका मन्येविवि विलोक्यही | गणो राशिश्च भाडिका योदायल गुणाधिक ७ |
| | कथचिदेवाहुतानारा म-वेधो मध्यम प्रोक्त | कुयेर सखलरिपौ वादवेधोऽधमाऽधम ८ |
| | उत्तरोत्तरेऽशुभे— तस्मान्नास्तोनिगव्यासौ | स्तद्योगो नैव शस्यते स्वपरोपहृति-पर ९ |

साधक अक्षर—अ, आ ।

| नं | साध्य दिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|------|------------|---------|-------|------|--------|--------|---------|---------|
| दि | स्वकीय | ३ | मेष | अ | अभ्य | राक्षस | मेष | अत्य |
| क | विरुध | ५, ७, ९ | वानर | त | | देव | कन्या | अत्यनेघ |
| १ | अृषभनाथ | | | | | अशुभ | शुभ | पादवेध |
| २ | अजितनाथ | | | | | " | अशुभ | वेध |
| ३ | संभवनाथ | अशुभ | | | | ॥ वैर | शुभ | |
| ४ | अभिनदन | अशुभ | | | | , | शुभ | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | | ॥ स्व | शुभ | वेध |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | ॥ | , | शुभ | |
| ७ | सुपाश्वनाथ | अशुभ | | | | ॥ " | सम | मवेध |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | १ | वैर | मीति | |
| ९ | सुनिधिनाथ | | | | | ॥ स्व | शुभ | |
| १० | शोतलनाथ | | कुवेर | | | ॥ अशुभ | शुभ | |
| ११ | भेयांतनाथ | | कुवेर | | | ॥ वैर | अशुभ | वेध |
| १२ | वासुपूज्य | | | | २ | स्व | शुभ | |
| १३ | विमलनाथ | | | | २ | अशुभ | अशुभ | |
| १४ | अनतनाथ | अशुभ | | | | वैर | अशुभ | वेध |
| १५ | धर्मनाथ | | मेली | वैर | | २ | अशुभ | |
| १६ | शक्तिनाथ | | | | | ॥ | , | स्वराशि |
| १७ | कुसुनाथ | | स्व | | ॥ | स्वगण | अशुभ | एकम |
| १८ | अरनाथ | अशुभ | | | | वैर | अशुभ | वेध |
| १९ | मल्लिकनाथ | | | | ॥ | " | स्वराशि | |
| २० | मुनिसुमत | | कुवेर | | ॥ | " | अशुभ | वेध |
| २१ | नमिनाथ | | | वैर | | २ | स्वराशि | |
| २२ | नेमिनाथ | अशुभ | | वैर | | २ | स्वगण | |
| २३ | पार्वनाथ | अशुभ | | | ॥ | , | सम | मवेध |
| २४ | वर्धमान | | | | २ | अशुभ | शुभ | |
| " | महावीर | | | | ॥ | " | , | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ध | | वर्ध | | नक्षत्र | युजि |
| मेष | मंगल | शुभिक | ललित | | | | कृतिका | पूर्व |

साधक अक्षर—इ ई, उ, ऊ, ए, ऐ ।

| नं० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेष | गण | राशि | नाडी |
|-------------|------------|--------|-------|------|---------|--------|-----------|---------|
| ॥ ॥ ॥ | स्वकीय | ३, | मघ | अ | सम्यं । | राक्षस | वृषभ | अंत्य |
| | विदध्य | ५ ७, ९ | वानर | स | देय | देय | धन | अत्यवेध |
| १ | अधुमनाय | | | | • | अशुभ | गुरु | भवेध |
| २ | अजितनाय | | | | • | • | स्वराशि | वेध |
| ३ | संभवनाय | अशुभ | | | •॥ | वेर | श्रेष्ठ | |
| ४ | अभिर्नदन | अशुभ | | | • | • | श्रेष्ठ | |
| ५ | सुमतिनाय | | | | •॥ | स्व | श्रेष्ठ | वेध |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | २॥ | • | शुभ | |
| ७ | सुपारनाय | अशुभ | | | •॥ | • | प्रीति | वध |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | १ | वेर | सम | |
| ९ | सुनिधिनाय | | | | •॥ | स्व | शुभ | |
| १० | शीतलनाय | | कुवेर | | •॥ | अशुभ | शुभ | |
| ११ | शेर्वाधनाय | | कुवेर | | •॥ | वेर | शुभ | वध |
| १२ | वासुपूज्य | | | | ३ | स्व | श्रेष्ठतर | |
| १३ | विमलनाय | | | | ३ | अशुभ | शुभ | |
| १४ | अनतनाय | अशुभ | | वेर | • | वेर | शुभ | वेध |
| १५ | धर्मनाय | | मेयो | | २ | • | शुभ | |
| १६ | शीतिनाय | | | | •॥ | • | अशुभ | |
| १७ | कुंघुनाय | | स्वा | | ॥ | स्वगण | स्वराशि | एकभ |
| १८ | अरनाय | अशुभ | | | • | वेर | शुभ | वेध |
| १९ | मल्लिकनाय | | | | २॥ | • | अशुभ | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | २॥ | • | शुभ | वेध |
| २१ | नमिनाय | | कुवेर | वेर | २ | • | अशुभ | |
| २२ | नेमिनाय | अशुभ | | वेर | २ | स्वगण | शुभ | |
| २३ | पारनाय | अशुभ | | | २॥ | • | प्रीति | वेध |
| २४ | वर्धमान | | | | ३ | • | शुभ | |
| , | महावीर | | | | २॥ | अशुभ | • | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | | वर्ण | | नक्षत्र | युधि |
| वृषभ | शुभ | तुला | वैश्य | | मेध | | कृतिका | पूर्व |

साधक अक्षर—ओ, औ ।

| नं० | साध्यनि | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|------|-------------|-------|-------|------|--------|--------|-----------|------|
| म | स्वकीयं | ४ | सर्प | अ | अम्यं | मनुष्य | वृषभ | अत्य |
| क | विरुध्य | ६८१ | नकुल | त | देय | राक्षस | घन | अत्य |
| १ | अपभनाय | | कुवेर | | ० | स्व | शुभ | भवेध |
| २ | अपितनाय | | स्वा | | ० | " | स्वराशि | एकभं |
| ३ | संभवनाय | | मेखी | | ०॥ | मध्यम | श्रेष्ठ | |
| ४ | अभिर्नदन | | | | ० | " | , | |
| ५ | सुमतिनाय | अशुभ | | | ०॥ | अशुभ | " | वेध |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | २॥ | " | शुभ | |
| ७ | मुपार्वनाय | | | | ०॥ | " | प्रीति | वेध |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | | १ | मध्यम | सम | |
| ९ | सुविधिनाय | अशुभ | | | ०॥ | अशुभ | शुभ | |
| १० | शीतलनाय | | | | ०॥ | स्वगण | " | |
| ११ | श्रेयांसनाय | | | | ०॥ | मध्यम | शुभ | वेध |
| १२ | वास्तुपूज्य | अशुभ | | | ३ | अशुभ | श्रेष्ठतर | |
| १३ | विमलनाय | अशुभ | | | ३ | स्वगण | शुभ | |
| १४ | अर्नतनाय | | | | ० | मध्यम | " | वेध |
| १५ | धर्मनाय | अशुभ | वेर | | २ | " | " | |
| १६ | शक्तिनाय | अशुभ | | | ०॥ | " | अशुभ | |
| १७ | कुशुनाय | | | | ०॥ | अशुभ | स्वराशि | वेध |
| १८ | अरनाय | | | | ० | मध्यम | शुभ | वेध |
| १९ | मल्लिनाय | अशुभ | | | २॥ | " | अशुभ | |
| २० | मुनिमुप्रत | | | | २॥ | (०॥) | " | वेध |
| २१ | नमिनाय | अशुभ | वेर | | २ | " | अशुभ | |
| २२ | नेमिनाय | | वेर | | २ | अशुभ | शुभ | |
| २३ | पार्वनाय | | | | २॥ | " | प्रीति | वेध |
| २४ | वर्धमान | | | | ३ | स्व | शुभ | |
| " | महावीर | | | | २॥ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाय | वर्ण | वर्ण | वर्ण | | नक्षत्र | मुजी |
| वृषभ | शुक्र | तुला | वैश्य | मेघ | मेघ | | रोहिणी | |

साधक अक्षर—क, का, कि, की च ।

| नं० | साम्प्रतिन | तारा | योगि | वर्ग | विशेषक | | गण्य | राशि | नारी | |
|-------|------------|-------|---------|-------------------|---------|-----|--------|------------|---------|-----|
| हि० | स्वकीय | ५ | सर्प | क | साम्प्र | | देव | मिथुन | मध्य | |
| क्र० | विषय | ७,६,२ | नक्षत्र | प | | देव | राक्षस | ४ बर्क | मध्यवेध | |
| १ | अपमनाथ | अशुभ | नुवेर | वेर | २ | ॥ | मध्यम | सम | एकमं | |
| २ | अजितनाथ | | भेरी | | | ॥ | " | भेष्ट | | |
| ३ | संभवनाथ | | स्वा | | | १ | स्व | स्वराशि | | |
| ४ | अमिनंदन | | | | | ॥ | " | स्वराशि | | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | | १ | वेर | शुभ | | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | वेर | २ | | " | भेष्टतर | वेध | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | | १ | " | शुभ | | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | ॥ | स्व | शुभ | | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | | १ | वेर | सम | | |
| १० | शीतलनाथ | | अशुभ | | | | १ | मध्यम | सम | वेध |
| ११ | भेयासनाथ | अशुभ | | वेर | २ | १ | स्व | प्रीति | वेध | |
| १२ | वासुदेव्य | | | | | ॥ | वेर | मध्यम | | |
| १३ | विमलनाथ | | | | | ॥ | मध्यम | भेष्ट | | |
| १४ | अनतनाथ | | | | | ॥ | स्व | भेष्ट | | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | ॥ | " | अशुभतर | | |
| १६ | रातिनाथ | अशुभ | | वेर | २ | १ | " | शुभ | वेध | |
| १७ | कुमुताथ | | | | | ० | वेर | भेष्ट | | |
| १८ | अरनाथ | | | | | ॥ | स्व | भेष्ट | | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | | वेर | २ | " | | शुभ |
| २० | मुनिबुद्ध | | | | | वेर | २ | (१) | | " |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | वेर | २ | १॥ | " | शुभ | वेध | |
| २२ | नेमिनाथ | | | | | १॥ | वेर | भेष्टतर | | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | | | " | शुभ | | |
| २४ | वर्धमान | | | | | १॥ | मध्यम | भेष्टतर | | |
| २५ | महावीर | | | | | वेर | २ | " | | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ध | वश्य | | | | नक्षत्र | युजी | |
| मिथुन | सुष | कन्या | शद्र | विना सिंह चन खर्च | | | | सूर्यशिर्ष | पूर्व | |

साधक अक्षर—कु, कू ।

| नं | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|-------|------------|-------|-------|------|-------------|--------|---------|-----------|
| सं | स्वकीय | ६ | ज्ञान | क | सम्य | मनुष्य | मिथुन | आद्य |
| कु | विदध्य | ८ १ ३ | हरिण | प | | दय | राक्षस | वृ० क० |
| १ | मृगमनाथ | अशुभ | | | | ॥ | स्व | सम |
| २ | अजितनाथ | | | | | ०॥ | " | श्रेष्ठ |
| ३ | संभवनाथ | | | | | १ | मध्यम | स्वराशि |
| ४ | अभिनदन | | | | | ०॥ | " | " |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | | १ | अशुभ | शुभ |
| ६ | पद्मप्रभु | | | वेर | २ | | " | श्रेष्ठतर |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | | १ | " | शुभ |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | वेर | | | ३॥ | मध्यम | शुभ |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | मेनी | | | १ | अशुभ | सम |
| १० | शीतलनाथ | | | | | १ | स्वगण | " |
| ११ | श्रेयासनाथ | | | | | १ | मध्यम | प्राति |
| १२ | वासुपूज्य | | | | | १॥ | अशुभ | मध्यम |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | | १॥ | स्वगण | श्रेष्ठ |
| १४ | अनंतनाथ | | | | | ०॥ | मध्यम | " |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | १॥ | | " | अशुभतर |
| १६ | शांतिनाथ | अशुभ | | | | १ | " | शुभ |
| १७ | कुशुताथ | अशुभ | | | ० | | अशुभ | श्रेष्ठ |
| १८ | अरनाथ | | | | | ०॥ | मध्यम | " |
| १९ | मल्लिकानाथ | अशुभ | | वेर | २ | | " | शुभ |
| २० | मुनियुक्ता | | वेर | | २ | (१) | " | प्राति |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | " | शुभ |
| २२ | नेमिनाथ | | | | १॥ | | अशुभ | श्रेष्ठतर |
| २३ | पार्वनाथ | | वेर | | २ | | " | शुभ |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | | १॥ | स्व | श्रेष्ठतर |
| " | महावीर | " | वेर | | २ | | " | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | वर्ण | | नक्षत्र | युजी |
| मिथुन | सुध | कन्या | शुद्ध | | निनासिह धनं | | आद्रा | मध्य |

साधक अक्षर—के, कै, को, कौ ।

| न | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशोपक | गण | राशि | माही |
|--------|------------|-------|-------------|-------|------------|------------|----------|-------|
| संख्या | स्वकीय | ७ | विदाल | क | अभ्य | द्व | मिथुन | आग |
| संख्या | रिद्ध | ६ २ ४ | उदिर | प | देय | राक्षस | वृ क० | आयवष |
| १ | मृगमाथ | अशुभ | स्वा वेर | वेर | ०॥ | मध्यम | सम | एकर्म |
| २ | अजितनाथ | | | | ०॥ | , | भेष्ट | |
| ३ | समवनाथ | | | | १ | स्व | स्वराशि | |
| ४ | अभिनदन | | | | ०॥ | , | , | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | वेर | वेर २ | १ | वेर | शुभ | वेध |
| ६ | पद्मसु | | | | | " | भेष्टतर | |
| ७ | सुपाशनाथ | | | | १ | , | शुभ | |
| ८ | चंद्रसु | | | | १॥ | स्व | शुभ | |
| ९ | सुविभिनाथ | अशुभ | अशुभ | | १ | वेर | सम | वेध |
| १० | शीतलनाथ | | | | १ | मध्यम | , | |
| ११ | भेयांसनाथ | | | | १ | स्व | प्रीति | |
| १२ | वासुपूज्य | | | | १॥ | वेर | मध्यम | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | अशुभ | | १॥ | मध्यम | भेष्ट | वेध |
| १४ | अनतनाथ | | | | ०॥ | स्व | , | |
| १५ | धर्मेनाथ | | | | १॥ | | अशुभतर | |
| १६ | शातिनाथ | | | | १ | , | शुभ | |
| १७ | कुमुनाथ | अशुभ | अशुभ | | ० | वेर | भेष्ट | वेध |
| १८ | अरनाथ | | | | ०॥ | स्व | " | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | वेर २ | | शुभ | |
| २० | मुनिसुव्रत | | | | वेर २ | (१) | प्राप्ति | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | अशुभ | | १॥ | " | शुभ | वेध |
| २२ | नेमिनाथ | | | | १॥ | वेर | भेष्टतर | |
| २३ | पारवनाथ | | | | वेर २ | " | शुभ | |
| २४ | वर्धमान | | | | १॥ | मध्यम | भेष्टतर | |
| " | महावीर | | | वेर २ | | | " | |
| राशि | पवि | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | वर्ण | वर्ण | नक्षत्र | युजि |
| मिथुन | सुध | कन्या | शुद्ध | शुद्ध | विनाहिध धन | विनाहिध धन | पुनर्गु | मध्यम |

साधक अक्षर—ख-१० (खो, खौ, १-पाठ ७-१३-२३ भवेध ७)

| न० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशी | नाडी |
|------|--------------|-------|-------|------|--------|---------|-----------|---------|
| १ | स्वकीय | ४ | वानर | क | लघ्य | देव | मकर | अत्य |
| २ | विरुध्य | ६,८,१ | मेघ | प | देव | राक्षस | सिंह | अत्यवेध |
| १ | कृपभदेव | | | | ०॥ | मध्यम | अशुभ | भवेध |
| २ | अजितनाथ | | | | ०॥ | " | शुभ | वेध |
| ३ | समवनाथ | | | | १ | स्व | प्राति | |
| ४ | अभिनदन | | | | ०॥ | " | प्रीति | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | १ | वैर | शत्रु | वेध |
| ६ | पद्मप्रभु | | | वैर | २ | " | मध्यम | |
| ७ | सुपार्ष्वनाथ | | | | १ | " | श्रेष्ठतर | वेध* |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | | १॥ | स्व | शुभ | |
| ९ | सुरिधिनाथ | अशुभ | | | १ | वैर | अशुभ | |
| १० | शीतलनाथ | | मेढी | | १ | मध्यम | " | |
| ११ | शेषासनाथ | | स्वा | | १ | स्व | स्वराशि | एकभ |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | | | १॥ | वैर | भ्रात | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | १॥ | मध्यम | शुभ | वेध* |
| १४ | अनंतनाथ | | | | ०॥ | स्व | शुभ | |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | वैर | | १॥ | " | सम | |
| १६ | शक्तिनाथ | अशुभ | | | १ | " | श्रेष्ठ | |
| १७ | कुशुनाथ | | वैर | | ० | वैर | शुभ | वेध |
| १८ | भरनाथ | | | | ०॥ | स्व | शुभ | वेध |
| १९ | मल्लिकनाथ | अशुभ | | वैर | २ | " | श्रेष्ठ | |
| २० | मुनिमुक्ता | | स | वर | २ | (१) | स्वराशि | एकभ |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | १॥ | " | श्रेष्ठ | |
| २२ | नेमनाथ | | | | १॥ | वैर | मध्यम | |
| २३ | पार्ष्वनाथ | | | वैर | २ | " | श्रेष्ठतर | वेध* |
| २४ | वर्धमान | | | | १॥ | मध्यम | मध्यम | |
| " | महानीर | | | वैर | २ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ग | वर्य | मीन | नक्षत्र | गुर्जा | |
| मकर | गनि | कुभ | वैश्य | कर्क | | श्रवण | पश्चिम | |

*स स्वा योनि नकुल, स्वा-११-२३, मेढी-१०, वैर सप्ते-१५-१७ ।

साधक अक्षर-ग, गा, गि, गी ।

| नं | साध्यजिन | तारा | यानि | यग | विशेषक | गण | राशि | नामी |
|------|-------------|-------|-------|-----|--------|--------|---------|---------|
| म | स्वकीयं | ५ | विह | क | क्षम्य | राक्षस | मकर | मध्य |
| न | निष्पद्य | ७,६,२ | हस्ति | प | | दय | विह | मध्यमेध |
| १ | अपभनाथ | | | | | ०॥ | अशुभ | अशुभ |
| २ | अजितनाथ | | | | | ०॥ | " | शुभ |
| ३ | सभरनाथ | | | | | १ | वेर | मोति |
| ४ | अभिर्नन्त | अशुभ | | | | ०॥ | " | " |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | | १ | स्व | शुभ |
| ६ | पद्मप्रभु | | | वेर | २ | | " | मध्यम |
| ७ | सुपार्वनाथ | अशुभ | | | | १ | " | भेष्टतर |
| ८ | चन्द्रप्रभु | | | | | ३॥ | वेर | शुभ |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | | १ | स्व | अशुभ |
| १० | शोतनाथ | अशुभ | | | | १ | अशुभ | " |
| ११ | भेयातनाथ | | | | | १ | वेर | स्वराशि |
| १२ | धानुपूर्य | | | | | १॥ | स्व | भेष्ट |
| १३ | रिमलनाथ | | | | | १॥ | अशुभ | शुभ |
| १४ | अनंतनाथ | अशुभ | वेर | | | ०॥ | वर | " |
| १५ | धर्मनाथ | | | | १॥ | | " | सम |
| १६ | शालिनाथ | | | | | १ | " | भेष्ट |
| १७ | कुशुनाथ | | | | ० | | स्वगण | शुभ |
| १८ | अरनाथ | अशुभ | वेर | | | ०॥ | वेर | " |
| १९ | मखिलनाथ | | | वेर | २ | | " | भेष्ट |
| २० | सुनिमुमत | | | वेर | २ | (१) | " | स्वराशि |
| २१ | नमिनाथ | | | | १॥ | | " | भेष्ट |
| २२ | नेमिनाथ | | | | १॥ | | स्वगण | मध्यम |
| २३ | पारयनाथ | अशुभ | | वेर | २ | | " | भेष्टतर |
| २४ | वर्धमान | | | | | १॥ | अशुभ | मध्यम |
| २५ | महावीर | | | वेर | २ | | " | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वरय | कक मीन | | नक्षत्र | युजि |
| मकर | शनि | कन | वैश्य | | | | धनिष्ठा | पश्चिम |

साधक अक्षर—गो, गौ ।

| नं | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|-------|------------|---------|--------|--------------------|--------|--------|---------|---------|
| सं | स्वकीय | ६ | अश्व | क | सम्य | राक्षस | कुम्भ | आय |
| सं | विरुद्ध | ८, १, ३ | महिष | प | | देव | दे० न० | आयवध |
| १ | अृषमनाथ | अशुभ | | | | ०॥ | अशुभ | शुभ |
| २ | अजितनाथ | | | | | ०॥ | " | अष्टतर |
| ३ | सम्भवनाथ | | | | | १ | वेर | मध्यम |
| ४ | अभिर्नदन | | | | | ०॥ | " | " |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | | १ | स्व | सम |
| ६ | पद्मप्रभु | | | वेर | २ | | " | प्राति |
| ७ | सुपारजनाथ | | | | | १ | " | शुभ |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | | | १॥ | वेर | अष्ट |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | | | १ | स्व | शुभ |
| १० | शीतलनाथ | | | | | १ | अशुभ | " |
| ११ | शेषासनाथ | | | | | १ | वेर | अष्ट |
| १२ | बानुपूज्य | | स्वा | | | १॥ | स्व | स्वराशि |
| १३ | रिमलनाथ | अशुभ | | | | १॥ | अशुभ | अशुभ |
| १४ | अनतनाथ | | | | | ०॥ | वेर | " |
| १५ | धर्मेनाथ | अशुभ | | | १॥ | | " | शुभ |
| १६ | शक्तिनाथ | अशुभ | मैत्री | | | १ | " | शुभ |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | | | ० | | स्वगण | अष्टतर |
| १८ | अरनाथ | | | | | ०॥ | वेर | अशुभ |
| १९ | मन्त्रिनाथ | अशुभ | मेवी | वेर | ० | | " | शुभ |
| २० | सुनिसुव्रत | | | वेर | २ | (१) | " | अष्ट |
| २१ | गमिनाथ | अशुभ | मेवा | | १॥ | | " | शुभ |
| २२ | नेमिनाथ | | | | १॥ | | स्वगण | प्राति |
| २३ | पार्वतीनाथ | | | वेर | २ | | " | शुभ |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | | १॥ | अशुभ | प्राति |
| " | महावार | | | वेर | २ | | " | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वश्ये | | | नक्षत्र | युजा |
| कुम्भ | शनि | भकर | शुद्ध | विना सिंह मनुष्य च | | | शतभिषा | पश्चिम |

साधक अक्षर--घ-१० सर्वस्वर सहित. ड-१० स्वर सहित ।

| नं० | राध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|-------|------------|-------|--------|------|----------|----------|-----------|---------|
| नं० | स्वकीयं | ६ | भान | क | क्षम्यं | मनुष्य | मिथुन | आद्य |
| वर्ण | विरुध्व | ८, १३ | हरिण | प | | देव | वृ क | आद्यवेध |
| १ | अपमनाथ | अशुभ | | | | ०॥ स्व | सम | |
| २ | अजितनाथ | | | | | ०॥ " | श्रेष्ठ | |
| ३ | सम्भवाथ | | | | | १ मध्यम | स्वराशि | |
| ४ | अभिनन्दन | | | | | ०॥ " | | वेध |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | | १ अशुभ | शुभ | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | वेर | २ | | श्रेष्ठतर | |
| ७ | सुपारयनाथ | | | | | १ | शुभ | |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | वेर | | | १॥ मध्यम | शुभ | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | मैत्री | | | १ अशुभ | सम | वेध |
| १० | शोतलनाथ | | | | | १ स्वगण | | |
| ११ | भयाननाथ | | | | | १ मध्यम | प्रीति | |
| १२ | वासुपूज्य | | | | | १॥ अशुभ | मध्यम | वेध |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | | १॥ स्वगण | श्रेष्ठ | |
| १४ | अनतनाथ | | | | | ०॥ मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | १॥ | " | अशुभतर | |
| १६ | शान्तिनाथ | अशुभ | | | | १ | शुभ | वेध |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | | | ० | अशुभ | श्रेष्ठ | |
| १८ | अरनाथ | | | | | ०॥ मध्यम | | |
| १९ | मल्लिनाथ | अशुभ | | वेर | २ | | शुभ | वेध |
| २० | मुनिसुव्रत | | | वेर | २ | (१) | प्रीति | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | १॥ | " | शुभ | वेध |
| २२ | नेमिनाथ | | | वेर | १॥ | अशुभ | श्रेष्ठतर | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | २ | " | शुभ | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | | १॥ स्व | श्रेष्ठतर | वेध |
| " | महावीर | " | | | २ | " | | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | | वर्य | | नक्षत्र | मुजी |
| मिथुन | कुध | कन्या | शुद्ध | | नासिह धन | | आद्य | |

સાધક અક્ષર—ચ, યા, ચિ ચી ।

| નં. | સાધ્યજિન | તારા | ચોનિ | વર્ગ | વિશેષક | ગણ | રાશિ | નાદી |
|------|------------|-------|----------|------|--------|-------|---------|--------|
| સં. | સ્વકીય | દ, | સ્તિ | ચ | ધર્મ્ય | દેવ | મીન | અત્ય |
| ક્રમ | વિરુદ્ધ | ૨૪,૬ | સિંહ | ય | દેવ | રાજા | તુલા | અત્યવે |
| ૧ | શુભનાથ | અશુભ | | | ૧ | મધ્યમ | શેષ્ટતર | મનષ |
| ૨ | અજિતનાથ | | | | ૧ | " | શુભ | વેધ |
| ૩ | સમવનાથ | | | | ૧૧ | સ્વ | શેષ્ટ | |
| ૪ | અભિનંદન | | | | ૧ | " | " | |
| ૫ | સુમતિનાથ | | | | ૧૧ | વૈર | પ્રાતિ | વેધ |
| ૬ | પદ્મપ્રભુ | | | | ૧૧ | " | સમ | |
| ૭ | સુપારવનાથ | | | | ૧૧ | " | શુભ | વેધ |
| ૮ | ચંદ્રપ્રભુ | | | | ૧ | સ્વ | શુભ | |
| ૯ | સુવિધિનાથ | | | | ૧૧ | વૈર | શેષ્ટતર | |
| ૧૦ | શીતલનાથ | અશુભ | સ્વા | વૈર | ૧૧ | મધ્યમ | " | |
| ૧૧ | શ્રેયાલનાથ | અશુભ | | | ૧૧ | સ્વ | શુભ | વેધ |
| ૧૨ | વાલુપૂજ્ય | અશુભ | | | ૨ | વૈર | અશુભ | |
| ૧૩ | શિવલનાથ | | | | ૨ | મધ્યમ | સ્વરાશિ | |
| ૧૪ | અનંતનાથ | | | | ૧ | સ્વ | " | અકર્મ |
| ૧૫ | ધમનાથ | | | | ૧ | | મધ્યમ | |
| ૧૬ | શાંતિનાથ | | | | ૧૧ | " | શેષ્ટ | |
| ૧૭ | કુણનાથ | | | | ૧૧ | વૈર | શુભ | વેધ |
| ૧૮ | અરનાથ | | | | ૧ | સ્વ | સ્વરાશિ | અકર્મ |
| ૧૯ | મલ્લિકનાથ | | | | | " | શેષ્ટ | |
| ૨૦ | મુનિમુખત | અશુભ | સ્વા | વૈર | ૧૧ | (૧૧) | " | વેધ |
| ૨૧ | નમિનાથ | | | | ૧ | | શેષ્ટ | |
| ૨૨ | નેમિનાથ | | | | ૧ | વૈર | સમ | |
| ૨૩ | પારવનાથ | | | | ૧૧ | " | શત્રુ | વેધ |
| ૨૪ | વધમાન | | | | ૨ | મધ્યમ | સમ | |
| ૨૫ | મહાનીર | | | | ૧૧ | " | " | |
| રાશિ | પતિ | અકનાથ | વર્ણ | વર્ણ | | | નક્ષત્ર | યુજિ |
| મીન | ગુરુ | પન | બ્રાહ્મણ | • | | | રેવતી | પૂવ |

साधक अक्षर—बु, चू, चे, चै, चो चौ ।

| नं० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | मन्त्र | राशि | नाम |
|------|-------------|---------|--------|------|---------|--------|---------|-----|
| नं० | स्वकीय | १, | अक्ष | च | अक्ष | द्व | मन्त्र | नाम |
| नं० | विरुद्ध | ३,५,७ | महिय | य | दय | राक्ष | कन्ता | नाम |
| १ | भृगुमनाय | अशुभ | | | १ | मन्त्र | शुभ | |
| २ | अजितनाय | | | | १ | " | अशुभ | |
| ३ | संभरनाय | अशुभ | | | १॥ | स्व | शुभ | |
| ४ | अमिनंदन | अशुभ | | | १ | " | " | वेध |
| ५ | सुमतिनाय | | | | १॥ | वैर | " | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | १॥ | " | " | |
| ७ | सुपार्वनाय | अशुभ | | | १ | " | शुभ | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | ११ | " | मन्त्र | |
| ९ | सुविधिनाय | | | | १॥ | वैर | प्रति | |
| १० | शीतलनाय | | | | १॥ | वैर | शुभ | वेध |
| ११ | भेयासनाय | | | | १॥ | मन्त्र | " | |
| १२ | वासुपूज्य | | मैत्री | वैर | १॥ | स्व | अशुभ | |
| १३ | विमलनाय | | | वैर | १ | वैर | शुभ | वेध |
| १४ | अनंतनाय | | | | १ | मन्त्र | भेध | |
| १५ | धर्मनाय | | | | १ | स्व | " | |
| १६ | शक्तिनाय | | स्वा | | १ | " | भेधतर | |
| १७ | कुशुनाय | अशुभ | | | १॥ | " | स्वराशि | वेध |
| १८ | अरुनाय | | | | १॥ | वैर | अशुभ | |
| १९ | मल्लिकनाय | | स्वा | | १ | स्व | अशुभ | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | १॥ | " | स्वराशि | वेध |
| २१ | नमिनाय | | स्वा | | १॥ (१॥) | " | भेध | |
| २२ | नेमनाय | अशुभ | | | १ | " | स्वराशि | वेध |
| २३ | पार्वनाय | अशुभ | | | १ | वैर | शुभ | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | १॥ | " | स्वराशि | वेध |
| " | महावीरवर्मा | | | (११) | (११) | " | शुभ | |
| राशि | पति | एकनाय | वर्ण | | | | | |
| मेघ | मंगल | वृश्चिक | वर्ण | | | | | |

साधक अक्षर—छ १० ।

| नं सं सू क | साध्यं स्वकीय विदग्ध | तारा ६ ८, १, ३ | योनि श्वान हरिण | वग ख य | विशेषक साम्यं देयं | गण मनुष्य राक्षस | राशि मिथुन वृ० क० | नाडी आय आय |
|---------------------|----------------------------|----------------------|-----------------------|--------------|---------------------------|------------------------|-------------------------|------------------|
| १ | अशुभनाथ | अशुभ | | | १ | स्व | सम | |
| २ | अशितनाथ | | | | १ | " | भेष्ट | |
| ३ | संभवनाथ | | | | १॥ | मध्यम | स्वराशि | |
| ४ | अभिनदन | | | | १ | " | " | वेध |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | १॥ | अशुभ | शुभ | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | १॥ | " | भेष्टतर | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | १॥ | " | " | |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | वैर | | १॥ | " | शुभ | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | भेनी | | १॥ | मध्यम | शुभ | |
| १० | शीतलनाथ | | | | १॥ | अशुभ | सम | वेध |
| ११ | धेयांसनाथ | | | | १॥ | स्वगण | " | |
| १२ | बाहुपूज्य | | | वैर | १॥ | मध्यम | प्रीति | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | वैर | २ | अशुभ | मध्यम | वेध |
| १४ | अनंतनाथ | | | | २ | स्वगण | भेष्ट | |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | १ | मध्यम | " | |
| १६ | शांतिनाथ | अशुभ | | | १ | " | अशुभतर | |
| १७ | कपुताथ | अशुभ | | | १॥ | " | शुभ | वेध |
| १८ | अरनाथ | | | | १॥ | अशुभ | भेष्ट | |
| १९ | मल्लिनाथ | अशुभ | | | १ | मध्यम | " | |
| २० | मुनिसुव्रत | | | | १॥ | " | शुभ | वेध |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | १॥ (१॥) | " | प्रीति | |
| २२ | नेमनाथ | | | | १ | " | शुभ | वेध |
| २३ | पार्वनाथ | | | | १ | अशुभ | भेष्टतर | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | (वैर) | १॥ | " | शुभ | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | (२) | स्व | भेष्टतर | वेध |
| राशि मिथुन | पति दुध | एकनाथ कन्या | वर्ष शुद्ध | | वसय विनासिहं धनं सर्वं | | नक्षत्र आद्रा | युबी मध्य |

साधक अक्षर-ज-१० (जुजूजेजेजोजू अभिजित्) (जजि १ भवेध ७)

| नं | साध्यं | तारा | गोनि | वर्ग | विशोपक | गण | राशि | नाडी | | | | |
|-------|--------------|-------|-------|----------|---------|--------|-----------|--------|---------|-----------|----|--|
| नं | स्वकीय | ३ | नकुल | च | क्षम्य | मनुष्य | मकर | अत्य | | | | |
| साध्य | विरुध | ५,७,९ | सर्प | य | देय | राक्षस | सिंह | अत्य | | | | |
| १ | शृषमनाय | अशुभ | स्वा | वैर | १ | स्व | अशुभ | एकभ * | | | | |
| २ | अजितनाय | | वैर | | १ | , | शुभ | वध | | | | |
| ३ | सभवनाय | | वैर | | १॥ | मध्यम | प्रीति | | | | | |
| ४ | अभिनदन | | अशुभ | | १ | " | , | | | | | |
| ५ | सुमतिनाय | | अशुभ | | १॥ | | १॥ | अशुभ | शत्रु | वेध | | |
| ६ | पद्मसु | | | | | | " | मध्यम | | | | |
| ७ | सुपार्वनाय | | | | | | अशुभ | १॥ | " | श्रेष्ठतर | वध | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | | ० | मध्यम | शुभ | | | |
| ९ | सुविधिनाय | | | | | | १॥ | अशुभ | अशुभ | | | |
| १० | शीतलनाय | | | | | | १॥ | स्वगण | " | | | |
| ११ | श्रेयासनाय | | | | | | १॥ | मध्यम | स्वराशि | वध | | |
| १२ | वासुपुत्र | अशुभ | वैर | वैर | २ | अशुभ | श्रेष्ठ | | | | | |
| १३ | विमलनाय | | वैर | | २ | स्वगण | शुभ | | | | | |
| १४ | अनतनाय | | अशुभ | | १ | मध्यम | , | वध | | | | |
| १५ | धर्मनाय | | | | १ | , | सम | | | | | |
| १६ | शक्तिनाय | | | | १॥ | " | श्रेष्ठ | | | | | |
| १७ | कुशुनाय | | | | १॥ | अशुभ | शुभ | वध | | | | |
| १८ | अरुनाय | | | | १ | मध्यम | " | वध | | | | |
| १९ | मस्तिनाय | | | | १॥ | | श्रेष्ठ | | | | | |
| २० | मुनिसुवत | | | | १॥ (१॥) | , | स्वराशि | वेध | | | | |
| २१ | नमिनाय | अशुभ | | | १ | " | श्रेष्ठ | | | | | |
| २२ | नेमनाय | | | | १ | अशुभ | मध्यम | | | | | |
| २३ | पार्वनाय | | | | १॥ | " | श्रेष्ठतर | वेध | | | | |
| २४ | वर्धमान | | | | (वैर) | (२) | स्व | मध्यम | | | | |
| ॥ | महावीरस्वामी | | | | १॥ | " | " | | | | | |
| राशि | पति | एकनाय | वय | वय | | | नक्षत्र | युजि | | | | |
| मकर | शनि | कुम | वैश्य | कर्व मीन | | | उ० पा० | पश्चिम | | | | |

साधक अक्षर—भ-१० ।

| नं० | साध्यति | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गणः | राशि | नामी |
|------|--------------|-------|----------|-------|---------|--------|----------|--------|
| म | स्वकीयं | ८ | शी | घ | क्षम्यं | मनुष्य | मीन | मध्य |
| सु | विरुध्यं | १,२,५ | व्याघ्र | य | क्षय | राक्षस | गुहा | मध्य |
| १ | शृपमनाथ | अशुभ | | | १ | स्व | भ्रष्टतर | |
| २ | अतिताथ | | | | १ | " | शुभ | |
| ३ | संभवनाथ | अशुभ | | | १॥ | मध्यम | भेष्ठ | मध्य |
| ४ | अभिर्नदन | | | | १ | " | | |
| ५ | शुभतिनाथ | अशुभ | | | १॥ | अशुभ | प्रीति | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | कुवेर | | १॥ | | शम | मध्य |
| ७ | मुपारवनाथ | | कुवेर | | १॥ | | शम | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | १॥ | मध्यम | शुभ | मध्य |
| ९ | मुविधिनाथ | अशुभ | | | १॥ | अशुभ | भेष्ठतर | |
| १० | शीतलनाथ | | | | १॥ | स्वगण | | मध्य |
| ११ | भेदासनाथ | | | | १॥ | मध्यम | शुभ | |
| १२ | बाहुपूर्य | | स्वा | वेर | २ | अशुभ | अशुभ | |
| १३ | विमलनाथ | | | वेर | २ | स्वगण | स्वराशि | एकम |
| १४ | अनंतनाथ | | | | १ | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | १ | " | मध्यम | मध्य |
| १६ | शक्तिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | भेष्ठ | |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | | | १॥ | अशुभ | शुभ | |
| १८ | अरनाथ | | | | १ | मध्यम | स्वराशि | |
| १९ | मल्लिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | भेष्ठ | |
| २० | मुनिमुपत | | | | १॥ (१॥) | " | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | १ | | भेष्ठ | |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | कुवेर | | १ | | भेष्ठ | |
| २३ | पारवनाथ | | कुवेर | | १॥ | अशुभ | शम | मध्य |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | मेती | (वेर) | (२) | स्व | शम | |
| | महावीरस्वामी | | | | १॥ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | | वश्यं | | नक्षत्रं | मुखी |
| मीन | गुरु | धन | ब्राह्मण | | | | उ० भा० | पश्चिम |

साधक अक्षर-ट, टा, टि, टी, टु, टू । (ट ३, ६, २२ भवेध ०)

| न० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशोपक | गण | राशि | नाडी |
|-------|--------------|---------|--------|--------------------|--------|--------|-----------|------|
| नं | स्वकीय | २ | उदिर | ट | लम्प | मनुष्य | सिंह | मध्य |
| साध्य | विदुष्य | ४, ६, ८ | विदाल | श | देय | राक्षस | मकर | मध्य |
| १ | अृषमनाथ | | | | २॥ | स्व | शुभ | |
| २ | अजितनाथ | अशुभ | | | २॥ | " | श्रेष्ठ | |
| ३ | समवनाथ | | कुचैर | वैर | २ | मध्यम | शुभ | वध* |
| ४ | अभिनंदन | | मैसी | | २॥ | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | वैर | २ | अशुभ | स्वराशि | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | ३ | " | शुभ | वध* |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | वैर | २ | " | " | |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | | ०॥ | मध्यम | श्रेष्ठतर | वध |
| ९ | सुविधिनाथ | | | वैर | २ | अशुभ | शुभ | |
| १० | शीतलनाथ | | | वैर | २ | स्वगण | शुभ | वेध |
| ११ | भैयालनाथ | अशुभ | | वैर | २ | मध्यम | शुभ | |
| १२ | वासुपुत्र्य | अशुभ | | | २॥ | अशुभ | सम | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | २॥ | स्वगण | प्रीति | वध |
| १४ | अनतनाथ | | | | २॥ | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | ०॥ | " | श्रेष्ठ | वध |
| १६ | शक्तिनाथ | | | वैर | २ | " | शुभ | |
| १७ | कुपुनाथ | | | | १ | अशुभ | श्रेष्ठ | |
| १८ | अरनाथ | | | | २॥ | मध्यम | प्रीति | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | ३ | " | शुभ | |
| २० | मुनिमुवत | अशुभ | | (वैर) | (२) | " | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | | | | ०॥ | " | शुभ | |
| २२ | नेमनाथ | | | | ०॥ | अशुभ | शुभ | वेध* |
| २३ | पार्वनाथ | | | | ३ | " | " | |
| २४ | वर्धमान | | | | (२॥) | स्व | " | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | ३ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | वर्ण | वर्ण | नक्षत्र | युजी |
| सिंह | एय | ० | क्षतिय | विना धन शुद्धिकर्त | | | पू० पा० | मध्य |

साधक अक्षर—टे, टै ।

| न | साध्य जिन | तारा | यानि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|-------|---------|-------------------------|--------|--------|---------|-------|
| मि | स्वकीय | ३ | गो | ट | अभ्य | मनुष्य | सिंह | घाव |
| सह | विरुद्ध | ५ ७ ९ | व्याप्त | ग | देय | राक्षस | मकर | घाव |
| १ | अप्यभनाथ | | | | २॥ | स्व | शुभ | |
| २ | अजितनाथ | | | | २॥ | " | भेष्ठ | |
| ३ | समवनाथ | अशुभ | | वैर | २ | मध्यम | शुभ | भय |
| ४ | अभिनदन | अशुभ | | | २॥ | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | वैर | २ | अशुभ | स्वराशि | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | कुवैर | | | " | शुभ | |
| ७ | सुपाररनाथ | अशुभ | कुवैर | वैर | २ | " | " | |
| ८ | चद्रप्रभु | | | | ०॥ | मध्यम | भेष्ठतर | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | वैर | २ | अशुभ | शुभ | भय |
| १० | शोतजनाथ | | | वैर | २ | स्वगण | " | |
| ११ | धर्मावनाथ | | | वैर | २ | मध्यम | शुभ | |
| १२ | वासुपूज्य | | | | | अशुभ | सम | वैय |
| १३ | निमजनाथ | अशुभ | मली | | २॥ | स्वगण | मीति | |
| १४ | अनंतनाथ | | | | २॥ | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | ०॥ | " | भेष्ठ | |
| १६ | शातिनाथ | | | वैर | २ | " | शुभ | भय |
| १७ | कुशुनाथ | | | | | अशुभ | भेष्ठ | |
| १८ | अरनाथ | अशुभ | | | २॥ | मध्यम | मीति | |
| १९ | मरिचनाथ | | | (वैर) | (२) | " | शुभ | भय |
| २० | मुनिमुक्ता | | | | २ | " | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | कुवैर | | ०॥ | " | शुभ | भय |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | कुवैर | | ०॥ | अशुभ | " | |
| २३ | पाररनाथ | | | | | " | " | |
| २४ | वर्षमान | | | | २ | " | " | एकर्म |
| | महावीरस्वामी | | | | (२॥) | स्व | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | नया | वश्य | | | नक्षत्र | मुजि |
| सिंह | सूर्य | | सविय | विना धनं वृत्तिकं सर्वं | | | उ० पा० | मध्य |

साधक अक्षर-टो, टौ ।

| नं० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी |
|-------|--------------|---------|---------|-------|--------|------------------|--------|-----------|------|
| ॥ | स्वकीय | ३ | गौ | ट | क्षम्य | | मनुय | कन्या | आद्य |
| साध्य | विरुध | ५, ७, ९ | व्याघ्र | श | | देव | राक्षस | मेघ | आद्य |
| १ | भृषभनाथ | | | | २॥ | | स्व | श्रेष्ठ | |
| २ | अजितनाथ | | | | २॥ | | , | शुभ | |
| ३ | सम्भवनाथ | अशुभ | | वेर | २ | | मध्यम | श्रेष्ठतर | |
| ४ | अभिनन्दन | अशुभ | | | २॥ | | " | " | वेध |
| ५ | सुमतिनाथ | | | वेर | २ | | अशुभ | शुभ | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | कुवेर | | | ३ | " | स्वराशि | |
| ७ | सुपार्ष्वनाथ | अशुभ | कुवेर | वेर | २ | | " | श्रेष्ठ | |
| ८ | चन्द्रप्रभु | | | | | ॥ | मध्यम | शुभ | |
| ९ | सुविचिनाथ | | | वेर | २ | | अशुभ | श्रेष्ठ | वेध |
| १० | शीतलनाथ | | | वेर | २ | | स्वगण | " | |
| ११ | श्रेयासनाथ | | | वेर | २ | | मध्यम | मध्यम | |
| १२ | वासुपूज्य | | | | | २॥ | अशुभ | प्रीति | वेध |
| १३ | विमलनाथ | | मैत्री | | | २॥ | स्वगण | सम | |
| १४ | अनंतनाथ | अशुभ | | | २॥ | | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | ०॥ | | " | शुभ | |
| १६ | शान्तिनाथ | | | वेर | २ | | " | शत्रु | वेध |
| १७ | कुमुदनाथ | | | | | १ | अशुभ | शुभ | |
| १८ | भरनाथ | अशुभ | | | २॥ | | मध्यम | सम | |
| १९ | मल्लिकनाथ | | | | | ३ | " | शत्रु | वेध |
| २० | मुनिमुक्त | | | (वेर) | (२) | २ | " | मध्यम | |
| २१ | नमिनाथ | | | | ०॥ | | " | शत्रु | वेध |
| २२ | नेमिनाथ | अशुभ | कुवेर | | ०॥ | | अशुभ | स्वराशि | |
| २३ | पार्ष्वनाथ | अशुभ | कुवेर | | | ३ | " | श्रेष्ठ | |
| २४ | वर्षमान | | स्वा | | | (२॥) | स्व | स्वराशि | एकम |
| ॥ | महावीरत्वामी | | | | | ३ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्षा | | | वर्ष | | नक्षत्र | मुजि |
| कन्या | पुष | | | | | विनासिह धन सर्वे | | उ० ११० | मुजि |

साधक अक्षर—ठ-१० ।

| न | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशी | नाडी |
|-------|--------------|---------|-------|-------|-------------|---------|---------|------|
| म | स्वकीय | ४ | महिष | ट | सम्प | दं | कन्या | भाव |
| सु | विरुध्य | ६, ८, १ | अश्व | श | देयं | मनुष्य | मेघ | भाव |
| १ | ऋषभदेव | | | | १॥ | मध्यम | धृष्ट | |
| २ | अजितनाथ | | | | २॥ | " | शुभ | |
| ३ | समवनाथ | | | वैर | २ | स्व | भृष्टतर | |
| ४ | अभिर्नन्दन | | | | २॥ | " | " | मवेध |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | वैर | २ | वैर | शुभ | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | | " | स्वराशि | |
| ७ | सुपार्श्वनाथ | | | वैर | २ | " | भेष्ट | |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | | | " | शुभ | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | | ॥ | स्व | भेष्ट | वेध |
| १० | शीतलनाथ | | | वैर | २ | वैर | " | |
| ११ | श्रेयासनाथ | | | वैर | २ | मध्यम | " | |
| १२ | वासुपुष्प | अशुभ | वैर | वैर | २ | स्व | मध्यम | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | | धर | प्रीति | वेध |
| १४ | अनतनाथ | | | | २॥ | मध्यम | सम | |
| १५ | धम्मनाथ | अशुभ | | | २॥ | स्व | " | |
| १६ | शक्तिनाथ | अशुभ | वैर | वैर | ०॥ | " | शुभ | |
| १७ | कुशुनाथ | | | | २ | " | शत्रु | वेध |
| १८ | अरुनाथ | | | | | वैर | शुभ | |
| १९ | मल्लिकनाथ | अशुभ | वैर | | २॥ | स्व | सम | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | | " | शत्रु | बध |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | वैर | (वैर) | (२) | " | मध्यम | |
| २२ | नमनाथ | | | | ०॥ | " | शत्रु | बध |
| २३ | पार्श्वनाथ | | | | ०॥ | वैर | स्वराशि | |
| २४ | वर्धमान | | | | | " | भेष्ट | |
| २५ | महानीरस्वामी | | | | ३ | " | स्वराशि | भवेध |
| | | | | | (२॥) | मध्यम | | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वश्य | विनासिह धनं | नक्षत्र | युजी | |
| कन्या | बुध | मिथुन | वैश्य | | | हस्त | मज्ज | |

साधक अक्षर—ड, डा ।

| नं० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | संख्या | दे |
|------|--------------|---------|--------|-------|--------|------|
| म | स्वकीय | ८ | मेघ | ८ | संख्या | दे |
| ५ | विषय | १, २, ५ | वानर | ५ | | ३ |
| १ | मृषभनाथ | अशुभ | | | २॥ | |
| २ | अजितनाथ | | | | २॥ | |
| ३ | सभषनाथ | अशुभ | | वैर | २ | |
| ४ | अभिनन्दन | | | | २॥ | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | वैर | २ | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | | ३ |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | वैर | २ | |
| ८ | चन्द्रप्रभु | | | | | ०१ |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | वैर | २ | |
| १० | शीतलनाथ | | कुवैर | वैर | २ | |
| ११ | भेयासनाथ | | कुवैर | वैर | २ | |
| १२ | वासुपूज्य | | | | | २ |
| १३ | विमलनाथ | | | | | २ |
| १४ | अनन्तनाथ | | | | २॥ | |
| १५ | भर्मनाथ | | स्वा | | ०॥ | |
| १६ | शांतिनाथ | अशुभ | | वैर | २ | |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | मैत्री | | | १ |
| १८ | अरनाथ | | | | २॥ | |
| १९ | मल्लिनाथ | अशुभ | | | | २ |
| २० | मुनिमुक्त | | कुवैर | (वैर) | (२) | २ |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | |
| २२ | नेमिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | | ३ |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | | (२५) |
| २५ | महावीरस्वामी | २५ | | | | ३ |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | | वर्ण | |
| कर्क | चन्द्र | ० | आकाश | | | |

साधकञ्चर—डि डी डु डू डे डै डो डौ (डि डी १ पाद ७-१७-२३ भवेध)

| न० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | | | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|-------|-----------------|------|-----------|-------|---------|---------|-------|
| वि० | स्वकीय | ६ | विदास | ८ | धर्म्य | | राक्षस | वक | अत्य |
| ६ | विदध्य | २,४,६ | उदिर | ३ | | देय | द० म० | मि० बु० | अत्य |
| १ | शुभनाथ | अशुभ | मैत्री मुवेर | वैर | २॥ | | अशुभ | प्रीति | भवेध० |
| २ | अजितनाथ | | | | २॥ | " | शुभ | वेध | |
| ३ | संभवनाथ | | | | २ | वैर | अशुभतर | | |
| ४ | अभिर्नंदन | | | | २॥ | " | " | | |
| ५ | मुमतिनाथ | | | | २ | स्व | भेष्ट | वेध | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | वैर | वैर | | २ | " | शुभ | वेध |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | २ | " | भेष्ट | वेध | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | ०॥ | वैर | मध्यम | | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | २ | स्व | प्रीति | | |
| १० | शीतलनाथ | | | | २ | अशुभ | " | | |
| ११ | शेषासनाथ | अशुभ | वैर | वैर | २ | वैर | सम | वेध | |
| १२ | बाह्यपूज्य | | | | २॥ | स्व | शुभ | | |
| १३ | विमलनाथ | | | | २॥ | अशुभ | मध्यम | | |
| १४ | अनंतनाथ | | | | २॥ | वैर | " | वेध | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | ०॥ | " | स्वराशि | | |
| १६ | शालिनाथ | अशुभ | वैर | वैर | २ | " | भेष्टतर | | |
| १७ | कुशुनाथ | | | | १ | स्वगण | शुभ | वेध० | |
| १८ | अरनाथ | | | | २॥ | वैर | मध्यम | वेध | |
| १९ | महिलाथ | | | | २ | " | भेष्टतर | | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | (वैर) (२) | २ | सम | वेध | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | (वैर) | (२) | ०॥ | " | भेष्टतर | | |
| २२ | नेमनाथ | | | | ०॥ | " | शुभ | वेध० | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | ३ | " | भेष्ट | | |
| २४ | वर्धमान | | | | (२॥) | अशुभ | शुभ | | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | ३ | " | " | | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | | | नक्षत्र | मुनी | |
| वर्क | चंद्र | ० | अक्षय | ० | | | अक्षय | मध्य | |

साधक अक्षर—ठ १० ।

| न | साध्य | तारा | योनि | |
|------|--------------|---------|----------|------|
| १ | स्वकीय | २ | बानर | |
| २ | विरुध्य | ४, ६, ८ | मेघ | |
| १ | शृपमनाथ | अशुभ | | |
| २ | अजितनाथ | | | |
| ३ | संभवनाथ | | | |
| ४ | अभिर्नन्दन | | | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | |
| १० | शीतलनाथ | | | स्वा |
| ११ | श्रेयासनाथ | अशुभ | मैत्री | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | वेर | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | |
| १४ | अर्नतनाथ | अशुभ | | |
| १५ | धर्मनाथ | | | |
| १६ | शातिनाथ | | | |
| १७ | कुशुनाथ | | वेर | |
| १८ | अरनाथ | अशुभ | मैत्री | |
| १९ | महिलाथ | | | |
| २० | मुनिमुद्रत | | | |
| २१ | नमिनाथ | | | |
| २२ | नेमनाथ | | | |
| २३ | पार्वनाथ | अशुभ | | |
| २४ | वर्धमान | | | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ष | |
| धन | गुरु | मीन | स्वतंत्र | |

साधक अक्षर—ए-१० ।

| न | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशोपक | | गण | राशी | नाडी |
|-------|--------------|---------|-------|-------------|--------|------|---------|---------|------|
| सं | स्वकीय | ४ | महिष | ट | अभ्य | | देव | कन्या | आय |
| सं | विरुध्य | ६, ८, १ | अश्व | ॥ | | देव | मनुष्य | मेघ | आय |
| १ | ऋषभदेव | | | | २॥ | | मध्यम | भेष्ट | |
| २ | अजितनाथ | | | | २॥ | | " | शुभ | |
| ३ | संभयनाथ | | | वेर | २ | | स्व | भेष्टतर | |
| ४ | अभिनंदन | | | | २॥ | | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | वेर | २ | | वेर | शुभ | वेध |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | | ३ | " | स्वराशि | |
| ७ | सुपार्श्वनाथ | | | वर | २ | | " | भेष्ट | |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | | | ०॥ | स्व | शुभ | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | वेर | २ | | वेर | भेष्ट | वेध |
| १० | शीतलनाथ | | | वेर | २ | | मध्यम | " | |
| ११ | भेषासनाथ | | | वेर | २ | | स्व | मध्यम | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | वेर | | | २॥ | वर | प्रीति | वेध |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | | २॥ | मध्यम | सम | |
| १४ | अनतनाथ | | | | २॥ | | स्व | " | |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | ॥ | | " | शुभ | |
| १६ | शांतिनाथ | अशुभ | वेर | वेर | २ | | " | शुभ | वेध |
| १७ | कुपुनाथ | | | | | १ | वेर | शुभ | |
| १८ | अरनाथ | | | | २॥ | | स्व | सम | |
| १९ | मल्लिकनाथ | अशुभ | वेर | | २ | | " | शुभ | वेध |
| २० | मुनिमुक्त | | | (वेर) | (२) | ३ | " | मध्यम | |
| २१ | भमिनाथ | अशुभ | वेर | | ०॥ | | " | शुभ | वेध |
| २२ | नेमनाथ | | | | ०॥ | | वेर | स्वराशि | |
| २३ | पार्श्वनाथ | | | | | ३ | " | भेष्ट | |
| २४ | वर्धमान | | | | | (२॥) | मध्यम | स्वराशि | वेध |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | | ३ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वश्य | | | नक्षत्र | गुणी | |
| कन्या | सुध | मिथुन | वैश्व | विनासिह धनं | | | हस्त | मध्य | |

साधक अक्षर-त ता

| नं | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण्य | राशि | नाडी |
|-------------|--------------|-------|-------|-------|---------------|--------|-----------|---------|
| ॥ ॥ ॥ | स्वकीय | ६ | महिष | त | सम्य | देव | तुला | अत्य |
| | विषय | ८,६,३ | अश्व | अ | देय | राक्षस | मीन | अत्यवेध |
| १ | मृषमनाथ | अशुभ | | कुवेर | २ | मध्यम | शुभ | मवेध |
| २ | अजितनाथ | | | कुवेर | २ | , | प्रीति | वेध |
| ३ | संभवनाथ | | | | १॥ | स्व | शुभ | |
| ४ | अभिनन्दन | | | कुवेर | २ | " | , | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | १॥ | वैर | " | वेध |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | ०॥ | वैर | श्रेष्ठ | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | १॥ | वैर | स्वराशि | वेध |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | | १ | स्व | अशुभ | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | | १॥ | वैर | शुभ | |
| १० | शीतलनाथ | | | | १॥ | मध्यम | " | |
| ११ | भैरवनाथ | | | | १॥ | स्व | श्रेष्ठतर | वेध |
| १२ | वासुपूज्य | | वैर | | १ | वैर | शुभ | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | १ | मध्यम | शत्रु | |
| १४ | अनतनाथ | | | कुवेर | २ | स्व | , | वेध |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | ० | " | श्रेष्ठ | |
| १६ | शक्तिनाथ | अशुभ | वैर | | १॥ | " | सम | |
| १७ | कुमुदनाथ | अशुभ | | | १॥ | वैर | प्रीति | वेध |
| १८ | अरुनाथ | | | कुवेर | २ | स्व | शत्रु | वेध |
| १९ | मस्तिष्कनाथ | अशुभ | वैर | | ०॥ | " | सम | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | ०॥ | , | श्रेष्ठतर | वेध |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | वैर | | ० | " | सम | |
| २२ | नेमनाथ | | | | ० | वैर | श्रेष्ठ | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | ०॥ | " | स्वराशि | वेध |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | (१) | मध्यम | श्रेष्ठ | |
| २५ | महावीरस्वामी | " | | | ०॥ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | वर्ण | वर्ण | नक्षत्र | युजि |
| तुला | शुक्र | शुभ | शुक्र | शुक्र | विनासिह मनुयच | | स्वाति | मध्य |

साधक अक्षर—ति ती तु तू ते तै ।

| न | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नादी | |
|-------|--------------|--------|--------|-------------------|--------|-------|---------|--------|---------|--|
| सं | स्वकीय | ॥ | ध्याय | त | सम्य | | राक्षस | तुला | धृत्य | |
| साध्य | विरुध | १ २, ४ | गौ | अ | | देय | दे० म० | मान | धृत्यनध | |
| १ | कृपमनाथ | अशुभ | मैत्री | कुवेर | २ | १ | अशुभ | शुभ | मवेध | |
| २ | अजितनाथ | | | कुवेर | २ | | " | प्रीति | वेध | |
| ३ | संभवनाथ | | | कुवेर | १॥ | | वेर | शुभ | वेध | |
| ४ | अभिनदन | | | | २ | | " | " | | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | १॥ | | स्व | " | | |
| ६ | पद्मप्रभु | मैत्री | स्वा | कुवेर | ०॥ | " | " | भेष्ट | वेध | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | १॥ | " | स्वराशि | एकम | | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | १ | वेर | अशुभ | | | |
| ९ | सुनिधिनाथ | | | | १॥ | स्व | शुभ | | | |
| १० | शीतलनाथ | | | | अशुभ | १॥ | अशुभ | | " | |
| ११ | श्रेयासनाथ | अशुभ | वेर | कुवेर | १॥ | वेर | भेष्टतर | वेध | | |
| १२ | बासुपूज्य | अशुभ | | | १ | स्व | शुभ | वेध | | |
| १३ | विमलनाथ | | | | १ | अशुभ | शत्रु | | | |
| १४ | अनतनाथ | | | | २ | वेर | " | | | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | ० | " | भेष्ट | | | |
| १६ | शान्तिनाथ | अशुभ | मैत्री | कुवेर | १॥ | " | सम | वेध | | |
| १७ | कुपुनाथ | | | | १॥ | स्वगण | प्रीति | | | |
| १८ | अरनाथ | | | | २ | वेर | शत्रु | | | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | ०॥ | " | सम | | | |
| २० | मुनिसुवत | अशुभ | | | ०॥ | " | भेष्टतर | वेध | | |
| २१ | नमिनाथ | मैत्री | स्वा | कुवेर | ० | " | सम | एकम | | |
| २२ | नेमनाथ | | | | | " | भेष्ट | | | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | ०॥ | स्वगण | स्वराशि | | | |
| २४ | वर्धमान | | | | (१) | अशुभ | भेष्ट | | | |
| " | महावारस्वामी | | | | " | " | " | | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वय | वश्यं | | | नक्षत्र | युजि | | |
| तुला | शुक्र | शुभ | शुक्र | विना सिंह मनुष्यच | | | विशाला | मध्य | | |

સાધક અચર-તો તૌ ।

| નં. | સાધ્ય | તારા | યોનિ | વર્ગ | વિશેષક | | ગણ | રાશિ | નાદી |
|-------|--------------|----------|-------|-------|--------|-------|---------|---------|---------|
| સં. | સ્વકીય | ૭, | વ્યાધ | ત | સમ્ય | | રાજ્ય | શુભિક | અત્ય |
| ક્ર. | વિરુદ્ધ | ૧,૨,૪ | ગો | અ | | દેવ | દે. મં. | મિથુન | અત્યવેષ |
| ૧ | શ્રુતમનાથ | અશુભ | મેલી | કુવેર | ૨ | , | અશુભ | શેષ્ટ | પાદવેષ |
| ૨ | અમિતનાથ | | | | ૨ | | " | સમ | વેષ |
| ૩ | ઈશવનાથ | | | | ૧૥ | | વેર | શત્રુ | |
| ૪ | અમિતંદન | | | | ૨ | | " | " | |
| ૫ | સુમતિનાથ | | | | ૧૥ | | સ્વ | શેષ્ટતર | વેષ |
| ૬ | પદ્મપ્રભુ | અશુભ | સ્વા | કુવેર | ૦૥ | | " | શુભ | |
| ૭ | સુપાર્શ્વનાથ | | | | ૧૥ | " | અશુભ | દકર્મ | |
| ૮ | વંદ્રપ્રભુ | | | | | વેર | સ્વરાશિ | | |
| ૯ | મુવિધિનાથ | | | | ૧૥ | સ્વ | શેષ્ટ | | |
| ૧૦ | શીતલનાથ | | | | ૧૥ | અશુભ | " | | |
| ૧૧ | શ્રેયાંસનાથ | અશુભ | વેર | કુવેર | ૧૥ | વેર | શુભ | વેષ | |
| ૧૨ | વાસુપૂજ્ય | | | | ૧ | સ્વ | શેષ્ટ | | |
| ૧૩ | વિમલનાથ | | | | ૧ | અશુભ | શુભ | | |
| ૧૪ | અનંતનાથ | અશુભ | | | ૨ | વેર | " | વેષ | |
| ૧૫ | ધર્મનાથ | | | | | " | મધ્યમ | | |
| ૧૬ | શાંતિનાથ | અશુભ | મેલી | કુવેર | ૧૥ | | " | પ્રીતિ | |
| ૧૭ | કુપુનાથ | | | | ૧૥ | સ્વગણ | સમ | મવેષ | |
| ૧૮ | અરનાથ | | | | ૨ | વેર | શુભ | વેષ | |
| ૧૯ | મલ્લિકનાથ | | | | ૦૥ | " | પ્રીતિ | | |
| ૨૦ | મુનિમુખત | | | | અશુભ | ૦૥ | " | શુભ | વેષ |
| ૨૧ | નમિનાથ | મેલી | સ્વા | કુવેર | | | " | પ્રીતિ | |
| ૨૨ | નેમનાથ | | | | | | સ્વગણ | શુભ | |
| ૨૩ | પાર્શ્વનાથ | | | | ૦૥ | " | અશુભ | દકર્મ | |
| ૨૪ | વર્ધમાન | | | | (૧) | અશુભ | શુભ | | |
| | મહાવીરસ્વામી | | | | | " | | ૦૥ | " |
| રાશિ | પતિ | દકર્મનાથ | વર્ણ | | વર્ણ | | | નક્ષત્ર | યુજિ |
| શુભિક | મંગલ | મેષ | જ્ઞાણ | | સિદ્ધ | | | વિરાજા | મધ્ય |

साधक अक्षर-थ-१० ।

| न० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण्यः | राशि | नाडी |
|------|--------------|---------|---------|-------|--------|-----|---------|---------|---------|
| नाम | स्वकीय | ८ | गौ | त | साम्य | देय | मनुष्य | मीन | मध्य |
| काल | विदध्य | १, २, ५ | व्याघ्र | अ | | | राक्षस | तुला | मध्यवेध |
| १ | भृषभनाथ | अशुभ | | कुवेर | २ | | स्व | शेष्ठतर | |
| २ | अभितनाथ | | | कुवेर | २ | | " | शुभ | |
| ३ | संभवनाथ | अशुभ | | | १॥ | | मध्यम | शेष्ठ | भवेध |
| ४ | अभिनदन | | | कुवेर | २ | | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | अशुभ | मीति | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | कुवेर | | ०॥ | | , | सम | भवेध |
| ७ | सुपारवनाथ | | कुवेर | | १॥ | | " | शत्रु | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | १ | मध्यम | शुभ | वेध |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | अशुभ | शेष्ठतर | |
| १० | शीतलनाथ | | | | १॥ | | स्वगण्य | , | वेध |
| ११ | शेवासनाथ | | | | १॥ | | मध्यम | शुभ | |
| १२ | वासुपूज्य | | | | १ | | अशुभ | अशुभ | |
| १३ | विमलनाथ | | स्वा | | १ | | स्वगण्य | स्वराशि | एकभं |
| १४ | अनतनाथ | | | कुवेर | २ | | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | ० | " | मध्यम | वेध |
| १६ | शान्तिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | , | शेष्ठ | |
| १७ | कुपुनाथ | अशुभ | | | | १॥ | अशुभ | शुभ | |
| १८ | भरनाथ | | | कुवेर | २ | | मध्यम | स्वराशि | |
| १९ | मल्लिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | | , | शेष्ठ | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | ०॥ | | " | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | | | " | शेष्ठ | |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | कुवेर | | | ० | अशुभ | सम | भवेध |
| २३ | पारवनाथ | | कुवेर | | ०॥ | | " | शत्रु | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | मैत्री | | (१) | | स्व | सम | |
| " | महावीरस्वामी | " | " | | ०॥ | | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ध | वश्य | | | नक्षत्र | मुजी | |
| मोन | गुरु | धन | नादाय | ० | | | उ० भा० | पश्चिम | |

साधक अक्षर—द, दा ।

| नं० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी | | |
|------|--------------|-------|-------|-----------------|--------|-------|---------|-----------|---------|-----|--|
| म | स्वकीय | ७ | सिंह | त | लम्प | | मनुष्य | कुम | आद्य | | |
| ह | विदग्ध | ६,२,४ | हस्ति | अ | | देयं | राक्षस | कन | आद्यवेध | | |
| १ | मृगभनाथ | अशुभ | | कुवेर | २ | | स्व | शुभ | वेध | | |
| २ | अजितनाथ | | | कुवेर | २ | | " | श्रेष्ठतर | | | |
| ३ | समरनाथ | | | कुवेर | १॥ | | मध्यम | मध्यम | | | |
| ४ | अभिर्नदन | | | | २ | | " | " | | | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | १॥ | | अशुभ | सम | | | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | ०॥ | | " | प्रीति | वेध | | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | १॥ | " | शुभ | | | | |
| ८ | चन्द्रप्रभु | | | | | १ | मध्यम | श्रेष्ठ | | | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | १॥ | अशुभ | शुभ | | | | |
| १० | शीतलनाथ | अशुभ | वेर | कुवेर | १॥ | | स्वगण | " | वेध | | |
| ११ | श्रेयासनाथ | अशुभ | | | १॥ | मध्यम | श्रेष्ठ | | | | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | | | १ | | अशुभ | स्वराशि | | | |
| १३ | विमलनाथ | | | | १ | | स्वगण | अशुभ | | | |
| १४ | अनंतनाथ | | | | २ | | मध्यम | " | | | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | ० | " | शुभ | | | |
| १६ | शांतिनाथ | अशुभ | वेर | कुवेर | १॥ | | " | शुभ | वेध | | |
| १७ | कुशुनाथ | | | | | १॥ | अशुभ | श्रेष्ठतर | | | |
| १८ | अरुनाथ | | | | २ | | मध्यम | अशुभ | | | |
| १९ | मल्लिकनाथ | | | | ०॥ | | " | शुभ | | | |
| २० | मुनिसुव्रत | अशुभ | | | ०॥ | | " | श्रेष्ठ | | वेध | |
| २१ | नमिनाथ | | | | | ० | " | शुभ | | | |
| २२ | नेमिनाथ | | | | | ० | " | शुभ | | | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | | ० | अशुभ | प्रीति | | | |
| २४ | वर्धमान | | | | ०॥ | | " | शुभ | | | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | (१) | | स्व | प्रीति | वेध | | |
| २६ | | | | | ०॥ | | " | " | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वश्य | | | | नक्षत्र | युजि | | |
| कुम | शनि | मकर | शुद्ध | विनासिह मनुष्यच | | | | पु० मा० | पश्चिम | | |

साधक अक्षर-दि दी ।

| नं० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|---------|-------|-------|--------|-----|---------|---------|------|
| हस्त | स्वकीय | ७ | सिंह | त | क्षम्य | देय | मनुष्य | मीन | भाव |
| हस्त | विरुद्ध | ६, २, ४ | हस्ति | अ | | | | | भाव |
| १ | अपभनाय | अशुभ | | कुवेर | २ | | स्व | भष्टतर | मवध |
| २ | अजितनाय | | | कुवेर | २ | | " | शुभ | |
| ३ | संभवनाय | | | | २॥ | | मध्यम | भेष्ट | |
| ४ | अभिनन्दन | | | कुवेर | २ | | " | | |
| ५ | सुमतिनाय | | | | २॥ | | अशुभ | प्रीति | |
| ६ | पद्मसु | अशुभ | | | ०॥ | | | सम | वेष |
| ७ | सुपारवनाय | | | | २॥ | | | शत्रु | |
| ८ | चंद्रसु | | | | २॥ | | | शुभ | |
| ९ | सुनिधिनाय | | | | २॥ | | मध्यम | भेष्टतर | |
| १० | शीतलनाय | | | | २॥ | | अशुभ | | |
| ११ | भवासनाय | अशुभ | | | २॥ | | स्वगण | " | वध |
| १२ | बासुपूज्य | | | | २॥ | | मध्यम | शुभ | |
| १३ | विमलनाय | | | | २ | | अशुभ | अशुभ | |
| १४ | अनंतनाय | | | | २ | | स्वगण | स्वराशि | |
| १५ | धर्मेनाय | | | कुवेर | २ | | मध्यम | " | |
| १६ | शातिनाय | अशुभ | | | २॥ | | | मध्यम | वध |
| १७ | कुसुनाय | | | | २॥ | | | भष्ट | |
| १८ | अरुनाय | | | | २॥ | | अशुभ | शुभ | |
| १९ | मल्लिनाय | | | कुवेर | २ | | मध्यम | स्वराशि | |
| २० | सुनिसुमत | | | | ०॥ | | " | भष्ट | |
| २१ | नमिनाय | अशुभ | | | ०॥ | | " | शुभ | वेष |
| २२ | नमनाय | | | | ०॥ | | " | भेष्ट | |
| २३ | पारवनाय | | | | ०॥ | | अशुभ | सम | |
| २४ | वर्धमान | | | | ०॥ | | " | शत्रु | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | (१) | ॥ | | स्व | सम | |
| २६ | पति | एकनाय | | | ॥ | | " | " | भवेध |
| २७ | गुरु | यन | | | | | " | " | " |
| | | | | | | | नक्षत्र | मुजी | |
| | | | | | | | पू० भा० | पथिम | |

साधक अक्षर—हु दू ।

| न | साध्य | तारा | योनि | वग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी |
|-------------|--------------|--------|----------|-------|--------|------|--------|-----------|--------|
| ह ह ह | स्वकीय | ८ | गौ | त | क्षम्य | | मनुष्य | मीन | मध्य |
| | विकल्प | १ २, ५ | व्याघ्र | अ | | देयं | राक्षस | तुला | मध्य |
| १ | कृपमनाथ | अशुभ | | कुवेर | १ | | स्व | श्रेष्ठतर | |
| २ | अजितनाथ | | | कुवेर | २ | | , | शुभ | |
| ३ | समवनाथ | अशुभ | | | १॥ | | मध्यम | श्रेष्ठ | वेध |
| ४ | अभिनन्दन | | | कुवेर | २ | | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | अशुभ | प्रीति | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | कुवेर | | ०॥ | | , | सम | वेध |
| ७ | सुपाश्वनाथ | | कुवेर | | १॥ | | " | शत्रु | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | १ | मध्यम | शुभ | वेध |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | अशुभ | श्रेष्ठतर | |
| १० | शीतलनाथ | | | | १॥ | | स्वराय | " | वेध |
| ११ | भेयासनाथ | | | | १॥ | | मध्यम | शुभ | |
| १२ | बासुपुत्र्य | | | | १ | | अशुभ | अशुभ | |
| १३ | निमलनाथ | | स्वा | | १ | | स्वराय | स्वराशि | एकभ |
| १४ | अनतनाथ | | | कुवेर | २ | | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | ० | " | मध्यम | वेध |
| १६ | शान्तिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | , | श्रेष्ठ | |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | | | | १॥ | अशुभ | शुभ | |
| १८ | अरनाथ | | | कुवेर | २ | | मध्यम | स्वराशि | |
| १९ | मल्लिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | | , | श्रेष्ठ | |
| २० | मुनिसुव्रत | | | | ०॥ | | " | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | | ० | " | श्रेष्ठ | |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | कुवेर | | | ० | अशुभ | सम | वेध |
| २३ | पार्वनाथ | | कुवेर | | ०॥ | | " | शत्रु | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | मैत्री | | (१) | | स्व | सम | |
| " | महावीरस्वामी | " | " | | ०॥ | | , | , | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | | वश्य | | | नक्षत्र | युति |
| मीन | गुरु | घन | ब्राह्मण | | ० | | | उ० मा० | पश्चिम |

साधकअक्षर—दे दे दो दौ (७ दे दे १ पाद ७-१७-२३ भवेध)

| न० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी |
|----|-------------|-------|-------|-------|--------|-----|--------|-----------|---------|
| सं | स्वकीय | ६ | हस्ति | त | सम्य | | देव | मीन | अत्य |
| सं | निष्कष | २,४,६ | सिंह | अ | | देय | राक्षस | तुक्ता | अत्यवेध |
| १ | शृणुभनाय | अशुभ | | कुवेर | २ | | मध्यम | श्रेष्ठतर | भवेध* |
| २ | अजितनाय | | | कुवेर | २ | | " | शुभ | वेध |
| ३ | संभबनाय | | | कुवेर | १॥ | | स्व | श्रेष्ठ | |
| ४ | अमिनंदन | | | | २ | | " | " | |
| ५ | सुमतिनाय | | | | १॥ | | वैर | प्रीति | वेध |
| ६ | पद्ममु | अशुभ | | | ०॥ | | " | सम | |
| ७ | सुपार्वनाय | | | | १॥ | | " | शत्रु | वेध* |
| ८ | चंद्रमसु | | | | | १ | स्व | शुभ | |
| ९ | सुनिधिनाय | | | | १॥ | | वैर | श्रेष्ठतर | |
| १० | शीतलनाय | | | | १॥ | | मध्यम | " | |
| ११ | भेषासनाय | | | | १॥ | | स्व | शुभ | वेध |
| १२ | बासुपुत्र्य | | | | १ | | वैर | अशुभ | |
| १३ | विमलनाय | | | | १ | | मध्यम | स्वराशि | |
| १४ | अनंतनाय | | स्वा | कुवेर | २ | | स्व | " | एकम |
| १५ | धर्मनाय | | स्वा | कुवेर | | | " | मध्यम | |
| १६ | शक्तिनाय | | | | १॥ | | " | श्रेष्ठ | |
| १७ | कुंधुनाय | | | | | १॥ | वैर | शुभ | वेध* |
| १८ | अरनाय | | | | २ | | स्व | स्वराशि | एकम |
| १९ | मन्त्रिनाय | | | | ०॥ | | " | अष्ट | |
| २० | सुनिमुक्ता | | | | ०॥ | | " | शुभ | वेध |
| २१ | नमिनाय | | | | | | " | श्रेष्ठ | |
| २२ | नमनाय | | | | | | वैर | सम | |
| २३ | पार्वनाय | | | | ०॥ | | " | शत्रु | वेध* |
| २४ | वर्धमान | | | | (१) | | मध्यम | सम | |
| " | महावीरस्वाम | | | | ०॥ | | " | " | |
| | पति | एकनाथ | वय | मरये | | | | नक्षत्र | युजी |
| | | धन | भास्य | • | | | | रेवती | पूव |

साधक अक्षर—ध १० ।

| नं | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी | |
|------|--------------|-------|----------|-------|--------|-------|-----------|------------|---------|--|
| नं | स्वकीय | २ | वानर | त | क्षम्य | | मनुष्य | धनु | मध्य | |
| नं | रिद्ध | ४,६,८ | मेघ | अ | | देय | राक्षस | वृषभ | मध्यवेध | |
| १ | शृपभनाथ | अशुभ | | कुवेर | ० | १ | स्व | स्वराशि | वेध | |
| २ | अजितनाथ | | | कुवेर | ० | | " | शत्रु | | |
| ३ | संभवनाथ | | | कुवेर | १॥ | | मध्यम | सम | | |
| ४ | अभिनदन | | | | २ | | " | " | | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | १॥ | | अशुभ | शुभ | | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | ०॥ | १ | " | श्रेष्ठ | वेध | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | १॥ | | " | शुभ | | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | | मध्यम | श्रेष्ठ | | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | १॥ | | अशुभ | स्वराशि | | |
| १० | शीतलनाथ | | | | १॥ | | स्वगण | " | | |
| ११ | भेषासनाथ | अशुभ | स्वा | कुवेर | १॥ | ० | मध्यम | अशुभ | एकम | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | मेमी | | १॥ | | मध्यम | अशुभ | | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | १ | | अशुभ | शुभ | | |
| १४ | अनंतनाथ | अशुभ | | | २ | | स्वगण | श्रेष्ठतर | | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | | मध्यम | " | | |
| १६ | शक्तिनाथ | | | | १॥ | | " | श्रीति | | |
| १७ | कुशुनाथ | | कुवेर | | १॥ | अशुभ | शुभ | वेध | | |
| १८ | अरनाथ | | | २ | | मध्यम | शत्रु | | | |
| १९ | मरिचनाथ | | | ०॥ | | " | श्रेष्ठतर | | | |
| २० | मुनिसुब्रत | अशुभ | | मैली | | ०॥ | " | | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | | | | | | " | | अशुभ | |
| २२ | नेमनाथ | | | | | | " | | शुभ | |
| २३ | पार्ष्वनाथ | | | | | ०॥ | अशुभ | श्रेष्ठ २२ | वेध | |
| २४ | वर्धमान | | | | | (१) | " | शुभ २३ | | |
| " | महावीरस्वामी | | | | | ॥ | स्व | श्रेष्ठ | | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्षा | वर्ष | | | नक्षत्र | युजी | | |
| धन | गुरु | मीन | क्षत्रिय | सर्वे | | | पु. भा. | परिचय | | |

साधक अक्षर-न ना नि नी नु नृ ने ने (० न नि ३-६-२२ भवेध)

| न | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|-------------|--------------|-------|-------|-------|--------|---------|---------|--------|
| ह न क | स्वकीय | ८ | हरिण | त | सम्प | दव | शुभिव | मध्य |
| | विरुध्य | १,२,५ | शान | अ | देव | राक्षस | मिथुन | मध्यवध |
| १ | अधमनाथ | अशुभ | | कुवेर | २ | मध्यम | भेष्ट | |
| २ | अजितनाथ | | | कुवेर | २ | , | रम | |
| ३ | समवनाथ | अशुभ | | | १॥ | स्व | शुभ | वेधः |
| ४ | अभिनन्दन | | | कुवेर | २ | " | , | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | १॥ | वैर | भेष्टतर | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | ०॥ | " | शुभ | वेधः |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | १॥ | " | अशुभ | |
| ८ | चन्द्रप्रभु | | स्वा | | १ | स्व | स्वराशि | एकम |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | कुवेर | | १॥ | वैर | भेष्ट | |
| १० | शीतलनाथ | | | | १॥ | मध्यम | " | वेध |
| ११ | भेवांसनाथ | | | | १॥ | स्व | शुभ | |
| १२ | वामुपूज्य | | | | १ | वैर | भेष्ट | |
| १३ | विमलनाथ | | | | १ | मध्यम | शुभ | वध |
| १४ | अनंतनाथ | | | कुवेर | २ | स्व | " | |
| १५ | वर्मानाथ | | | | ० | | मध्यम | वध |
| १६ | शक्तिनाथ | अशुभ | | | १॥ | " | प्रीति | |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | | | | १॥ | रम | |
| १८ | अरुनाथ | | | कुवेर | २ | स्व | शुभ | |
| १९ | मल्लिकनाथ | अशुभ | | | ॥ | | प्रीति | |
| २० | मुनिसुमत | | | | ०॥ | , | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | | " | प्रीति | |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | | | | वैर | शुभ | वेधः |
| २३ | पार्वनाथ | | | | ०॥ | " | अशुभ | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | (१) | मध्यम | शुभ | |
| " | महावीरस्वामी | " | | | ०॥ | " | " | |
| राशि | पवि | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | विह | नक्षत्र | युजि | |
| वृश्चिक | मंगल | मेघ | आकाश | | | अनुराधा | मध्य | |

साधक अक्षर—नो नौ ।

| नं० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी | |
|---------|--------------|-------|----------|--------|----------|--------|----------|-----------|---------|------|
| ११ | स्वकीय | ६, | हरिण | त | क्षम्य । | | राक्षस | वृश्चिक | आद्य | |
| १२ | विरुद्ध | २,४,६ | श्वान | अ | | देव | दे० म० | मिथुन | आद्यवेध | |
| १ | अपभनाय | अशुभ | मैली | कुवेर | २ | | अशुभ | श्रेष्ठ | भवेध | |
| २ | अजितनाय | | | कुवेर | २ | | " | सम | | |
| ३ | संभवनाय | | | कुवेर | १॥ | | वेर | शुभ | | |
| ४ | अभिर्नदन | | | | २ | | " | " | | |
| ५ | सुमतिनाय | | | | १॥ | | स्व | श्रेष्ठतर | | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | कुवेर | | ०॥ | | " | शुभ | वेध | |
| ७ | सुपार्वनाय | | | | १॥ | | " | अशुभ | | |
| ८ | चन्द्रप्रभु | | | | " | | वेर | स्वराशि | | |
| ९ | सुविधिनाय | | | | १॥ | | स्व | श्रेष्ठ | | |
| १० | शीतलनाय | | | | १॥ | | अशुभ | " | | |
| ११ | श्रेयांसनाय | अशुभ | कुवेर | | १॥ | वेर | शुभ | वेध | | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | | | १ | स्व | श्रेष्ठ | | | |
| १३ | विमलनाय | अशुभ | | | १ | अशुभ | शुभ | | | |
| १४ | अनतनाय | कुवेर | | २ | वेर | " | | | | |
| १५ | धर्मनाय | | | " | " | मध्यम | | | | |
| १६ | शालिनाय | | | १॥ | " | प्रीति | वेध | | | |
| १७ | कुपुनाय | अशुभ | कुवेर | | १॥ | स्वगण | | सम | | |
| १८ | अरनाय | | | | २ | वेर | | शुभ | | |
| १९ | मल्लिनाय | | | | ०॥ | " | प्रीति | वेध | | |
| २० | मुनिसुव्रत | | | | ०॥ | " | शुभ | | | |
| २१ | नमिनाय | | | | अशुभ | कुवेर | | " | " | शुभ |
| २२ | नेमनाय | " | " | प्रीति | | | | | | |
| २३ | पार्वनाय | अशुभ | कुवेर | | | | | स्वगण | शुभ | भवेध |
| २४ | वर्धमान | | | | | | | ०॥ | (१) | |
| | महावीरस्वामी | | | | ०॥ | | " | " | " | |
| राशि | पति | एकनाय | वर्ण | वर्ण | | | नक्षत्र | युजि | | |
| वृश्चिक | मंगल | मेघ | ब्राह्मण | सिंह | | | ज्येष्ठा | पश्चिम | | |

साधक अक्षर—प पा पि पी ।

| न | साध्य | तारा | योनि | वग | विशेषक | गण | राशी | नाडी |
|-------|--------------|---------|---------|------------|--------|--------|---------|-------|
| प | स्वकीय | ३ | मी | प | क्षम्य | मनुष्य | वन्धा | आय |
| क | विरुद्ध | ५, ७, ९ | व्याघ्र | क | देय | राक्षस | मेघ | आयवेध |
| १ | शृङ्गभदेव | अशुभ | कुवैर | कुवैर | १॥ | स्व | भेष्ट | यघ |
| २ | अजितनाथ | | | | १॥ | " | शुभ | |
| ३ | संभयनाथ | | | | १ | मध्यम | भेष्टतर | |
| ४ | अभिनन्दन | | | | १॥ | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | १ | अशुभ | शुभ | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | ० | " | स्वराशि | |
| ७ | सुपार्श्वनाथ | | | | १ | " | भेष्ट | |
| ८ | वन्द्यप्रभु | | | | १॥ | मध्यम | शुभ | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | १ | अशुभ | भेष्ट | |
| १० | शीतलनाथ | | | | १ | स्वगण | " | |
| ११ | भेयासनाथ | अशुभ | मैत्री | कुवैर | १ | मध्यम | मध्यम | वेध |
| १२ | वासुपूज्य | | | | ॥ | अशुभ | प्रीति | |
| १३ | विमलनाथ | | | | ०॥ | स्वगण | सम | |
| १४ | अनन्तनाथ | | | | १॥ | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | १॥ | " | शुभ | |
| १६ | शक्तिनाथ | | | | १ | " | शत्रु | |
| १७ | बुधनाथ | | | | १ | अशुभ | शुभ | |
| १८ | अरुनाथ | | | | १॥ | मध्यम | सम | |
| १९ | मञ्जितनाथ | | | | (१) | " | शत्रु | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | ० | " | मध्यम | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | कुवैर | कुवैर | ०॥ | " | शत्रु | वेध |
| २२ | नेमनाथ | | | | ०॥ | अशुभ | स्वराशि | |
| २३ | पार्श्वनाथ | | | | ० | " | भेष्ट | |
| २४ | वर्धमान | | | | (०॥) | स्व | स्वराशि | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | ० | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ष | वर्ष | | | नक्षत्र | युगी |
| वन्धा | पुत्र | मित्र | वैश्य | विनासिह धन | | | उ० पा० | मध्य |

साधक अक्षर-पु, पू ।

| न० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | प्रशोभक | | गण | राशि | नाडी | | |
|-------|--------------|-------|-------|-----------|---------|--------|---------|-----------|---------|---------|-----|
| मि | स्वस्तीयं | ४ | महिष | प | लम्प | | देव | कन्या | आद्य | | |
| सु | विद्वद्य | ६,८,१ | अश्व | क | | देव | राक्षस | मेघ | आद्यवेध | | |
| १ | शृपभनाथ | अशुभ | | | | ०॥ | मध्यम | श्रेष्ठ | वेध | | |
| २ | अजितनाथ | | | | | २॥ | " | शुभ | | | |
| ३ | समवनाथ | | | | | १ | स्व | श्रेष्ठतर | | | |
| ४ | अभिर्नदन | | | | | २॥ | " | " | | | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | | १ | वैर | शत्रु | | | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | | " | " | स्वराशि | | | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | | १ | " | श्रेष्ठ | | | |
| ८ | चद्रप्रभु | | | | | १॥ | स्व | शुभ | | | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | | अशुभ | १ | वैर | | श्रेष्ठ | वेध |
| १० | शीतलनाथ | | | | | | १ | मध्यम | | " | |
| ११ | श्रेयासनाथ | | १ | स्व | मध्यम | | | | | | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | वैर | ०॥ | वैर | प्रीति | वेध | | | | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | ०॥ | मध्यम | सम | | | | | |
| १४ | अनतनाथ | | | | २॥ | स्व | " | | | | |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | ०॥ | " | शुभ | | | | |
| १६ | शातिनाथ | अशुभ | वैर | १ | " | " | शत्रु | वेध | | | |
| १७ | कुयुनाथ | | | कुनेर | २ | वैर | शुभ | | | | |
| १८ | अरनाथ | | | | २॥ | स्व | सम | | | | |
| १९ | मल्लिनाथ | अशुभ | वैर | | ० | " | शत्रु | वेध | | | |
| २० | मुनिसुव्रत | | | (१) | ० | " | मध्यम | | | | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | वैर | | ०॥ | " | शत्रु | वेध | | | |
| २२ | नेमिनाथ | | | | ०॥ | वैर | स्वराशि | | | | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | ० | " | श्रेष्ठ | | | | |
| २४ | वर्धमान | | | (०॥) | | मध्यम | स्वराशि | वेध | | | |
| " | महावीरस्वामी | | | | ० | " | " | " | " | | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ग | | | | नक्षत्र | | | |
| कन्या | सुध | मिशुन | वैश्य | विनामि घन | | | | हस्त | | | |

साधक अक्षर—पे, पै, पो, पौ ।

| नं | राध्यजि | तारा | यानि | वरा | विगापव | गण्य | राशि | नाडी |
|------------------|--------------|-------|--------|-------|--------|----------|---------|---------|
| ॥ ॥ ॥ ॥ | स्वरीय | ५ | व्याप | ५ | अम्य | राजठ | कन्या | मध्य |
| | विकल्प | ७६२, | गो | क | | द्वय | द० म० | मेघ |
| १ | अशुभनाथ | | | | | २॥ | अशुभ | श्रेष्ठ |
| २ | अजितनाथ | | | | | २॥ | " | शुभ |
| ३ | संभवननाथ | | | | १ | देर | ६० | वेप |
| ४ | अभिनदन | अशुभ | | | | २॥ | " | |
| ५ | गुमतिनाथ | | | | १ | रव | शुभ | |
| ६ | पद्मसु | | स्वा | | | ० | स्वराशि | एकभ |
| ७ | गुपारनाथ | अशुभ | मैत्री | | १ | | श्रेष्ठ | |
| ८ | चंद्रमसु | | | | | १॥ | वेर | शुभ |
| ९ | मुविधिनाथ | | | | १ | स्व | श्रेष्ठ | |
| १० | शीतलनाथ | अशुभ | | | १ | अशुभ | | यप |
| ११ | भयाननाथ | | | | १ | वेर | गध्यम | |
| १२ | वासुपूज्य | | | | ०॥ | स्व | मैति | |
| १३ | विमलनाथ | | देर | | ०॥ | अशुभ | यम | यप |
| १४ | अतनाथ | अशुभ | | | | २॥ | वेर | " |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | ॥ | " | शुभ |
| १६ | शक्तिनाथ | | | | १ | " | शुभ | |
| १७ | कुशुनाथ | | | कुवेर | | २ | स्वगण्य | शुभ |
| १८ | अरनाथ | अशुभ | | | | २॥ | देर | यम |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | | ० | " | शुभ |
| २० | मुनिमुदत | | | | (१) | ० | " | गध्यम |
| २१ | गमिनाथ | | | | | ०॥ | " | शुभ |
| २२ | नेमिनाथ | | स्वा | | | ०॥ | स्वगण्य | स्वराशि |
| २३ | पार्वनाथ | अशुभ | मैत्री | | | ० | " | श्रेष्ठ |
| २४ | वर्धमान | | वेर | | (०॥) | | अशुभ | स्वराशि |
| " | महानोरस्वामी | | " | | | ० | " | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | | वर्ष | | नक्षत्र | युजि |
| कन्या | पुष | मिथुन | वैश्य | | विनासि | घनं चर्च | चिन्ता | मध्य |

साधक अक्षर—फ १० ।

| नं० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | निशेपक | | गण | राशि | नाडी |
|-------|--------------|-------|----------|-----------|--------|------|---------|-----------|---------|
| नं० | स्वकीय | २ | वानर | प | क्षम्य | | मनुष्य | धनु | मध्य |
| साध्य | विद्वध | ४,६,८ | मेघ | क | | देव | राक्षस | वृषभ | मध्यवेध |
| १ | अपमनाथ | अशुभ | | | १ | २॥ | स्व | स्वराशि | भवेध |
| २ | अजितनाथ | | | | | २॥ | " | शुभ | |
| ३ | समवनाथ | | | | | २॥ | मध्यम | सम | |
| ४ | अभिर्नन्दन | | | | | २॥ | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | १ | ० | अशुभ | शुभ | मवेध |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | | " | " | श्रेष्ठ | |
| ७ | सुपार्षनाथ | | | | | १ | " | शुभ | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | १॥ | मध्यम | श्रेष्ठ | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | स्वा | | १ | | अशुभ | स्वराशि | एकभ |
| १० | शीतलनाथ | | | | | १ | स्वगण | " | |
| ११ | श्रेयासनाथ | | | | | १ | मध्यम | अशुभ | |
| १२ | वासुपूज्य | | | | | ०॥ | अशुभ | शुभ | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | मैत्री | | ०॥ | | स्वगण | श्रेष्ठतर | वेध |
| १४ | अनंतनाथ | | | | | २॥ | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | ०॥ | " | प्रीति | |
| १६ | शांतिनाथ | | | | | १ | " | शुभ | |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | नैर | कुवेर | १ | २ | अशुभ | शुभ | भवेध |
| १८ | अरनाथ | | | | | २॥ | मध्यम | श्रेष्ठतर | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | | ० | " | शुभ | |
| २० | मुनिमुवत | | | | | ० | " | अशुभ | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | मैत्री | | (१) | ०॥ | " | शुभ | भवेध |
| २२ | नेमिनाथ | | | | | ०॥ | अशुभ | श्रेष्ठ | |
| २३ | पार्षनाथ | | | | | ० | " | शुभ | |
| २४ | वर्धमान | | | | | (०॥) | स्व | श्रेष्ठ | |
| " | महानिरम्बामा | | | | | ० | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वरय | | | नक्षत्र | युधि | |
| धन | गुरु | मीन | क्षत्रिय | सर्व राशय | | | पु० पा० | पुष्कि | |

साधक प्रचर—व, वा, वि, वी, वु, वू (बुध १ पाद ७ १०-२३ भवेद्य ७)

| नं० | साध्य | तारा | योगि | वग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी |
|-------|--------------|-------|--------|-------|--------|---------|---------|---------|---------|
| नं० | स्वकीय | ४ | सर्प | प | क्षम्य | | मनुष्य | कृपम | भाय |
| साध्य | निरुध्य | ६,८,१ | नकुक्ष | क | | देयं | राक्षस | घन | भाय |
| १ | अपमनाय | अशुभ | कुवेर | कुवेर | | २॥ | स्व | शुभ | मवेद्य* |
| २ | अनितनाय | | स्वा | | | २॥ | " | स्वराशि | एकम |
| ३ | संभवनाय | | मेहो | | १ | | मध्यम | धेष्ठ | |
| ४ | अभिर्नदा | | | | | २॥ | " | " | |
| ५ | सुमतिनाय | | | | १ | | अशुभ | " | वध* |
| ६ | पद्मप्रसु | | | | | ० | " | शुभ | |
| ७ | सुपारनाय | | | | १ | | " | मीति | वेद्य |
| ८ | चद्रप्रसु | | अशुभ | | | १॥ | मध्यम | सम | |
| ९ | सुविधिनाय | | अशुभ | | | १ | अशुभ | शुभ | |
| १० | शीतलनाय | | | | | १ | स्वगण | " | |
| ११ | धेयांशनाय | | | १ | मध्यम | शुभ | वेद्य | | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | | ०॥ | अशुभ | धेष्ठतर | | | |
| १३ | रिमलनाय | अशुभ | | ०॥ | स्वगण | शुभ | | | |
| १४ | अनतनाय | | | | २॥ | मध्यम | " | वेद्य | |
| १५ | धर्मनाय | अशुभ | | | ०॥ | " | " | | |
| १६ | शातिनाय | अशुभ | | १ | " | अशुभ | | | |
| १७ | कुशुताय | | कुवेर | | २ | अशुभ | स्वराशि | वेद्य* | |
| १८ | अरनाय | | | | २॥ | मध्यम | शुभ | वेद्य | |
| १९ | मल्लिनाय | अशुभ | | | ० | " | अशुभ | | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | (१) | ० | शुभ | वेद्य | |
| २१ | नमिनाय | अशुभ | | | | ०॥ | अशुभ | | |
| २२ | नेमिनाय | | | | | ०॥ | अशुभ | शुभ | |
| २३ | पारनाय | | | | | ० | " | मीति | वध* |
| २४ | वधमान | | | | (१॥) | | स्व | शुभ | |
| २५ | महारीरस्वामी | | | | | ॥ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाय | वर्ण | | वर्ण | | | नक्षत्र | शुजी |
| वप | शुभ | गुणा | वेद्य | | मेघ | | | रोहिणी | पश्चिम |

साधक अक्षर—वे, वै, वो, वौ ।

| न० | साध्यं | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण्य | राशि | नाडी | | |
|--------|--------------|-------|-----------------------|-------|--------|---------|--------|-----------|--------|-----|------|
| सं | स्वकीय | ४, | सर्प | प | क्षम्य | | दश | वृषभ | आय | | |
| क्रमां | विषय | ६,८,१ | नकुल | क | | देय | राक्षस | धन | आय | | |
| १ | मृगभनाथ | अशुभ | कुवेर मेढी स्वा | कुवेर | १ | ०॥ | मध्यम | शुभ | एकमं | | |
| २ | अजितनाथ | | | | | २॥ | " | स्वराशि | | | |
| ३ | संभवनाथ | | | | | | स्व | श्रेष्ठ | | | |
| ४ | अभिमान | | | | | २॥ | " | " | | | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | | १ | वैर | " | | | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | | ० | " | शुभ | | | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | | १ | " | प्रीति | | | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | १॥ | स्व | सम | | | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | | १ | वैर | शुभ | | | |
| १० | शीतलनाथ | अशुभ | | | | १ | मध्यम | " | वेध | | |
| ११ | श्रेयसनाथ | | | | | १ | स्व | शुभ | | | |
| १२ | यानुपूज्य | | | | | ०॥ | वैर | श्रेष्ठतर | | | |
| १३ | विमलनाथ | | | | | ०॥ | मध्यम | शुभ | | | |
| १४ | अनंतनाथ | अशुभ | | | | | २॥ | स्व | | " | वेध |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | ०॥ | " | " | | | |
| १६ | शान्तिनाथ | | | | | १ | " | अशुभ | | | |
| १७ | कुपुनाथ | | | | | २ | वैर | स्वराशि | | | |
| १८ | अरनाथ | अशुभ | | | | | २॥ | स्व | | शुभ | भवेध |
| १९ | मल्लिकनाथ | | | | | ० | " | अशुभ | | | |
| २० | मुनिमुद्रत | | | | | (१) | ० | " | | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | | | | | ०॥ | " | अशुभ | | | |
| २२ | नेमिनाथ | | | | | ०॥ | वैर | शुभ | | | |
| २३ | पार्वनाथ | अशुभ | | | | | " | " | प्रीति | | |
| २४ | वर्धमान | | | | | ०॥ | मध्यम | शुभ | | | |
| | महानीरस्वामी | | | | | | " | " | | | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | वर्ण | नक्षत्र | युधि | | | | |
| शुभ | शुभ | तुला | वैश्य | वैश्य | वैश्य | मृगशिर | शुभ | | | | |

साधक अक्षर—भ, भा, भि, भी (भि, भी ४-२४-भवेध ०)

| नं० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|--------|--------|------------|--------|-------|---------|---------|------|
| हस्त | स्वकीय | १ | स्थान | प | क्षम्य | | राक्षस | धनु | आय |
| क | विरुध्य | ३, ५ ७ | हरिण | क | | देय | दे० म० | वृषभ | आयनध |
| १ | शृपभनाथ | अशुभ | | | | २॥ | अशुभ | स्वराशि | |
| २ | अजितनाथ | | | | | २॥ | " | शत्रु | |
| ३ | संभवनाथ | अशुभ | | १ | | वैर | | सम | |
| ४ | अभिर्नदन | अशुभ | | | १ | २॥ | " | " | वेध० |
| ५ | सुमतिनाथ | | | १ | | स्व | | शुभ | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | १ | ० | " | भेष्ट | |
| ७ | सुपार्वनाथ | अशुभ | | १ | | " | | शुभ | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | वैर | | १॥ | वैर | | भेष्ट | |
| ९ | सुरिधिनाथ | | स्वा | १ | | स्व | | स्वराशि | एकम |
| १० | शातलनाथ | | | १ | | अशुभ | | " | |
| ११ | श्रेयासनाथ | | | १ | | वैर | | अशुभ | |
| १२ | बामुपूज्य | | | ०॥ | | स्व | | शुभ | यध |
| १३ | विमलनाथ | | | ०॥ | | अशुभ | | भेष्टतर | |
| १४ | अनंतनाथ | | | | २॥ | वैर | | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | ०॥ | " | | प्रीति | |
| १६ | शांतिनाथ | | | १ | | " | | शुभ | वेध |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | | कुवैर | २ | स्वगण | | शत्रु | |
| १८ | अरुनाथ | | | | २॥ | वैर | | भेष्टतर | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | (१) | ० | " | | शुभ | यध |
| २० | मुनिसुव्रत | | | | ० | " | | अशुभ | |
| २१ | नमिनाथ | | | | ०॥ | " | | शुभ | यध |
| २२ | नेमिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | स्वगण | | भेष्ट | |
| २३ | पार्वनाथ | अशुभ | | | ० | " | | शुभ | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | (०॥) | ० | अशुभ | | भेष्ट | वेध० |
| २५ | महावीरस्वामी | " | | | ० | " | | " | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | नरय | | | नक्षत्र | गुणि | |
| धन | गुरु | मीन | प्रतिप | सर्वे राशय | | | मूल | पश्चिम | |

साधक अक्षर—भु, भू ।

| नं० | साध्य | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी | | | | |
|------|--------------|-------|----------|------------|--------------|------|---------|-----------|---------|----|------|---------|--|
| सं० | स्वकीय | २ | गानर | प | क्षम्य | | मनुष्य | धनु | मध्य | | | | |
| सं० | विरुद्ध | ४,६,८ | मेघ | क | | देय | राक्षस | वृषभ | मध्यवेध | | | | |
| १ | अपमनाय | अशुभ | स्वा | कुवेर | १ | २॥ | स्व | स्वराशि | वेध | | | | |
| २ | अजितनाय | | | | | २॥ | " | शत्रु | | | | | |
| ३ | संभवनाय | | | | | १ | मध्यम | बेम | | | | | |
| ४ | अभिनन्दन | | | | | २॥ | " | " | | | | | |
| ५ | सुमतिनाय | | | | | १ | अशुभ | शुभ | | | | | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | मेती | कुवेर | १ | ० | " | श्रेष्ठ | वेध | | | | |
| ७ | सुपार्वनाय | | | | | १ | " | शुभ | | | | | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | १॥ | मध्यम | श्रेष्ठ | | | | | |
| ९ | सुविधिनाय | | | | | १ | अशुभ | स्वराशि | | | | | |
| १० | शीतलनाय | | | | | १ | स्वगण | " | | | | | |
| ११ | शेषाक्षनाय | अशुभ | मेती | कुवेर | १ | १ | मध्यम | अशुभ | एकमं | | | | |
| १२ | वासुपूत्य | अशुभ | | | | २॥ | अशुभ | शुभ | | | | | |
| १३ | विमलनाय | अशुभ | | | | ०॥ | स्वगण | श्रेष्ठतर | | | | | |
| १४ | अनतनाय | अशुभ | | | | २॥ | मध्यम | " | | | | | |
| १५ | धर्मनाय | | | | | ०॥ | " | प्राति | | | | | |
| १६ | शांतिनाय | | | | | १ | " | शुभ | | | | | |
| १७ | कुशुनाय | | | | | २ | अशुभ | शत्रु | | | | | |
| १८ | अरुनाय | मेती | | | (१) | २॥ | मध्यम | श्रेष्ठतर | वेध | | | | |
| १९ | मल्लिनाय | | | | | अशुभ | | | | ० | " | शुभ | |
| २० | मुनिमुवत | | | | | | | | | ० | " | अशुभ | |
| २१ | नमिनाय | | | | | | | | | ०॥ | " | शुभ | |
| २२ | नमिनाय | | | | | | | | | २॥ | अशुभ | श्रेष्ठ | |
| २३ | पार्वनाय | | | | महावीरस्वामी | | | ०॥ | | ० | " | शुभ | |
| २४ | वर्षमान | | | | | | | | | ० | स्व | श्रेष्ठ | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | | | | | | ० | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ष | | | नक्षत्र | | युजी | | | | |
| धन | गुरु | मीन | क्षत्रिय | सर्वे राशय | | | पू० पो० | | पश्चिम | | | | |

साधक अक्षर—भे, भे ।

| १ | साध्य | सारा | योनि | वर्ग | सिगापत्र | गण्य | राशि | नाडी |
|-------|--------------|---------|----------|------|----------|---------|---------|---------|
| नाम | स्वकीय | २ | नकुल | प | क्षम्य | मनुष्य | पु | भत्य |
| साध्य | विरुद्ध | ५, ७, ९ | वर्ष | ६ | द्वय | राक्षस | दृग्भ | भत्यवध |
| १ | अपमनाय | | स्वा | | | २॥ | स्व | स्वराशि |
| २ | अप्रितनाय | | वैर | | | २॥ | " | शुभ |
| ३ | संभवनाय | अशुभ | वैर | | १ | मध्यम | शुभ | वेष |
| ४ | अभिर्नदन | अशुभ | | | | २॥ | " | " |
| ५ | सुमतिनाय | | | | १ | अशुभ | शुभ | वध |
| ६ | पद्मसु | अशुभ | | | | " | भेष्ट | |
| ७ | सुपार्श्वनाय | अशुभ | | | १ | " | शुभ | भवध |
| ८ | चंद्रसु | | | | | २॥ | मध्यम | भेष्ट |
| ९ | सुविधिनाय | | | | १ | अशुभ | स्वराशि | |
| १० | शीतलनाय | | | | १ | स्वगण्य | " | |
| ११ | भेदात्ताय | | | | १ | मध्यम | अशुभ | वेष |
| १२ | वागुपुष्य | | | | ०॥ | अशुभ | शुभ | |
| १३ | विमलनाय | | | | ०॥ | स्वगण्य | भेष्टतर | |
| १४ | अनतनाय | अशुभ | | | २॥ | मध्यम | " | वध |
| १५ | धर्मनाय | | | | ०॥ | " | मिति | |
| १६ | शातिनाय | | | | १ | " | शुभ | |
| १७ | कुशुनाय | | कुवेर | | २ | अशुभ | शुभ | भवध |
| १८ | अरनाय | अशुभ | | | २॥ | मध्यम | भेष्टतर | वेष |
| १९ | मल्लिनाय | | | | ० | " | शुभ | |
| २० | मुनिमुक्त | | | (१) | ० | " | अशुभ | वेष |
| २१ | नमिनाय | | | | ०॥ | " | शुभ | |
| २२ | नेमिनाय | अशुभ | | | ०॥ | " | भेष्ट | |
| २३ | पार्श्वनाय | अशुभ | | | ० | " | शुभ | भवेध |
| २४ | वर्षमान | | | (२॥) | ० | स्व | भेष्ट | |
| २५ | महानीरस्वामी | | | | ० | " | " | |
| राशि | पति | एकनाय | वर्ष | वर्ष | वर्ष | वर्ष | नक्षत्र | युगी |
| — | गुह | मीन | क्षत्रिय | सर्व | राशय | उ० पा० | पश्चिम | |

साधक अक्षर—भो भौ ।

| नं | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नादी | |
|------|--------------|-------|-------|---------|---------|---------|-------|---------|------|
| सं | स्वकीय | ३ | नकुल | प | क्षम्य | मनुष्य | मकर | अत्य | |
| सं | विरुध्य | ५,७,९ | सर्प | क | देय | राक्षस | सिंह | अत्यवेध | |
| १ | अपमनाय | अशुभ | स्वा | | २॥ | स्व | अशुभ | एकभं | |
| २ | अजितनाथ | | वेर | | | २॥ | , | शुभ | वेध |
| ३ | संभवनाथ | | वेर | | | १ | मध्यम | प्रीति | |
| ४ | अमिनंदन | | अशुभ | | | २॥ | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | | १ | | | अशुभ | शत्रु | वेध | |
| ६ | पद्मप्रभु | | अशुभ | | | ० | " | मध्यम | |
| ७ | सुपार्षनाथ | | अशुभ | | | १ | " | भेष्टतर | भवेध |
| ८ | चंद्रप्रभु | | २॥ | | | मध्यम | शुभ | | |
| ९ | मुनिभिनाथ | | १ | | | अशुभ | अशुभ | | |
| १० | शीतलनाथ | | १ | | | स्वगण | " | | |
| ११ | भेयांशनाथ | १ | मध्यम | स्वराशि | वेध | | | | |
| १२ | वासुपूज्य | ०॥ | अशुभ | भेष्ट | | | | | |
| १३ | विमलनाथ | ०॥ | स्वगण | शुभ | | | | | |
| १४ | अनंतनाथ | अशुभ | कुवेर | २॥ | मध्यम | " | वेध | | |
| १५ | धर्मनाथ | ०॥ | | " | सम | | | | |
| १६ | शक्तिनाथ | १ | | " | भेष्ट | | | | |
| १७ | कुशुनाथ | २ | | अशुभ | शुभ | वेध | | | |
| १८ | अरनाथ | २॥ | | मध्यम | " | वेध | | | |
| १९ | मल्लिनाथ | ० | | " | भेष्ट | | | | |
| २० | मुनितुल्य | (१) | | " | स्वराशि | वेध | | | |
| २१ | नमिनाथ | ०॥ | | " | भेष्ट | | | | |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | | ०॥ | अशुभ | मध्यम | | | |
| २३ | पारवनाथ | अशुभ | | ० | " | भेष्टतर | वेध | | |
| २४ | वर्धमान | | (०॥) | स्व | मध्यम | | | | |
| ॥ | महावीरस्वामी | | | ० | " | " | | | |
| राशि | पति | एकताय | वर्ष | वर्ष | वर्ष | नक्षत्र | युधि | | |
| मकर | शनि | कुम | वेरय | | | उ० पा० | | | |

साधक श्रवण-म मा मि मी मु मू मे मै (मै) पाद ७ १०-२३-नक्षत्र

| नं० | साधकानि | तारा | यानि | वर्ग | विशेष | गण्यः | गति | नक्ष |
|------|--------------|-------|---------|------|--------------|---------|---------|------|
| म | स्वकीय | १, | उदर | ५ | सम्प | गण्य | मि | नक्ष |
| प | विरुध | ३,५,७ | विद्युत | ६ | | | | |
| १ | शृङ्गमनाथ | अशुभ | | | दय | १० म० | मकर | मकर |
| २ | अनितनाथ | | | | २॥ | अशुभ | शुभ | मकर |
| ३ | संमननाथ | अशुभ | | | २॥ | | भेद | व |
| ४ | अमिनंदन | अशुभ | कुवेर | | | वेर | शुभ | |
| ५ | सुमतिनाथ | | स्वा | | २॥ | | " | |
| ६ | पद्मसु | अशुभ | | १ | | स्व | स्वराशि | दक्ष |
| ७ | सुपार्वनाथ | अशुभ | | | ० | " | शुभ | |
| ८ | चंद्रमसु | | | १ | | " | " | वेर |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | १॥ | वेर | भेद | |
| १० | शीतलनाथ | | | १ | | स्व | शुभ | |
| ११ | भेयासनाथ | | | १ | | अशुभ | " | |
| १२ | बामुपूज्य | | | १ | | वेर | शुभ | वेर |
| १३ | विमलनाथ | | | ०॥ | | स्व | शुभ | |
| १४ | अनंतनाथ | | | ०॥ | | अशुभ | श्रीति | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | २॥ | वेर | " | वष |
| १६ | शक्तिनाथ | | | | ०॥ | " | भेद | |
| १७ | कुपुनाथ | अशुभ | | १ | | " | शुभ | |
| १८ | अरनाथ | | कुवेर | | २ | स्वगण्य | भेद | वष० |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | २॥ | वेर | श्रीति | वष |
| २० | मुनिमुत्रत | | | (१) | ० | " | शुभ | |
| २१ | नमिनाथ | | | | ० | " | शुभ | वष |
| २२ | नैमिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | " | शुभ | |
| २३ | पार्वनाथ | अशुभ | | | ०॥ | स्वगण्य | " | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | ० | " | " | वेर० |
| | महावीरस्वामी | " | | (०॥) | | अशुभ | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वष | | वष | नक्षत्र | मुनि | |
| दिह | सूर्य | ० | | | विनाशन शुभिक | मषा | मध्य | |

साधक अक्षर—मो मौ ।

| नं | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|-------|---------------|------|--------|-------|---------|-----------|---------|
| सं | स्वकीय | २ | उदर | प | क्षम्य | | मनुष्य | सिंह | मध्य |
| सं | विरुद्ध | ४,६,८ | विदास | क | | देय | राक्षस | मकर | मध्यवेध |
| १ | अपभनाय | अशुभ | कुवेर मेसी | | १ | २॥ | स्व | शुभ | मवेध |
| २ | अजितनाथ | | | | | २॥ | " | श्रेष्ठ | |
| ३ | संभयनाथ | | | | | १ | मध्यम | शुभ | |
| ४ | अभिनदन | | | | | २॥ | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | १ | १ | ० | अशुभ | स्वराशि | मवेध |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | | " | " | शुभ | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | | १ | " | " | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | १॥ | मध्यम | श्रेष्ठतर | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | १ | १ | अशुभ | शुभ | " | वेध |
| १० | शीतलनाथ | | | | | १ | स्वगण | " | |
| ११ | भेयासनाथ | | | | | १ | मध्यम | शत्रु | |
| १२ | बाहुपूज्य | | | | | ०॥ | अशुभ | सम | |
| १३ | निमलनाथ | अशुभ | | ०॥ | ०॥ | स्वगण | प्रीति | वध | वध |
| १४ | अनंतनाथ | | | | | २॥ | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | ०॥ | " | श्रेष्ठ | |
| १६ | शक्तिनाथ | | | | | १ | " | शुभ | |
| १७ | कुधुनाथ | अशुभ | कुवेर | | २ | अशुभ | श्रेष्ठ | " | मवेध |
| १८ | अरनाथ | | | | | २॥ | मध्यम | प्रीति | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | | ० | " | शुभ | |
| २० | शुनिमुमत | | | | | (१) | ० | " | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | " | " | शुभ | मवेध |
| २२ | नेमनाथ | | | | | ०॥ | अशुभ | " | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | | ० | " | " | |
| २४ | वर्धमान | | | | | (०॥) | स्व | " | |
| " | महावीरस्वामि | | | | | ० | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ग | | | | | नक्षत्र | |
| सिंह | सूर्य | ० | चानिय | | | | | पू० पा० | |

साधक अक्षर—य या यि यी यु यू ।

| न० | साध्यजिन | सारा | भाति | वर्ग | विशेष | | गण्य | राशि | नाहो |
|-------------|--------------|---------|---------------|----------|----------|----------|----------|---------|--------|
| ॥ ॥ ॥ | स्वर्गीय | ६ | हरिष्य | य | अर्घ्य | | राक्षस | त्रिक | भाव |
| | विदग्ध | २, ४, ६ | भान | य | | दय | ६० म० | मिथुन | आद्येश |
| १ | अपमनाथ | अशुभ | मेहो कुपेर | कुपेर | | १ | अशुभ | भेष्ट | वेष |
| २ | अजितनाथ | | | | | १ | " | राम | |
| ३ | रामवनाथ | | | | ०॥ | ३ | देर | शुभ | |
| ४ | अभिनन्दन | | | | | ३ | " | " | |
| ५ | शुभतिनाथ | | | | ०॥ | | स्व | भेष्टतर | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | | ०॥ | " | शुभ | |
| ७ | सुतार्थनाथ | | | | | ०॥ | " | अशुभ | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | | २ | वेर | स्वराशि | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | | ॥ | स्व | भेष्ट | |
| १० | शीतलनाथ | अशुभ | | | | ०॥ | अशुभ | " | वेष |
| ११ | भेदावनाथ | अशुभ | | | | ०॥ | वेर | शुभ | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | | | | ० | स्व | भेष्ट | |
| १३ | विमलनाथ | | | | | ० | अशुभ | शुभ | |
| १४ | अनंतनाथ | | | | | ३ | वेर | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | १ | " | मध्यम | |
| १६ | सांतिनाथ | | | | | ०॥ | " | प्रीति | |
| १७ | कुपुनाथ | | | | | १॥ | स्वगण्य | राम | |
| १८ | अरनाथ | | | | | ३ | वेर | शुभ | |
| १९ | मल्लिकनाथ | | | | | ०॥ | " | प्रीति | |
| २० | मुनिसुमत | अशुभ | | | | (०॥) | ०॥ | " | |
| २१ | नमिनाथ | | | | | ॥ | " | शुभ | |
| २२ | नेमिनाथ | | | | | १ | स्वगण्य | शुभ | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | | ०॥ | " | अशुभ | |
| २४ | वर्धमान | | | | | (०) | अशुभ | शुभ | |
| " | महावीरस्वामी | | | | | | ०॥ | " | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | वर्ण | वर्ण | नक्षत्र | युजि | पश्चिम |
| वृद्धि | मंगल | मेघ | ब्राह्मण | ब्राह्मण | ब्राह्मण | ब्राह्मण | ज्येष्ठा | पश्चिम | पश्चिम |

साधक अक्षर-ऋ र रा रि री (ऋ, वेधे चित्य) ।

| न० | साध्यजिन | तारा | यानि | वर्म | विशोपक | गण | राशि | नाडी | | |
|--------|--------------|-------|----------------|-------|-----------|--------|---------|-----------------|------|---------|
| ह्रि | स्वकीय | ५ | वानर | य | क्षम्य | राक्षस | तुष्टा | मध्य | | |
| ह्रि | विहृष | ७,६,२ | मेघ | च | देय | दे० म० | मान | मध्यवध | | |
| १ | ऋषभनाथ | अशुभ | स्वा मैत्री | कुवेर | | ३ | अशुभ | शुभ | भवेध | |
| २ | ऋजितनाथ | | | | | ३ | " | श्रीति | | |
| ३ | संभवनाथ | | | | ०॥ | ३ | वेर | शुभ | | |
| ४ | अभिनेदन | | | | | ३ | " | " | | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | ०॥ | | स्व | " | | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | स्वा मैत्री | कुवेर | | ०॥ | " | श्रेष्ठ | एकम | |
| ७ | मुपारवनाथ | | | | ०॥ | | " | स्वराशि | | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | ०॥ | २ | वेर | अशुभ | | वेध |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | ०॥ | | स्व | शुभ | | वध |
| १० | शीतलनाथ | | | | ०॥ | | अशुभ | " | | |
| ११ | श्रेयासनाथ | ०॥ | | वेर | श्रेष्ठतर | | | | | |
| १२ | वासुपूज्य | | ० | स्व | शुभ | वेध | | | | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | वेर | ० | अशुभ | | शुभ | | | |
| १४ | अनतनाथ | | | ३ | वेर | | " | वध | | |
| १५ | धर्मनाथ | | | २ | " | | श्रेष्ठ | | | |
| १६ | शांतिनाथ | | | ०॥ | | | " | | सम | |
| १७ | कुसुनाथ | | | ॥ | | स्वगण | श्रीति | | एकम | |
| १८ | अरनाथ | | ३ | वेर | शुभ | | | | | |
| १९ | महिलासनाथ | | ०॥ | " | सम | | | | | |
| २० | मुनिमुक्त | | ०॥ | " | श्रेष्ठतर | | | | | |
| २१ | नमिनाथ | | १ | " | सम | | | | | |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | स्वा मैत्री | कुवेर | १ | " | स्वगण | श्रेष्ठ | एकम | |
| २३ | पारवनाथ | | | | ०॥ | " | स्वराशि | | | |
| २४ | वधमान | | | | (०) | अशुभ | श्रेष्ठ | | | |
| | महानीरस्वामी | | | | ०॥ | " | " | | | |
| राशि | पति | | | | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | विनासिह मनुष्यव | | नक्षत्र |
| तुष्टा | शुक | वृष | शुद्ध | | | चिता | | | | |

साधक अक्षर—रू रू रे रै रो रौ (रू रू १ पाद ७-१७-२३ भवेध. ॐ)

| न | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशी | नाडी |
|------|--------------|---------|-------|------------------|--------|-----|---------|-----------|---------|
| सं | स्वकीयं | ६ | महिष | य | सुम्य | | देव | तुला | अत्य |
| क | विरुद्ध | ८, १, ३ | अश्व | च | | देव | राक्षस | मीन | अत्यवेध |
| १ | मृगमदेव | अशुभ | | | | ३ | मध्यम | शुभ | भवेध* |
| २ | अजितनाथ | | | | | ३ | " | प्रीति | वेध |
| ३ | संभवनाथ | | | | ०॥ | | स्व | शुभ | |
| ४ | अभिर्नदन | | | | | ३ | " | , | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | | वैर | " | वेध |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | | ०॥ | " | श्रेष्ठ | |
| ७ | सुपार्श्वनाथ | | | | ०॥ | | " | स्वराशि | वेध* |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | दुर्वैर | २ | | स्व | अशुभ | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | | ०॥ | | वैर | शुभ | |
| १० | शीतक्षनाथ | | | | ०॥ | | मध्यम | " | |
| ११ | शेर्पासनाथ | | | | ०॥ | | स्व | श्रेष्ठतर | वेध |
| १२ | वासुपूज्य | | वैर | | | ० | वैर | शुभ | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | | ० | मध्यम | शुभ | |
| १४ | अर्नतनाथ | | | | | ३ | स्व | " | वेध |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | | १ | " | श्रेष्ठ | |
| १६ | शक्तिनाथ | अशुभ | वैर | | ०॥ | | " | सम | |
| १७ | कुसुनाथ | अशुभ | | | १॥ | | वैर | प्रीति | वेध* |
| १८ | अरनाथ | | | | | ३ | स्व | शुभ | वेध |
| १९ | महिलनाथ | अशुभ | वैर | | ०॥ | | " | सम | |
| २० | मुनिसुव्रत | | | | ०॥ | | " | श्रेष्ठतर | वेध |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | वैर | | | १ | " | सम | |
| २२ | नेमनाथ | | | | | १ | वैर | श्रेष्ठ | |
| २३ | पार्श्वनाथ | | | | | ०॥ | " | स्वराशि | वेध* |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | (०) | | मध्यम | श्रेष्ठ | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | ०॥ | | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ण | | | नक्षत्र | | युजी |
| तुला | शुक्र | वृषभ | शुद्ध | विनातिहं मनुष्यच | | | स्वाति | | मध्य |

साधक अक्षर-ल ला ।

| न० | साध्यजिन | तारा | योगि | धर्म | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|-------|------|-------|--------|---------|---------|---------|
| सं | स्वकीय | १ | अथ | व | साम्य | दव | मेप | आद्य |
| सं | विरुद्ध | २,५,७ | महिप | च | देय | राक्षस | कन्या | आद्यवेध |
| १ | भृपमनाथ | अशुभ | | | | मध्यम | शुभ | |
| २ | अभितनाथ | | | | | " | अशुभ | |
| ३ | संभवनाथ | अशुभ | | | ०॥ | स्व | शुभ | |
| ४ | अमिनंदन | अशुभ | | | | " | " | मवेध |
| ५ | मुमतिनाथ | | | | ०॥ | वेर | " | |
| ६ | पद्मभु | अशुभ | | | ०॥ | " | शुभ | |
| ७ | सुपार्वनाथ | अशुभ | | | ०॥ | " | सम | |
| ८ | चंद्रमसु | | | कुवेर | २ | स्व | प्रीति | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | ०॥ | वेर | शुभ | वेध |
| १० | शीतलनाथ | | | | ०॥ | मध्यम | " | |
| ११ | भेषासनाथ | | | | ०॥ | स्व | भेष्ट | |
| १२ | बाहुपूज्य | मेसी | | | | वेर | शुभ | वेध |
| १३ | विमलनाथ | | | | ० | मध्यम | भेष्ट | |
| १४ | अनंतनाथ | | | | ० | स्व | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | १ | " | भेष्टतर | |
| १६ | शक्तिनाथ | स्वा | | | १ | " | स्वराशि | एकभं |
| १७ | कुपुनाथ | अशुभ | | | ०॥ | वेर | अशुभ | |
| १८ | अरनाथ | | | १॥ | | स्व | भेष्ट | |
| १९ | मल्लिनाथ | स्वा | | | ०॥ | " | स्वराशि | एकभं |
| २० | सुनिमुवत | | | | ०॥ | " | भेष्ट | |
| २१ | तमिनाथ | स्वा | | | ०॥ | " | स्वराशि | एकभं |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | | | १ | " | शुभ | |
| २३ | पार्वनाथ | अशुभ | | | १ | वेर | शुभ | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | ०॥ | " | सम | |
| " | महावीरस्वामा | | | | () | मध्यम | शुभ | मवेध |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | | वर्ण | | " | " |
| | मगल | वृषिक | आयि | | | नक्षत्र | युजी | पुव |
| | | | | | | अभिनी | | |

साधक अक्षर—लि ली लु लू ले लै लो लौ (ले ले लो लौ ३-६ २०-भवेध ०)

| न | साध्यगिन | तारा | योनि | वर्ग | निशेपक | गण | राशि | नाडी | | |
|------|--------------|---------|---------|---------|---------|----------|---------|---------|--|--|
| १ | स्वकीय | २ | हस्ति | य | सम्यं | मनुष्य | मेघ | मध्य | | |
| २ | विरुध्य | ४,६,८ | सिंह | च | | राक्षस | कन्या | मध्यवेध | | |
| १ | मृगमनाय | अशुभ | | कुनेर | ३ | स्व | शुभ | मवेध० | | |
| २ | अजितनाय | | | | ३ | , | अशुभ | | | |
| ३ | संभवनाय | | | | ०॥ | मध्यम | शुभ | | | |
| ४ | अभिनन्दन | | | | ३ | " | " | | | |
| ५ | शुभतिनाय | | | | ०॥ | अशुभ | " | | | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | ०॥ | " | शत्रु | | | |
| ७ | सुशारंगनाय | | | | ०॥ | " | सम | | | |
| ८ | चंद्रप्रभु | | | | २ | मध्यम | प्रीति | | | |
| ९ | सुविधिनाय | | | | ०॥ | अशुभ | शुभ | | | |
| १० | शीतलनाय | | | | ०॥ | स्वगण | " | | | |
| ११ | भेयाधनाय | अशुभ | मैत्री | | ०॥ | मध्यम | भेष्ट | वेध | | |
| १२ | वाहूपूर्य | अशुभ | | | ० | अशुभ | शुभ | | | |
| १३ | विमलनाय | अशुभ | | | ० | स्वगण | भेष्ट | | | |
| १४ | अनंतनाय | अशुभ | | | ३ | मध्यम | " | | | |
| १५ | धर्मनाय | | | | १ | " | भेष्टतर | | | |
| १६ | शांतिनाय | | | | ०॥ | " | स्वराशि | | | |
| १७ | कुपुनाय | | | | १॥ | अशुभ | अशुभ | | | |
| १८ | अरनाय | | | | ३ | मध्यम | भेष्ट | | | |
| १९ | मल्लिनाय | | | | ०॥ | | स्वराशि | | | |
| २० | मुनिपुत्रा | | | | ०॥ | , | भेष्ट | | | |
| २१ | नमिनाय | | | | १ | " | स्वराशि | भवेध० | | |
| २२ | रौमनाय | अशुभ | मैत्री | | १ | अशुभ | शत्रु | | | |
| २३ | पारंगनाय | | | | ०॥ | " | सम | | | |
| २४ | वर्धमान | | | | (०) | स्व | शत्रु | | | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | ०॥ | " | " | | | |
| राशि | पति | एकनाय | वर्ष | वर्ष | वर्ष | नक्षत्रं | युजि | | | |
| मेघ | मंगल | वृश्चिक | वृश्चिक | वृश्चिक | वृश्चिक | मरपी | पूर्व | | | |

साधक अक्षर—व वा वि वी वु वू (वु वू १ पाद ७ १० २३-अवेध *)

| नं | साध्यजिन | तारा | योनि | वग | विशोपक | | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|-------|-------------------------|--------|-----------|-------|----------|---------|---------|
| सं | स्वकीयं | ४ | वर्ष | य | क्षम्य | देय | मनुष्य | वृषभ | अत्य |
| सं | विरुद्ध | ६,८,१ | नकुक्ष | च | | | राक्षस | धन | अत्यवेध |
| १ | अपमनाथ | अशुभ | कुवेर स्वा मैत्री | कुवेर | ०॥ | ३ | स्व | शत्रु | मवेध* |
| २ | अजितनाथ | | | | | ३ | " | स्वराशि | एकम |
| ३ | संभवनाथ | | | | | ३ | मध्यम | श्रेष्ठ | |
| ४ | अभिनेदन | | | | | ३ | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | | ०॥ | अशुभ | " | वेध |
| ६ | पद्मप्रसु | | | | | ०॥ | " | " | |
| ७ | सुपारर्षनाथ | | | | | ॥ | " | शुभ | वेध* |
| ८ | चंद्रप्रसु | | | | | अशुभ | " | प्रीति | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | | अशुभ | २ | मध्यम | उम |
| १० | शीतलनाथ | | | | | ०॥ | अशुभ | ०॥ | शत्रु |
| ११ | श्रेयांसनाथ | ०॥ | स्वगण | " | " | | | | |
| १२ | वासुपूज्य | अशुभ | ०॥ | मध्यम | शुभ | वेध | | | |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | ० | अशुभ | श्रेष्ठतर | | | | |
| १४ | अनंतनाथ | अशुभ | कुवेर | कुवेर | ० | स्वगण | शुभ | | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | ३ | मध्यम | " | वध | |
| १६ | शक्तिनाथ | | | | १ | " | " | | |
| १७ | कुपुनाथ | | | | ॥ | " | अशुभ | | |
| १८ | अरनाथ | | | | १॥ | अशुभ | स्वराशि | वेध* | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | ३ | मध्यम | शुभ | वेध | |
| २० | मुनिमुक्त | | | | ०॥ | " | अशुभ | | |
| २१ | नमिनाथ | | | | ०॥ | " | शुभ | वेध | |
| २२ | नेमनाथ | | | | १ | " | अशुभ | | |
| २३ | पारर्षनाथ | | | | १ | अशुभ | शुभ | | |
| २४ | वर्धमान | ०॥ | " | प्रीति | वेध* | | | | |
| २५ | महावीरस्वामी | | (०) | स्व | शुभ | | | | |
| २६ | | | ०॥ | " | " | | | | |
| राशि | पति | एकनाथ | वयो | वराय | | | नक्षत्रं | गुजी | |
| शुभ | शुक्र | तुला | वैश्य | मेघ | | | राक्षसा | पूर्व | |

साधक अक्षर-वे वे वो वौ ।

| न० | साध्यविन | तारा | योनि | वर्ग | निशोभक | गण | राशि | नाडी |
|------|------------|-------|-------|------|--------|-------|---------|---------|
| वि | स्वकीय | ५ | सर्प | य | सम्य | देव | वृषभ | मध्य |
| कु | विरुध | ७,६,२ | नकुभ | च | | देव | राक्षस | मध्यवेध |
| १ | शृपमनाय | | कुवेर | | | ३ | मध्यम | शुभ |
| २ | अजितनाय | | मेती | | | ३ | " | स्वराशि |
| ३ | संभवनाय | | स्वा | | ॥ | स्व | भेष्ठ | एकम |
| ४ | अभिर्नदन | अशुभ | | | | ३ | " | " |
| ५ | शुभगिनाय | | | | ॥ | ३ | " | " |
| ६ | पद्मनाय | | | | ॥ | " | शुभ | मवेध |
| ७ | शुभारर्नाय | अशुभ | | | ॥ | " | प्रीति | " |
| ८ | चंद्रनाय | | कुवेर | २ | | स्व | सम | वेध |
| ९ | शुनिधिनाय | | | | ॥ | वैर | शुभ | " |
| १० | शीतलनाय | अशुभ | | | ॥ | मध्यम | " | वेध |
| ११ | भेषासनाय | | | | ॥ | स्व | शुभ | " |
| १२ | वासुपूज्य | | | | | ० | वैर | भेष्ठतर |
| १३ | पिमतनाय | | | | | ० | मध्यम | शुभ |
| १४ | अर्ननाय | अशुभ | | | | ३ | स्व | शुभ |
| १५ | धमनाय | | | | | ३ | " | वेध |
| १६ | शालिनाय | | | | ॥ | " | अशुभ | " |
| १७ | कुपुनाय | | | | ॥ | वैर | स्वराशि | " |
| १८ | अरुनाय | अशुभ | | | | ३ | स्व | शुभ |
| १९ | मज्जिनाय | | | | | ०॥ | " | अशुभ |
| २० | शुनिगुण्य | | | | (०॥) | ०॥ | " | शुभ |
| २१ | नमिनाय | | | | | ३ | " | अशुभ |
| २२ | नेमिनाय | | | | | ३ | वैर | शुभ |
| २३ | पार्वनाय | अशुभ | | | | ०॥ | " | प्रीति |
| २४ | वर्धमान | | | | | (०) | मध्यम | शुभ |
| २५ | महागौरवाना | | | | | ०॥ | " | " |
| राशि | पति | एकनाय | वध | | वर्ष | | नक्षत्र | यति |
| २५ | शुक्र | | वैश्व | | मेघ | | मृगश | |

साधक अक्षर- स सा सि सी सु सू ।

| नं० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|---------|--------|------|-------------------|----------|-----------|------|
| सं० | स्वकीयं | ६ | अथ | श | क्षम्यं | राक्षस | कुभ | आय |
| सं० | विरुधं | ५, १, ३ | महिष | ट | देय | दे० म० | कर्क | आयवध |
| १ | अृषभनाथ | अशुभ | | | ०॥ | अशुभ | शुभ | |
| २ | अत्रिनाथ | | | | ०॥ | " | श्रेष्ठतर | |
| ३ | संभरनाथ | | | | ० | वैर | मध्यम | |
| ४ | अभिर्नंदन | | | | ०॥ | | | वेध |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | ० | स्व | सम | |
| ६ | पद्मप्रभु | | | | १ | , | मीति | |
| ७ | सुपार्वनाथ | | | | ० | " | शुभ | |
| ८ | चंद्रप्रभु | अशुभ | | | १॥ | वैर | श्रेष्ठ | |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | | ० | स्व | शुभ | वेध |
| १० | शीतलनाथ | | | | ० | अशुभ | " | |
| ११ | श्रेयांसनाथ | | | | ० | वैर | श्रेष्ठ | |
| १२ | वास्तुपूज्य | | स्वा | | ०॥ | स्व | स्वराशि | एकम |
| १३ | विमलनाथ | अशुभ | | | ०॥ | अशुभ | अशुभ | |
| १४ | अनंतनाथ | | | | ०॥ | वैर | " | |
| १५ | धर्मनाथ | अशुभ | | | १॥ | , | शुभ | वध |
| १६ | शांतिनाथ | अशुभ | मैत्री | | ० | " | शुभ | |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | | | १ | स्वगण | श्रेष्ठतर | |
| १८ | अरनाथ | | | १ | ०॥ | वैर | अशुभ | |
| १९ | मल्लिनाथ | अशुभ | मैत्री | | १ | " | शुभ | वेध |
| २० | मुनिमुद्रत | | | | १ | , | श्रेष्ठ | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | मैत्री | | १॥ | " | शुभ | वध |
| २२ | मेमनाथ | | | | १॥ | स्वगण | मीति | |
| २३ | पार्वनाथ | | | | १ | " | शुभ | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | (०॥) | अशुभ | मीति | वेध |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | १ | " | " | " |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वरयं | विनासिह मनुष्यत्व | नक्षत्रं | युजी | |
| कुभ | शनि | मकर | शुद्ध | | | शतभिषा | पश्चिम | |

साधक अक्षर—से सौ सौ ।

| नं० | साध्यजिन | सारा | योनि | वर्ग | त्रिशोपक | | गण | राशि | नाडी |
|-------|--------------|-------|-------|-----------------|----------|-----|--------|-----------|---------|
| नं० | स्वकीय | ७, | विह | श | क्षम्य | | मनुष्य | कुम्भ | आद्य |
| नं० | विरुद्ध | ६,२,४ | हस्ति | ट | | देय | राक्षस | कर्क | आद्यवेध |
| १ | शृपभनाथ | अशुभ | | | ०॥ | | स्व | शुभ | वेध |
| २ | अजितनाथ | | | | ०॥ | | " | श्रेष्ठतर | |
| ३ | संभवनाथ | | | | | ० | मध्यम | मध्यम | |
| ४ | अभिर्नदन | | | | ०॥ | | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | | | | | ० | अशुभ | सम | |
| ६ | पद्मप्रसु | अशुभ | | | | १ | " | प्रीति | वेध |
| ७ | सुपार्षनाथ | | | | | ० | " | शुभ | |
| ८ | चंद्रप्रसु | | | | १॥ | | मध्यम | श्रेष्ठ | |
| ९ | सुविधिनाथ | | | | | ० | अशुभ | शुभ | |
| १० | शीतलनाथ | | | | | ० | स्वगण | " | |
| ११ | श्रेयांसनाथ | अशुभ | वैर | | | ० | मध्यम | श्रेष्ठ | वेध |
| १२ | वासुपूज्य | | | | | ०॥ | अशुभ | स्वराशि | |
| १३ | विमलनाथ | | | | | ०॥ | स्वगण | अशुभ | |
| १४ | अनतनाथ | | | | ०॥ | | मध्यम | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | | | | १॥ | " | शत्रु | |
| १६ | शान्तिनाथ | अशुभ | वैर | | | ० | " | शुभ | वेध |
| १७ | कुमुदनाथ | | | | १ | | अशुभ | श्रेष्ठतर | |
| १८ | अरनाथ | | | | ०॥ | | मध्यम | अशुभ | |
| १९ | मल्लिनाथ | | | | | १ | " | शुभ | |
| २० | मुनिसुमत | | | | | १ | " | श्रेष्ठ | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | १॥ | | " | शुभ | वेध |
| २२ | नेमिनाथ | | | | १॥ | | अशुभ | प्रीति | |
| २३ | पार्षनाथ | | | | | १ | " | शुभ | |
| २४ | वर्धमान | | | | (०॥) | | स्व | प्रीति | |
| २५ | महावीरस्वामी | | | | १ | | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | वर्ष | | | | नक्षत्र | युजि |
| कुम्भ | शनि | मकर | शुद्ध | विनासिह मनुष्यच | | | | पू० भा | पश्चिम |

साधक अक्षर—हु हू हे है हो हौ (हो हौ ३-६-२२-भवेध ॐ)

| नं० | साध्यजिन | तारा | योनि | वर्ग | विशेषक | | गण | राशि | नाडी |
|------|--------------|-------|----------|------|--------|-----|--------|---------|---------|
| मि | स्वकीय | ८ | मेष | श | क्षम्य | | देव | कर्क | मध्य |
| हो | विदध्य | १,२,५ | वासर | ट | | देव | राक्षस | मि० कु | मध्यवेध |
| १ | अपमनाथ | अशुभ | | | ॥ | | मध्यम | मीति | |
| २ | अजितनाथ | | | | ॥ | | " | शुभ | |
| ३ | समनाथ | अशुभ | | | | ० | स्व | अशुभतर | वेध० |
| ४ | अभिनन्दन | | | | ॥ | | " | " | |
| ५ | सुमतिनाथ | अशुभ | | | | ० | वेर | भेष्ठ | |
| ६ | पद्मप्रभु | अशुभ | | | | १ | " | शुभ | वेध० |
| ७ | मुपार्वनाथ | | | | | ० | " | भेष्ठ | |
| ८ | चन्द्रप्रभु | | | | १॥ | | स्व | मध्यम | वेध |
| ९ | सुविधिनाथ | अशुभ | | | | ० | वेर | मीति | |
| १० | शीतलनाथ | | कुवेर | | | ० | मध्यम | " | वेध |
| ११ | अर्थातनाथ | | कुवेर | | | | स्व | सम | |
| १२ | बाहुपूज्य | | | | | ॥ | वेर | शुभ | |
| १३ | विमलनाथ | | | | | ॥ | मध्यम | मध्यम | वेध |
| १४ | अनंतनाथ | | | | ॥ | | स्व | " | |
| १५ | धर्मनाथ | | स्वा | | | १॥ | " | स्वराशि | एकर्म |
| १६ | शांतिनाथ | अशुभ | | | | ० | " | भेष्ठतर | |
| १७ | कुशुनाथ | अशुभ | मैत्री | | १ | | वर | शुभ | |
| १८ | अरनाथ | | | | ॥ | | स्व | मध्यम | |
| १९ | मरिचनाथ | अशुभ | | | | १ | " | भेष्ठतर | |
| २० | मुनिमुक्त | | कुवेर | | (०) | १ | " | सम | |
| २१ | नमिनाथ | अशुभ | | | | १॥ | " | भेष्ठतर | |
| २२ | नेमनाथ | अशुभ | | | | १॥ | वेर | शुभ | वेध० |
| २३ | पाररनाथ | | | | | १ | " | भेष्ठ | |
| २४ | वर्धमान | अशुभ | | | | (॥) | मध्यम | शुभ | |
| " | महावीरस्वामा | " | | | | १ | " | " | |
| राशि | पति | एकनाथ | वर्ण | | | वरय | | नक्षत्र | मुनि |
| कर्क | चन्द्र | ० | नाक्षत्र | | | ० | | पुण्य | मन्त्र |

| | | |
|-------------------------|---------------------|----|
| सर्वेतीर्थंकरा श्रेष्ठा | कारण भागवर्धने | |
| तथापि सन्निमित्तेन | भवेत्कार्यं गुणाधिक | १० |
| श्रीमच्चारित्रि विजय | शिष्य दर्शन सत्कृत | |
| महति धारणायत्रे | अध्याय पंचम इति | ११ |

प्रशस्ति

| | | | |
|-------------|---------------------------------|--------------------------|----|
| मंगल — | धीर धीरेति धीरेति | विराजतु ममाशये | |
| | महाधीरेति धीरेति | धीरता भरतु यरा | १२ |
| धरि — | गुणमणिगणपूर्णं | स्यच्छगच्छे तपारये | |
| | विजय कमलसूरि | पूण्यसंग्रहप्रतेजा | |
| | भक्ति मधुप पद्मो | दत्त चारित्रपौण्य | |
| | समजनि जनमान्य | शात मुद्रामिराम | १३ |
| | विजय केशर. सूरि | स्पृष्टदृष्टभूत् मुनिपति | |
| वृद्धगुरु — | तत्पद्म उद्युग्निनयो | विजय शान्तभूषण | १४ |
| गुरु — | विजय विजय शिष्यो | ब्रह्मचारिसुनीद्र | |
| | प्रवर गुरुकुलन्य | ज्ञानराशेर्विधाता | |
| | विजयद विजयान्त | ख्यात चारित्रनामा | |
| | सदमरपदभाक्स्तात् | पूज्य पूज्य प्रसन्न | १५ |
| कृतनाम — | तत्पादपद्मशमनामृत पान भृग | | |
| | ज्ञानरतो विजयदर्शननामभिषु | | |
| विधान — | सम्लोक कोष्ठ सरल गुरुयज्ञनाध्य | | |
| | यत्र चकार स बृहद्गति धारणायत्रे | | १६ |
| प्रयत्न — | प्र थात्ज्ञानविधिराद | प्रतिष्ठाऽर्चासुदर्शनम् | |
| | भावश्चरणनैजर्थ | कमशोभनतुष्टनाम् | १७ |
| सप्तकाश — | २४५६ | ययै राकासु चैत्रके | |
| | २४५६ | समेतशिखरे वने | |

| | | |
|---------------------------------|-------------------------|----|
| शास्त्रमुनि ज्ञान-न्याय— | सहाय्यात्सफलीकृत | |
| यावदुमेरुमहीचन्द्रा | नदतात्त्वानीनां मुदे | १६ |
| श्लोकमानं — विषयप्रमा-निर्वचनै— | काक्षरी सामुद्र-पूनादे | |
| सशतशीशति श्लोकै | पश्चाद्रचितो धारणा यत्र | २० |
| कल्याणमस्तुसद्यस्य | जैनधर्मस्य मंगलम् | |
| भद्र ज्ञानस्य ॥ यस्य | सर्वपाभमनुशिवं | २१ |
| इति बृहद्धारणा र्थत्रं | शास्त्रं समाप्तम् | |

—०००—

परिशिष्ट-१ श्रीविषपरीक्षा प्रकरणम्—

इयं गिहलक्षणव भणायिय विषपरीमाणं
गुण दोस लक्षणान्द सुहासुह जेण नउवेइ ॥ १ ॥

| | | | |
|-------------|-------------------------|----------------------------------|---|
| (१११) | छत्तत्तयं उत्तारं | भालकजोलाभो सयणनासाभो | |
| | सुहयं जिणवरणमो | नउगहा जक्ख जयिपणीया | १ |
| (११२) | विषपरिधारमउभे | सेलस्स पन्नसंकर नसुहं | |
| (भा० वि०) | सममगुलपमाण | नसुदर दोइ कइयाओ | २ |
| (११३) | अनुग्नं जानुसधे | तिरिभे केसंत-अचलते अ | |
| | सुत्तेगं चउरस | पउजकाऽऽसण सुहं विष | ३ |
| (११४) | नयताल इउइरुवं | खस्स य धारसगुलोतालो | |
| (११६) | अगुल अट्टहिअसय | उट्टु पाऽऽसीणछप्पन | ४ |
| (११७) | भालं नासा वयण | गीव हीअय नाहि गुग्गु जघाइ | |
| | जाणुअ पीडिअ चरणा | इकारसट्ठाण नायव्वा | ५ |
| (११८) | घउ पच वेय रामा ३ रवि १२ | दिणयर सूर जिण वेभाअ | |
| | जिण वेअमा अ सखा | कमेणम उट्टुरुवेण (उर्ध्वर्ध्व) | ६ |

| | | | |
|-----------|---|--|---|
| (११६) | माल नासाययणं आसोण बिब माण मुहकमल चउदसगुल छत्तिसमुरपपसे कन्नुदयसोल(?)वित्परि— तिरित्परि दुदपसि तिरियच्छ सिरिण कषलं— मुणि चउ रनिद्रा वेमा भगुद संहिय करयल चरणं सोलस दिहे छन्माय भहरदीहे तिन्निसिहिणं वउनाडी केसतसिहा ५ गदिम ८ पउमुदरेहचक्क | गीय हियय नाहि गुज्जक जाणुम पूर्वविहि अक्कसखाइ (८ स्थान) ७ कन्नतरि पिच्छरे दहगिवा सोलहकदि सोलतणुपोंड ८ चउ उवरे तिज्जिठिओलिरयणं नधु सिखियच्छो दुदुइत्तिय पिहुओ ९ तरमि तहमस पणसयपण्ड कम्मा कुहणी मणियध जंघ जाणु पय १० उह सतगुलस्स पित्तारे तयध्य पिच्छि भउउ रुदने ११ चक्खुपण दीहधपिहुल्लत्ते नासा-उर-नाहि मुत्तेग १२ पयइ कमेण भगुल्ल जाय करवरणापिहुसिय निव्वं १३ | पवी छे १। र्थे ना नी या ना ना या |
| (१४०) | धरिस सयाओ उडुं विमलंगुवि पुरज्जाइ | जं विय उत्तमेहिं सठग्गिभ त विव निप्फल न जमो १४ | ना डा ने प |
| (भा० वि०) | मुह नक्क नयण नाही आहरण उच्छ परिगर | कब्बिमगे मूलनायग चयह विधाऽऽवह भगी पूरज्जा १५ | री |
| (१४१) | घातुओ(ले)हाइबिय कट्टरयण सीलमय | विमलंगं पुणत्रि कीरियसउभ नपुणो सउभ कइमाजि (सस्कार) १६ | गी |
| (१४५) | पाहाणलेउकठ दत्तमया अपरिगर माणाऽहिआ ११ | चित्तलिहिअ जा पडिमा न सुदया पुअमाण गिहे १७ | गे |
| (१४४) | इक्कगुज्जाइ पडिमा | इकारसजाउ नेदि पुइज्जा | |
| (भा० वि०) | उडु पासाइ पुणो | इअमणिअ पूर्वसुरिहिं १८ | गे |
| (१४२) | नह धगुल्लिय बाहा फलसत्तुमय वेसभग | नासा पयमणिऽणुकमेण वघणं कुलनास दज्ज वृक्षय १९ | |
| (१४३) | पय पीड चिन्ह परिगर | भगेजाण भिच्चदाणिकममे | |

| | | |
|--|------------------------------|----|
| પક હસ્તેતુ પ્રાસાદે | દદ્ધ પાદોન મયુલ | |
| કુર્યાદર્ધાગુગટુદિ— | ચાતુર્ધ પાશદ્ધસ્તક | ૪૨ |
| સુધા સારદાસ્થ | મ યિ કોટર ધર્જિત | |
| પરંભિધિયમે વાર્ય | સમગ્ર યિ સુપાગદ્ધ | ૪૩ |
| રિપમા પ્ર યયો ષકળાનિ પ્રથમાદૃષદો(બોલાવા)પરિ ભવ્યામર્કટગચ | | |
| દદ્ધદેર્ધ્ય પદ્મોમા ૩ | મર્ચટ્યધ્વેન વિસ્તુતા ૧૧ | |
| અર્ધચદ્રારુતિ ૬ પાન્થ્ય | ઘટોર્ધ્યે કલશસ્તયા | ૪૪ |
| ધ્વજાદ્ધપ્રમાણે— | દીઘાપ્ટાશેઠ ધિન્તરા | ૪૫ |
| શિખર ધુક્તદ્ધ— | દદ્ધ કાર્યસ્તુનીયાશ | |
| | મધ્યોપ્ટાશેઠ દીનોસૌ | ૪૬ |
| આવાદિાકરે— | ચિમ્રધયકશિખર | |
| (વિનાકઠ)— | દદ્ધસ્તુનીયાશેનો | |
| | ધ્વજપટોડુમગનિતધાર્ધ ૬ પૃથુ + | |

વેદિકા-ગમારાના ૩ માને ડંચી કરતી, દૃષ્ટિદ્વારના ૨½ માને રાગતી

૩ ચારધાગીવો વેનિકા ઉપરલગુનેઠક ઉપરમૂર્તિ, જિનદૃષ્ટિ ચારના ૫½ માને

—•••—

પરિશિષ્ટ—૪, સુધારસનચનસપ્રહમાથી---

મગનાનની વેડી અથવા ડમી ધન્ને પ્રકારનો પ્રતિમા ચૌરસ અવસ્થામાંજ હોતી જોઈએ તેમા પહેલો (વેડી) પ્રતિમા પર્યંકાસા થાઢી હોવી જોઈએ ।

પ્રથમ જમણી જાઘ બને જમણા સાથઢ ડપર ઢાઘો વગ તથા ઢાઘો હાથ સ્વાપા કરવો પડી ઢાઘી હાથ ધને ઢાઘા સાથઢ ડપર જમણો વગ બને જમણો હાથ મૂકવો બને પદ્ધિત પુરુષો વગ વાસા માને છે ।

મગવાતનો પ્રતિમા ધમી હોયતો તેમા વેમુજ ઢીંચણ સુધી લાઘા જોઈએ ધન્ને પ્રતિમાઓ ધો ચત્સ, ડળ્ળીય, ગ્રણ છત્ર ઇત્યાદિ પરિવાર યુક્ત જોઈએ ।

નાસિકાના અગ્રમાગ ડપર ગ્રણ છત્રના અગ્રમાગની સમરેપા આવે તો તે ગ્રણ છત્ર સગતમ જાણવા નેમજ નાસિકા બો કપાઢ બના મધ્ય માગમા ઢાઢી રેવાધી કપોઢનો વેધ થવો જોઈએ ।

વે દર્શનની વચ્ચે આનુ સૂત્ર દેવુ અને સૂત્રથી નામિ સુધી એક કંઠિકા રાશયી
પ રીતે કરતા નામિથી સુત્ર સુધી અઢાર યાગઠ્ઠુ પ્રમાણ જોઈય ।

પ્રતિમાનુ ઠ્ઠાણુ પ્રમાણ ન તાલ જાણયુ ધાર આગુઠ્ઠનો એક તાઠ ધાય છે
અહીં આગઠ્ઠા કરાગા ન લેતા પ્રતિમાના લેવા ।

પૂજા ઘર ઘણો કાઠ એમને એમ પહેલી પ્રતિમા ડ્યા ત્યાથી પ્રહ્ણ કરવી નહીં ।

પ્રાસાદના ચોથા માગ જેટલી પ્રતિમા કરવી પણ ઉત્તમ લાભ પ્રાપ્તિને અર્થે
તે ચોથા માગમા એક આગુલ ઓછી અથવા ઘધારે કરવી ।

પ્રસાદના ચોથા માગમા દશ માગ કરવા અને તે દશિમો એક માગ પ્રાસાદના
ચોથા માગમા ઓછો કરી, અથવા તેમા એક દશિમો માગ ડમેરી, તેટલા પ્રમાણની
પ્રતિમા કારિગરોય કરવી ।

સર્વ ધાતુગોની, રત્નની, સ્કુટિકની અથવા પ્રગઠ્ઠની પ્રતિમા હોય તો ત્યા
પ્રતિમાના પ્રમાણ ઉપર પ્રસાદનુ પ્રમાણ ન લેતા ઇચ્છા માફક લેયુ ।

ગમારાના અર્ચમાગના પાચ માગ મિત્તિયા કરવા તેમા પ્રથમ માગમા
યજ્ઞાદિકની સ્થાપના કરવી, ષોજા માગમા સર્વે દેવીઓની સ્થાપના કરવી ત્રીજા
માગમા જિન, સૂર્ય, કાર્તિકેય તથા કૃષ્ણ એમની પ્રતિમા સ્થાપન કરવી, ચોથા
માગમા વ્રહ્માની પ્રતિમા અને પાચમા માગમા શિવગિરિની પ્રતિમા રાખવી ।

સામાદ્યારની શાલાના નિચેથી માઠ માગ કરવા, તેમા જે માઠમો માગ ઘધા
કરતા ઉપર આવેલો તે મૂકી દેવો અને તેના નિચેનો જે સાતમો માગ તેના પાછા
નિચેથી સાત માગ કરવા તથા તે સાતમાગ છ માગ મૂકી દેવા ઉપરનો જે સાતમો
માગ રહ્યો તેમા ગજાશ (અષ્ટમાશ) સમને છે તે ગજાશને વિષે કારિગરોય
પ્રાસાદનો અદર રહેલા પ્રતિમા નીટુવિટ રાખવી ।

સ્પષ્ટ દિશા ઘાન કરવાગારી, અ-ગોઠ્ઠ, જ્યોતઢી, ત્રણ દિગ્સમા ધાન્ય ડગાવનારી
તથા પૂર્વ ઉત્તર-દશાન દિશામા ડતરની ભૂમિ મદિર માટે શ્રેષ્ઠ છે ।

રાઠઠા-પોલ-ફાટ કે શન્યગઠ્ઠી ભૂમિ અશુભ ।

આપ્ની કાલી માટીના કોડીયામા ત્રાર દિગ્ગ વરવા જે દિશાને દિવો ઘણી
ઘાર પ્રમારો તે દિશાની તે ભૂમિ સારી ।

ભુમિ માપના ઘોરીત્રુટે તો ઘણીનુ મૃત્યુ, ઠોકતા ઓલો વઢી જાય તો રોગ
ઘષો પહે ત્રુટે તો સ્મૃતિગાગ ।

જ્યા માન અડારા ન અમરો છે ત્યા ન વૃ સિવાયના સગ સમજવા, જ રે,
ક શ, ગિ ન અને હવ દીઘ અલગ અવગ નથી, તે એકજ સમજવા (૮ થી ૧૮)
નમરો ચોળને અનુક્રમે—ગોડા, હાથી અજ (જકરો), સર્પ, સર્પ, શ્યાન
(કુતરો), મિઠાલ, અજ, મિઠાલ ઉદર, ઉદર, ગાય, મદિય (પાડો), વાધ, મદિય,
વાધ, હાથ, હરમ શ્યાન વાદર, નકુવ (નોળીઓ) નકુલ, વાદર, સિદ, અન્ધ,
મિહ, ગાય અને પ્રતિ છે તેમા આગી—સિદ શ્યાન—હરિત અન્ધ—મદિય,
અજ—વાદર, નકુવ—સર્પ, ગાય—વાધ તથા મિઠાલ- ઉદરને પરપર વેર છે
કેટલાક આચાર્યો આ વં ક'પનાને નિવક માને છે (૧૮૨૧)

જન્મ નક્ષત્ર તથા નામ નક્ષત્રી અનુક્રમે નવ નવ તારા યો છે જે
નલુનાર ગણવી માધમી માધમી ૩૫૭ થી તારા અશુભ છે વરક થા
વિગેરેમા તારા જોવી કિંતુ મનિષાપક પ્રતિમામા વાગ જોવી નદી રાશિ પતિ-
અદની મેનો હોય એકતા હોય કે શુભવશ્યતા હોય તો પણ નેજ તારા વર્તવી
(૨૨૩૩)

અશ્વિની, મૃગશર, પુનર્વસુ, પુષ્ય, હસ્ત, સ્વાતિ, અનુરાધા, શ્રવણ અને
રેવતીનો દેવ ગણ છે ભાળી, રોહિણી, આર્દ્રા, નલુપૂર્વી, ત્રલુકંતરાને મનુષ્ય
ગણ છે (અભિજિતનો વિધાધર ગણ છે) જાડીના નવ નક્ષત્રોનો રાક્ષસ
ગણ છે

સ્વગણમા પ્રીતિ, દેવ મનુષ્યમા મધ્યમતા, દેવ રાક્ષસમા વેર અને મનુષ્ય
રાક્ષસમા મૃદુ થાય છે રાશિકૃત યોગિ તથા અદર્શની શુભ હોય સાધ્યમા
મનુષ્ય ગણ હોય તો સાધકનો રાક્ષસ ગણ પણ અશુભ નથી (૨૪૨૭)

અશ્વિનીથી ક્રમે અને ઉત્ક્રમે સ્થાપેલા નલુ ત્રલુ નક્ષત્રોની નલુ નાડી થાય
છે સાધક સાધ્યના નક્ષત્રો એક નાડીમા આવે તો એકદમ અશુભ ॥
શુક્રશિખના નક્ષત્રો એક નાડીમા આવે તે શુભ છે આ રીતે યથેવ નાડીવેધ
સારામા સારા બળેનોપણ નાશ કરે છે જ્યારે શુક્રશિખનો નાડીવેધ કદ
યોગિના બળનો નાશ કરે છે સ્વામી, પવ્યમ્ત્રી, મિત્ર, હેશ ગામ, પુર તથા
ધર એક નાડીમા હોય તો શુભ છે વેધ રહિત હોય તો અશુભ છે (૨૮૩૦) એક
નક્ષત્રમા જન્મેવ બીજાઓમા સારો પ્રેમ રહે છે માન વગ કન્યાને હાનિ
થાય છે વર કન્યાને રાશિબેદ હોય તો એક નક્ષત્રમા નથી (૩૧૧)
અન્યમા નાડીવેધ અશુભ છે, રાશિ બેદ છે પલ
બાર પ કિતવાળા નાડીચક્રમા ને-થા)

રેવતીથી પ્રારંભીને અનુક્રમે
પશ્ચિમ યોગ થાય છે જે વિવા
(૩૩)

અધ્યાય ૩, અક્ષર પ્રકરણ

પરમેષ્ઠીને નમસ્કાર કરીને શિશ્યમોઘ માટે સાધક સાધ્યની સળ ધી અક્ષર સ્થાપના કરે છું. (૧) નામનિ ગત્યાતમા 'સ્વરો' કે ખોરાક્ષરી વ્યજનો હોય છે જેનો રાગિ નક્ષત્ર અને વર્ગનામેળ પ્રમાણે જુદો જથ્થો કરવા આવી રીતે અવગ રાશિ નક્ષત્ર વર્ગના યોગથી જે સમૂહ થાય તને સ્થાપી તના હરેક અક્ષરની પદ્ધિમા તેનાજ નક્ષત્ર વિગેરે મમજી શકાય તેમ લખવા (૨૩) આ રીતે અ ધ યો કા કુ કે આ ખી ગ ગુ ગો ઘા ચ ચુ છ જા ઝા ટા ડે ડે ઠ ડી ધ ણુ તા તિ તો યા દ દિ દુ દે ધા ન નો પ પુ પે 'ક' ના જે ભા ભુ લે લો મ મે ય યે રા રૂ લા લી વા વે શ શા સ સે હા હિ હુ એ ૬૪ અક્ષરો થાય છે અહીં નહીં કહેલ અક્ષરો પૂર્વના (કથિત) અક્ષરો સાથે જાણવા : હરવ દીર્ઘ એકજ છે જે હરેકના નામોમા રહેવા છે (૫૭) સાધક સાધ્યનો યોગ જોવાની હરજા થતા આ કોઠાથી જન્મી જ્ઞાન થાય છે (૮) અધ્યાય ૩ નો સમાપ્ત (૯)

અધ્યાય ૪, અ ઊ યો કે ચક્ર પ્રકરણ

પરેશને નમીને સાધક સાધ્યની સિદ્ધિ માટે માત્ર અક્ષરનુ અ ઊ યો કે ચક્ર કહું છું (૧) હરેકે ખાર કોઠામા અ ક કે મ ચક્ર માન્યુ છે, તે જ નણે ભાગે નાનુ કરી આ ચક્ર જનાવુ છું (૨) ચાર કોઠામા અનુક્રમે જ ન્હુ લૂ લૃ સિવાયના સ્વરો અને મૂળ વ્યજનો લખવા જ ન્હુ ને રમા અને લૂ લૃ ને લમા લેવા (૩૪)

આ રીતે પ્રત્યેક કોઠામા ખાર અક્ષરો આવશે, તેથી સાધક સાધ્યનો યોગ કરવો આ ચક્ર ખાસ કરીને દેશ કિ લો પુર ગામ હવા મન દેવ શેઠ નોકર જમીન અને યતુ માટે જોવુ (૫૬) વિવાહ શુભકાર્ય લાભકાર્ય અને શ્રદ્ધ ગોચરમા જન્મવુ નામ જોવુ અને ઘર ગામ ખત્રુ ખેતર વ્યાપાર તથા રાજ દર્શનમા હુતાપનનુ નામ જોવુ (૭૮) સાધકને ૧૦૩૪ કોઠાના અક્ષરો સાથે અનુક્રમે મિદ્ધિ સાધ્ય સુસિદ્ધિ અને યતુ યોગ છે જેના ક્રોડ અનુક્રમે દીર્ઘકાળે સિદ્ધિ સમય શિશ્યસિદ્ધિ અને કાર્ય વિનાશ છે. (૯૧) અધ્યાય ૪ થો અમાપ્ત (૧૨)

અધ્યાય ૫, પૂર્ણભગ પ્રકરણ.

મર્ત્ય પરમેશ્વરને શુદ્ધ પ્રેમથી નમુ છું પૂર્ણજ્ઞાની કલિદાસ સર્વજ્ઞ શ્રી હેમચંદ્ર સરિને સ્તવુ છું પરમ પવિત્ર ગુરુ શ્રીમદ્ આગ્નિવિજયજીને પ્રેમથી નમીને મ પૂર્ણ ભાગવાળો તીર્થ કરનો ધારણા યત્ર કોઠે કડ છું (૧૨) આ આપક આચાર્ય મુનિ, ત્રાવક ઢે નગરને કયા તીર્થ કર શ્રેષ્ઠ છે ? એ પ્રશ્નનો ઉત્તર પ્રસ્તુત કોઠાથી દેવો અમુક મધને કયા તીર્થ કર શુભ છે એ જોવું નહીં (૩, હીર પ્રશ્ન) સિદ્ધ સિદ્ધ રાશિ નક્ષત્ર અને વર્ગથી તારવેલા સાધકના ૬૪ અક્ષરો તથા યોનિ વિગેરે એકેક પત્રમા લખવા, પછી દરેક પત્રમા ૨૪ તીર્થ કર અને તેના યોનિ વિગેરે ગોઠવવા આ રીતે ૧૫૩૧ કોઠા થાય છે તેથી વિવેકિએ સાધક જિનનો યોગ સાધવો (૪૬) નવીન જિન જી બેવામા ઉત્તરોત્તર જલ વાળી યોનિ વર્ગ લેણાદેણી ગણુ રાશિ અને નાહીવેદ એ છ બાળતો તપાસવી તારા જોવાની ખાસ જરૂર નથી વૈરમા કુરેર બળવાન છે, ભ (નક્ષત્ર) રોધ મધ્યમ છે, પાદવેધ અતિ દુષ્ટ છે પછી પછીના ખરાબ હોય તો તે યોગ વર્જવો માટે પદોપકારી પુરૂષો એ શસ્ત્રયોગ લેવો (૭૬) દરેક તીર્થ કરો શ્રેષ્ઠ છે ભાવ વૃદ્ધિના હેતુ રૂપ છે તોપણ શ્રેષ્ઠ નિમિત્તોનો ઇષ્ટ કાર્ય અધિક શુભ વાળુ બને છે (૧૦) અધ્યાય ૫ માં મામાપ્ત (૧૧)

પ્રત્યાસ્તિ

મારા હૃદયમા વીર હો મહાવીર હો વીરતા હો (૧૨) ગુણની ખાણુડપ તપગચ્છના આચાર્ય પરમપવિત્ર આરિ-દેશક લોકમાન્ય શાત મૂર્તિ શ્રી વિજયકેમલસૂરિ હતા (૧૩) તેની પાત્રપર શ્રી વિજયકેશર-મૂર્તિ છે જેના લઘુ ગુરુ બધુ શાતમૂર્તિ શ્રી વિનયવિજયજી મહારાજ છે (૧૪) શ્રી વિનયવિજયજી મહારાજના શિષ્ય શ્રી યશોવિજયજી જેન ગુરુકુલના સંસ્થાપક બાલ પ્રજ્ઞાચારી સ્વર્ગસ્થ પૂજ્ય મુનીશ્વર શ્રીમદ્ આગ્નિવિજયજી મહારાજ થયા (૧૫) તેમના પદકમલમા શમામૃતને પીનાર બમર સુ જ્ઞાન રક્ત ભિન્ન દર્શનવિજયે

સરલ બનાવી રચોડ અને

વાગો આ મુદ્ ગતિધાગણાન્યત્ર જ્ઞાનાન્મો છે (૧૬) મનુષ્યોને આ ન ધર્મી
અનુક્રમ જ્ઞાન વિધિવાદ જિન પ્રતિષ્ઠા જિન પૂજા સમયદર્શન ભાવના ચારિત્ર
અને નિર્દેશ પ્રાપ્ત વાગ્યો (૧૭) વી નિવાણ સં ૨૪૫૬ ડી ન્યેની પુત્રમે
મરમેત્તિના પ્રગતીર્થમા આ ન થ પુરો કયો છે આ ગામ્ર મુનિ જ્ઞાન વિજય
મુનિ ન્યાય વિજયના મહકારમી સમગ્ર જન્ય છે તે જાનિયોના આનંદ માટે
જ્યાં સુધી મેરૂ પૂરી અને વડ છે ત્યાં મુધી ચિત્કાવ રહે (૧૮ ૧૯)

દિનશુદ્ધિ દીપિકાની વિશ્વપ્રભા નિશ્ચરચના પ્રમથ એકાક્ષરીવ્રોધ વિનયમામુદિ
કુન્દ અને પૂજાઓ પાછી આ ૧૨૦ ક્રોડ પ્રમાણ વારણાય રહે છે (૨૦)
સંવત્ ૧૮૫૨ રો જન ધર્મનુ મગળ હો નાનનુ અધનુ ભદ્ર હો દરેકનું
શિવ હો (૨૧) ઇતિ બ્રહ્મદ્વારણાય ન ગામ્ર સમાપ્ત

તા ૦ ૨૬ ૧૦ ૩૧
શરદ પુનમ
૯૬, કેનીંગ ફીટ કલકત્તા

}

વી.
મુનિ દર્શન વિજય

